- प्रधानमंत्री मोदी-मंगोलिया के विकास में भारत दृढ़ साझेदार
- 12

- सितंबर माह में मांग बढ़ने से बढ़ा रत्न आभूषण का निर्यात
- 12

- अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी
- 13

- राहुल का अर्धशतक भारत ने किया क्लीन स्वीप
- 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

29.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.08

सूर्यास्त 05.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ · बरेली · कानपुर · मुरादाबाद · अयोध्या · हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी 10:34 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 15 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 55, पृष्ठ 14 · मूल्य 5 रुपये

प्रदेश के 14.82 लाख राज्य कर्मचारियों को मिलेगा बोनस

- दीपावली से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी खुशखबरी
- बोनस बांटकर 1,022 करोड़ का व्ययभार वहन करेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के मौके पर राज्य सरकार के लगभग 14 लाख 82 हजार कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है। इस पर कुल व्ययभार 1,022 करोड़ रु. आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रु. के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 रु. का लाभ मिलेगा। योगी ने कहा कि दीपावली से पहले यह आर्थिक लाभ कर्मचारियों के परिवारों के लिए आनंद और उत्साह लेकर आएगा तथा शासन-प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

अयोध्या में बनेगा एनएसजी का केंद्र, आपात पर तुरंत पहुचेंगे कमांडो

- केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस पर की घोषणा

मानेसर (हरियाणा), एजेंसी

गुरुग्राम के मानेसर में स्थित एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते अमित शाह।

गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार उत्तर प्रदेश के अयोध्या में ब्लैक कैट कमांडो बल एनएसजी का एक और क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करेगी। मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद और गांधीनगर के मौजूदा केंद्रों के बाद यह राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का छठा क्षेत्रीय केंद्र होगा। एनएसजी केंद्र इसके कमांडो को किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी ढंग से पहुंचने में मदद करते हैं।

आतंकवाद रोधी कमांडो बल के 41वें स्थापना दिवस पर यहां उसके मुख्यालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार आने वाले दिनों में एनएसजी की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव लाने वाली है। उन्होंने कहा अयोध्या में केंद्र बनने के बाद यहां एनएसजी के जवान चौबीसों घंटे तैनात रहेंगे। सरकार ने 30 जून और एक जुलाई 2009 को मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में एनएसजी के चार क्षेत्रीय केंद्रों का संचालन शुरू किया था। इन केंद्रों की स्थापना का निर्णय 2008 के 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद लिया गया था, ताकि विशिष्ट कमांडो को हमले वाली जगह पर पहुंचने में लगने वाला समय घटाया जा सके। इससे पहले, एनएसजी कमांडो को दिल्ली से हवाई मार्ग से लाना पड़ता था, जिससे देरी होती थी। एनएसजी की ये इकाइयां लंबे समय तक चलने वाले, उच्च जोखिम वाले आतंकवाद रोधी अभियानों के लिए एक विशेष 'बैकअप' बल के रूप में कार्य करती हैं। ये केंद्र कमांडो की पेशेवर कुशलता को निखारने में मदद करते हैं और राज्यों के प्रथम प्रतिक्रिया बलों, पुलिस बलों की क्षमता निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एनएसजी का गठन 1984 में हुआ था। इसके अभियान में चूक नहीं होती, कम समय में किसी भी हमले का मुकाबला कर सकता है।

आतंकवादियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं : शाह

मानेसर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकवादी समूहों के मुख्यालयों, प्रशिक्षण केंद्रों और 'लॉन्च पैड्स' को तबाह कर दिया गया तथा अब आतंकवादियों के लिए कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि भारतीय सुरक्षा बल जमीन के अंदर घुसकर हर आतंकवादी कृत्य की सजा देने के लिए कृतसंकल्प हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में आतंकवादी मुख्यालयों, उनके प्रशिक्षण केंद्रों और लॉन्च पैड्स को नष्ट किया है...ऑपरेशन महादेव में हमारे सुरक्षा बलों ने पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों का सफाया करने के लिए सटीक कार्रवाई की। इससे नागरिकों का सुरक्षा बलों पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है।

ब्रीफ न्यूज

सरकार ने 16वें वित्त आयोग का कार्यकाल 30 नवंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने 16वें वित्त आयोग का कार्यकाल एक महीने बढ़ाकर 30 नवंबर तक कर दिया है। सरकार ने 31 दिसंबर 2023 को 16वें वित्त आयोग का गठन किया था और नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया का इसका चेयरमैन बनाया गया था। इस आयोग को 31 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट देनी थी। आयोग मुख्य तौर पर एक अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्र एवं राज्यों के बीच करों के वितरण पर सिफारिशें करता है। वित्त मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को अधिसूचना में कहा कि 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट दाखिल करने करने की तिथि 30 नवंबर तक बढ़ाई जा रही है।

2.15 करोड़ के मादक पदार्थ की तस्करी में दो विदेशी गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक में दो विदेशी नागरिकों को 2.15 करोड़ रुपये मूल्य के एमडीएमए और कोकीन बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में एक पुरुष और एक महिला है। पुलिस ने उनके कब्जे से 490 ग्राम एमडीएमए और 43 ग्राम कोकीन जब्त की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये गिरफ्तारियां इलेक्ट्रॉनिक सिटी थाने के एक निरीक्षक को आठ अक्टूबर को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर की गईं।

सरकार जिला पंचायतों में सिविल इंजीनियर, आर्किटेक्ट करेगी तैनात

मुख्यमंत्री ने ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के दिए निर्देश

- पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और संसाधनों के उपयोग पर बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में पंचायतों का ऑन सोर्स ऑफ रेवेन्यू बढ़ाए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारदर्शिता व तकनीकी उपयोग के माध्यम से ग्राम पंचायतों की राजस्व प्राप्ति और जनसेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधार सुनिश्चित करने पर बल दिया है। यह निर्देश भी दिया कि विकास प्राधिकरणों के अतिरिक्त जिला पंचायतों के अधीन क्षेत्रों में भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए जिला पंचायतों के पास दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता होनी चाहिए। इसके लिए जिला पंचायतों में सिविल इंजीनियर अथवा आर्किटेक्ट की तैनाती की व्यवस्था की जाए, जिससे स्थानीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

सीएम ने ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। कहा, आधार कार्ड निर्माण, संशोधन, बायोमेट्रिक अपग्रेडेशन आदि कार्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे नागरिकों को सुविधा मिले और मिलने वाले शुल्क से ग्राम पंचायत की आय में भी वृद्धि हो। पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में योगी ने कहा कि पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की आत्मा हैं। पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यों से नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल देते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों के पास जितनी अधिक स्व-वित्तीय क्षमता होगी, उतनी ही तेजी से ग्रामीण विकास के कार्य आगे बढ़ेंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल सेवा व जनसुविधा संचालन का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

तालाबों, पोखरों को लेकर स्पष्ट नियमावली तैयार हो : योगी

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंचायती राज विभाग द्वारा तालाबों, पोखरों की सूचीकरण और उपयोग नीति पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत तथा जिला पंचायत के अधीन तालाबों व पोखरों का समयबद्ध पट्टा किया जाए और इनसे प्राप्त राशि को हर घर नल, जल संरक्षण और ग्राम्य हित के कार्यों में ही उपयोग किया जाए। उन्होंने इसके लिए एक स्पष्ट नियमावली तैयार करने के निर्देश भी दिए।

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम दो आतंकवादी ढेर

- 12 घंटे चली मुठभेड़ में मार गिराया, सर्च अभियान जारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार देर रात कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर के लिए गोलीबारी हुई।

श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा, जम्मू कश्मीर पुलिस की विशिष्ट खुफिया जानकारी और सूत्रों व एजेंसियों की पुष्टि के आधार पर संभावित घुसपैठ के प्रयास के संबंध में 13 अक्टूबर 2025 को कुपवाड़ा के माछल सेक्टर में सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया था। पोस्ट में कहा गया है, सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी, जिसके बाद आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने प्रभावी जवाबी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। बड़ी मात्रा में हथियार और उपकरण बरामद किए गए।

एसी बस में लगी आग, 20 यात्री जिंदा जले

जैसलमेर जिले के थईयात गांव के पास आग लगने के बाद धू-धूकर जलती बस।

जैसलमेर, एजेंसी

जैसलमेर-जोधपुर राजमार्ग पर मंगलवार को जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक एसी बस में आग लगने से 20 यात्रियों की जिंदा जल गए। बस में 57 यात्री सवार थे। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है।

उन्होंने कहा, राजस्थान के जैसलमेर में हुए हादसे में हुई जान-माल की हानि से व्यथित हूं. इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। पीएम ने मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। जोधपुर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजेश मीणा ने बताया कि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जोधपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, बस जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी तभी अपराह्न करीब तीन बजे थईयात गांव के पास उसके पिछले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा और चालक ने बस को सड़क किनारे रोका। हालांकि कुछ ही पलों में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय निवासी और राहगीर मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में मदद की। दमकल और पुलिस को सूचित किया और घायलों को जैसलमेर के जवाहर अस्पताल ले जाया गया। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है और संबंधित अधिकारियों को तत्काल राहत एवं चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

हादसे में चचेरे भाइयों समेत तीन की गई जान

हादसे का शिकार हुए अंश, विनीत और धीरेंद्र।

संवाददाता, फर्रुखाबाद

- मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र में दो बाइकों के बीच हुई सीधी भिड़ंत
- मरने वालों में मैनपुरी के दो चचेरे भाई शामिल, 2 गंभीर घायल

अमृत विचार: मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक कोल्ड स्टोरेज के पास दो बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत में दो चचेरे भाइयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को डॉ.राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का शिकार हुए तीनों लोग मैनपुरी के रहने वाले थे।

पड़ोसी मैनपुरी जनपद के ऐलऊ थाना क्षेत्र के अगहर गांव निवासी धीरेन्द्र जाटव (25), उसके चाचा बाल किशन (46), चाची ललिता (38) और चचेरा भाई अंश (5) मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के मदनपुर गांव एक तेरहवीं संस्कार में शामिल होने आए थे। तेरहवीं संस्कार में शामिल होने के बाद सोमवार की रात एक ही बाइक से वापस घर लौट रहे थे, तभी मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के मदनपुर कोल्ड स्टोरेज के पास सामने आई तेज रफ्तार बाइक से उनकी सीधी टक्कर हो गई। हादसे में धीरेंद्र और अंश के साथ दूसरी बाइक पर सवार मैनपुरी जनपद के ही भोगांव थाना क्षेत्र के भीमनगर निवासी विनीत (25) पुत्र वीरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाल किशन और उनकी पत्नी ललिता गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों लोगों को डॉ.राममनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना मिलते ही विनीत की पत्नी नेहा सिंह और धीरेन्द्र जाटव की पत्नी पूजा व मां गुड्डी देवी अस्पताल पहुंच गईं। मोहम्मदाबाद थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद शुक्ला ने घायल बालकिशन के हवाले से बताया कि बाइक भतीजा धीरेंद्र चला रहा था।

भारत के तीन कफ सिरप के खिलाफ डब्ल्यूएचओ ने पूरी दुनिया को चेताया

- कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ कफ सिरप पर चेतावनी

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में पाए गए खराब गुणवत्ता वाले खांसी के तीन सिरप - कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ के खिलाफ चेतावनी जारी की है।

संगठन ने विश्वभर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों से कहा है कि यदि ये सिरप उनके देश में पाए जाएं, तो तुरंत डब्ल्यूएचओ को इसकी सूचना दें। सलाह दी है कि वे इन खराब गुणवत्ता की दवाओं का पता लगने तथा प्रतिकूल प्रभाव की किसी भी घटना की सूचना अपने राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों या 'नेशनल फार्माकोविजिलेंस सेंटर' को दें। यह अलर्ट उस समय जारी किया गया है जब मध्य प्रदेश में कम से कम 22 बच्चों की कोल्ड्रिफ सिरप पीने के बाद संदिग्ध रूप से किडनी खराब होने के कारण मौत हो चुकी है। चेतावनी दी है कि इन घटिया उत्पादों से प्रभावित देशों व क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला पर निगरानी बढ़ाई जाए। अनौपचारिक/अनियमित बाजार की निगरानी बढ़ाने की भी सलाह दी जाती है।

भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की सूची जारी की

बिहार चुनाव

- विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काटा

पटना, एजेंसी

भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें 13 मंत्रियों और नौ महिलाओं के नाम शामिल हैं जबकि विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काट दिया गया है।

भाजपा नवंबर में होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के तहत लड़ रही है। वह 243 विधानसभा सीट में से 101 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। शेष सीटें गठबंधन सहयोगियों के हिस्से में गई हैं जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यू) भी शामिल है। भाजपा की पहली सूची में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को लखीसराय से प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काट दिया गया है। यादव सात बार पटना साहिब से विधायक रह चुके हैं। पार्टी ने उनकी जगह हाईकोर्ट के वकील और भाजपा नेता रत्नेश कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा की पहली सूची में 13 मंत्रियों और नौ महिला उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने 48 मौजूदा विधायकों को दोबारा मौका दिया है।

ऐलान

अमेरिका के बाहर भारत में सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा स्थापित, विशाखापत्तनम में अडाणी समूह के साथ मिलकर बनाएगी डेटा केंद्र

गूगल एआई 15 अरब डॉलर का निवेश कर स्थापित करेगी डेटा सेंटर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। इसमें अडाणी समूह के साथ साझेदारी में देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी शामिल होगा।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में यह एआई केंद्र अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा केंद्र होगा। इसमें एक गीगावाट का डाटा सेंटर परिसर, नए बड़े पैमाने के ऊर्जा स्रोत एवं विस्तारित फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क शामिल होगा। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने कहा, यह अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा जिसमें हम निवेश करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।यह घोषणा नयी दिल्ली में गूगल द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'भारत एआई शक्ति' के दौरान की गई। यह कार्यक्रम भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करके बहुत अच्छा लगा, हमने विशाखापत्तनम में पहले गूगल एआई केंद्र के लिए अपनी योजनाओं को साझा किया जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पिचाई ने लिखा, यह केंद्र गीगावाट स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे और विशाल ऊर्जा अवसंरचना को एक साथ लाता है। इसके माध्यम से हम अपनी उद्योग-अग्रणी प्रौद्योगिकी को भारत के उद्यमों एवं उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएंगे जिससे एआई नवोन्मेषण में तेजी आएगी और देश भर में विकास को गति मिलेगी। इसके अलावा अरबपति गौतम अडाणी के समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि उसकी संयुक्त उद्यम कंपनी अडानीकॉनेक्स और गूगल, विशाखापत्तनम में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर परिसर और नई हरित ऊर्जा अवसंरचना विकसित करेंगे। सीतारमण ने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि यह काम करने के लिए सही जगह और आने के लिए सही देश है... यह भारतीय इतिहास के उन बहुत ही दिलचस्प चरणों में से एक है जहां नीति, राजनीतिक क्षेत्र में कई दलों द्वारा इसे अपनाने से पहले ही आगे बढ़ रही है। वैष्णव ने राज्य में गूगल के निवेश को शीघ्र मंजूरी देने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार की सराहना की।

गूगल एआई केंद्र डिजिटल अर्थव्यवस्था को देगा बढ़ावा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि विशाखापत्तनम में गूगल एआई केंद्र की स्थापना प्रौद्योगिकी के लोकतांत्रीकरण में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम होगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आंध्र प्रदेश के शहर विशाखापत्तनम में गूगल एआई केंद्र की स्थापना को लेकर काफी खुश हूं।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पटेल जयंती पर भाजपा करेगी राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में विविध कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। भाजपा के कार्यकर्ता बूथ स्तर से लेकर जिला पंचायत तक संगोष्ठियों का आयोजन कर सरदार पटेल के जीवन, उनके अदम्य साहस और राष्ट्र एकता में दिए गए योगदान को स्मरण करेंगे। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित की जाएगी। इस पदयात्रा के माध्यम से जनता को सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने एक अभियान संचालन समिति का गठन किया है।

फर्जीवाड़ा करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने मंगलवार को एक जालसाज को गिरफ्तार किया। आरोपी व उसके गिरोह ने कानपुर में भारत सरकार की अधिकृत फर्म भारत गैस एंड कारपोरेशन लिमिटेड और एचपी ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के नाम पर फर्जीवाड़ा कर विज्ञापन प्रकाशित कराए थे। इन विज्ञापनों के जरिये डीलर व डिस्ट्रीब्यूटरशिप देने के नाम पर करीब 30 लाख रुपये की ठगी की गई थी। ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार पकड़ा गया आरोपी प्रमोद कुमार कानपुर निवासी है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 1997 में गिरोह तैयार किया था। मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई। अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

बच्चों में बढ़ता मोटापा बड़ी चुनौती : लीना जौहरी

अमृत विचार, लखनऊ : महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की अपर मुख्य सचिव (एसीएस) लीना जौहरी ने कहा कि बच्चों और किशोरों में बढ़ता मोटापा अब कुपोषण का नया स्वरूप बन गया है। इससे गैर-संचारी रोगों का खतरा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ आज और सुरक्षित कल के लिए पोषण साक्षरता अनिवार्य है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों तक भोजन और पोषण संबंधी सही जानकारी पहुंचाना तथा समुदाय में पोषण के प्रति व्यवहारिक बदलाव लाना है। एसीएस, मंगलवार को राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत "स्वस्थ जीवन शैली और संतुलित आहार– बच्चों और किशोरों के विकास का आधार" विषयक पोषण पाठशाला में संबोधित कर रही थी।

दीपावली पर 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के मद्देनजर कैंप ऑफिस से वर्चुअल समीक्षा बैठक कर ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग के तैयारियों की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के दौरान 24 घंटे निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय बिजली कटौती से जनसामान्य को असुविधा न हो, इसके लिए सभी स्तरों पर विद्युत व्यवस्था की गहन मॉनिटरिंग की जाए। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली मिले, इसके लिए लो वोल्टेज एवं बार-बार शटडाउन की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य समय रहते पूरे कर लिए जाएं ताकि त्योहारों के समय कोई बाधा उत्पन्न न हो।

शिक्षा मित्रों को जल्द मिलेगा बड़ा तोहफा : अनिल राजभर

अमृत विचार, लखनऊ : श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि विगत 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस के दिन मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्रों को आशीर्वाद दिया गया और शिक्षामित्र के मानदेय वृद्धि तथा अन्य सुविधाएं प्रदान किए जाने की बात कही गयी है। इस लिए थोड़ा धैर्य रखिए, बहुत जल्द ही खुशी का परिणाम आने वाला है। श्रम मंत्री, मंगलवार को विधानसभा भवन के, तिलक हाल सभागार में आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन उप्र. के तत्वावधान में आयोजित 'शिक्षामित्र के भविष्य निर्धारण विषयक कार्य शाला' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्र दूर दराज गांव के प्राथमिक स्कूलों में मजदूर, मजलूम, और किसानों के बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं, और उनका भविष्य निर्धारण कर रहे हैं।

दीपावली पर 1.86 करोड़ माताओं-बहनों को मिलेंगे दो मुफ्त सिलेंडर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी आज उज्जवला योजना के तहत देंगे निःशुल्क सिलेंडर का उपहार
- दो चरणों में वितरण, पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक व दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च तक

अमृत विचार : योगी सरकार राज्य कर्मियों को बोनस का उपहार देने के साथ दीपावली पर उत्तर प्रदेश की करोड़ों महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान लाने जा रही है।

सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और वंचित परिवारों को राहत देते हुए दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल देने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लोकभवन सभागार में इस योजना का शुभारंभ करेंगे और पात्र महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर रिफिल का उपहार सौंपेंगे।

उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति वर्ष दो निःशुल्क एलपीजी रिफिल देने के तहत यह वितरण वित्तीय वर्ष 2025-26 में दो चरणों में किया जाएगा।

पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक और दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च तक है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 करोड़ रु. की धनराशि का प्रावधान किया है। पहले चरण के लिए राज्य में 1.23 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों का आधार प्रमाणन पूरा हो चुका है। योजनान्तर्गत तीनों ऑयल कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) के माध्यम से यह वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। राज्य स्तरीय समन्वयकों द्वारा मांगी गई 346.34 करोड़ रु. की अग्रिम धनराशि ऑयल कंपनियों को दे दी गई है, ताकि वितरण में किसी प्रकार की देरी न हो।

इस तरह मिलेगा लाभार्थियों को योजना का लाभ

- लाभार्थी अपने स्तर से प्रचलित उपभोक्ता दर (सब्सिडी सहित) के अनुसार 14.2 किग्रा एलपीजी सिलेंडर रिफिल खरीदेंगे। इसके बाद मात्र 3–4 दिनों के भीतर सब्सिडी की राशि उनके आधार प्रमाणित बैंक खातों में ऑयल कंपनियों द्वारा अंतरित कर दी जाएगी। केंद्र सरकार की और राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी की राशि अलग-अलग लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। जिनके पास 5 किग्रा के सिलेंडर हैं, वे चाहें तो 14.2 किग्रा के सिलेंडर भी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, जिनके पास केवल एक कनेक्शन है, उन्हें भी योजना का लाभ मिलेगा।

सिलेण्डर का वजन कम पाया जाता है तो होगा रिप्लेस

- शासन ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को पूरी मात्रा (14.2 किग्रा) में गैस मिले। यदि किसी सिलेण्डर का वजन कम पाया जाता है, तो वितरक अपने संसाधनों से सिलेण्डर रिप्लेस करेगा। बांट माप विभाग और जिला प्रशासन को समय-समय पर जांच के आदेश जारी किए गए हैं। राज्य स्तर पर खाद्यायुक्त कार्यालय में गठित समिति योजना की नियमित समीक्षा करेगी। वहीं, जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति साप्ताहिक समीक्षा बैठकें करेगी। साथ ही जिन लाभार्थियों का आधार अभी प्रमाणित नहीं हुआ है, उनका प्रमाणन प्रशासन और ऑयल कंपनियों के सहयोग से अभियान चलाकर किया जा रहा है।

37 डिब्बे प्रतिबंधित दवाएं पकड़ीं

अमृत विचार, लखनऊ : शासन के निर्देश पर पूरे प्रदेश में अवैध दवाओं और नशीले केमिकल्स के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत मंगलवार को लखीमपुर खीरी के गोला गोखरन नाथ स्थित दवा दुकानों पर छापेमारी की गयी। इस दौरान अनाधिकृत रूप से नारकोटिक्स श्रेणी की ट्रामाडॉल कैप्सूल के कुल 37 बाक्स जब्त किए गए। इनमें चार सैंपल एकत्र करके राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया गया है।

सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नगरों का निर्माण सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री योगी ने व्यापक 'शहरी पुनर्विकास नीति' की आवश्यकता पर दिया बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकसित करना है मसौदा
- ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए
- पुराने बाजारों, औद्योगिक क्षेत्रों और अनधिकृत बस्तियों के लिए क्षेत्रवार अलग रणनीति बनाएं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आवास विभाग की बैठक में व्यापक ''शहरी पुनर्विकास नीति'' की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति का उद्देश्य पुराने, जर्जर और अनुपयोगी क्षेत्रों को आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे, पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकसित करना है। उन्होंने कहा कि नीति में ऐसे प्रावधान किए जाएं, जिनसे निवास योग्य, सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नगरों का निर्माण सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरों की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। पुराने बाजारों, सरकारी आवास परिसरों, औद्योगिक क्षेत्रों और अनधिकृत बस्तियों के लिए क्षेत्रवार अलग रणनीति तैयार की जाए। नीति में सेवानिवृत्त सरकारी आवासों, पुरानी हाउसिंग सोसाइटियों तथा अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, ''शहरी पुनर्विकास नीति'' केवल भवनों के पुनर्निर्माण तक सीमित न रहकर शहरों के समग्र पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त करेगी। कहा कि हमारे नगर केवल इमारतों का समूह नहीं, बल्कि जीवंत सामाजिक संरचनाएं हैं। इनके पुनर्जीवन के लिए ऐसी नीति आवश्यक है, जो आधुनिकता, परंपरा और मानवता तीनों का संतुलित समन्वय करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति में राज्य स्तरीय पुनर्विकास प्राधिकरण, परियोजनाओं की सिंगल विंडो अप्रूवल प्रणाली और पीपीपी मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। निवेशकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश, प्रोत्साहन और सुरक्षा दी जाए, ताकि निजी क्षेत्र पुनर्विकास में सक्रिय भागीदारी कर सके।

उन्होंने कहा कि नई नीति का मसौदा जनप्रतिनिधियों, नगर निकायों और आम नागरिकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर अंतिम रूप से तैयार किया जाए और शीघ्र मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाए। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में विकास प्राधिकरणों द्वारा लिए जाने वाले बाह्य विकास शुल्क पर भी चर्चा हुई मुख्यमंत्री ने बाह्य विकास शुल्क को व्यावहारिक और जनहित के अनुरूप बनाए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी प्रकार के भूमि उपयोग आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और कृषि पर समान शुल्क दरें लागू हैं, जो व्यावहारिक नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नई व्यवस्था में स्थान और भूमि उपयोग के आधार पर शुल्क दरों में अंतर रखा जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपने सरकारी आवास में आवास विभाग की बैठक करते हुए।

सामान्य व्यक्ति स्वयं अपने शुल्क की गणना कर सकें

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कृषि एवं औद्योगिक उपयोग की भूमि पर बाह्य विकास शुल्क, आवासीय और व्यावसायिक उपयोग की तुलना में कम होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय नगर निकाय सीमा के भीतर और नगर निकाय सीमा के बाहर की भूमि पर भी शुल्क की दरों में अंतर किया जाए, ताकि निवेशकों और आम नागरिकों दोनों के हितों का संतुलन बना रहे। उन्होंने बाह्य विकास शुल्क की गणना प्रणाली में पारदर्शिता और सरलता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिसमें सामान्य व्यक्ति भी बिना किसी परेशानी के स्वयं अपने शुल्क की गणना कर सके। इसके लिए शुल्क निर्धारण का फॉर्मूला स्पष्ट, ऑनलाइन और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप वाला होना चाहिए।

विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही तय हो

- मुख्यमंत्री ने कहा कि बाह्य विकास शुल्क से प्राप्त धनराशि का उपयोग वास्तव में बाह्य बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, विद्युत व अन्य जनसुविधाओं के विकास में ही किया जाए। इसके लिए विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आवास विभाग को निर्देश दिया कि बाह्य विकास शुल्क से संबंधित वर्तमान प्राविधानों की समीक्षा कर, जनसुलभ, पारदर्शी और व्यवहारिक नीति का प्रारूप शीघ्र तैयार किया जाए, ताकि नगरीय विकास योजनाओं में गति आए और नागरिकों को वास्तविक लाभ मिले।

भाजपा जातिवादी पार्टी सावधान रहना है

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बहुत बड़ी जातिवादी पार्टी है, समाज में नफरत फैलाती है और विघटन पैदा करती है। भाजपा से सभी को सावधान रहना है। उप्र. में अपराधियों से प्रशासन की सांठ-गांठ है। प्रदेश की कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य और शिक्षा सब कुछ बर्बाद है। भाजपा सरकार में जातीय उत्पीड़न और भेदभाव चरम पर है।

सपा प्रमुख मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को संबोधित कर रहे थे। गोमती नदी की सफाई की व्यवस्था सपा सरकार में की गई, लेकिन भाजपा सरकार ने सब खराब कर दिया है। अब चला-चली की बेला है तो गोमती नदी की सफाई को लेकर ढोंग कर रहे हैं।

महाकुंभ से भी सुधारी राज्य की अर्थव्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजधानी पहुंचे राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग के प्रतिनिधमंडल ने की बैठक

अमृत विचार : राजधानी पहुंची राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग (नेशनल स्टैस्टिकल कमीशन-एनएससी) के प्रतिनिधमंडल के समक्ष मंगलवार को योगी सरकार के अफसरों ने महाकुंभ-2025 जैसे विशेष आयोजन का राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव समेत राज्य की अन्य आर्थिक कदमताल से अवगत कराया।

राज्य सरकार का प्रस्तुतिकरण देख राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग के अध्यक्ष, प्रो. राजीव लक्ष्मण करिंदकर ने उत्तर प्रदेश की सांख्यिकीय प्रणाली की प्रगतिशील दिशा की सराहना की और इसे देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया।

इसी क्रम में आयोग की ओर से उच्चस्तरीय बैठक से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर केंद्र एवं राज्यों के बीच सांख्यिकीय क्रियाकलापों में समुचित समन्वय एवं प्रभावी रणनीतियां विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गई और हुए 'डेटा से नीति, नीति से विकास और विकास से समृद्धि'का खाका खींचा गया।

बैठक में डा. राजेश कुमार चौहान, उपनिदेशक, अर्थ एवं संख्या द्वारा प्रदेश में महाकुंभ-2025 जैसे विशेष आयोजन का राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव से सम्बंधित प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें एक्स्पेंडिचर अप्रोच द्वारा इस मेगा इवेंट से प्राप्त कुल जीवीए की गणना को दर्शाया गया। साथ ही प्रदेश में पर्यटकों के आगमन में उतरोत्तर वृद्धि को रेखांकित करते हुए विभिन्न पर्यटन स्थालों पर चर्चा की। उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष, प्रो. राजीव लक्ष्मण करिंदकर ने की।

दीपावली व छठ पर्व पर चलेंगी अतिरिक्त बसें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दिल्ली से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर सहित प्रमुख मार्गों पर बसें चलेंगी
- गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दीपावली, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों पर प्रदेशवासियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक प्रोत्साहन अवधि घोषित किया गया है, प्रोत्साहन अवधि में कार्यरत चालकों, परिचालकों और कर्मचारियों के लिए सरकार ने आर्थिक प्रोत्साहन योजना की भी घोषणा की है, जिसमें इन्हें इस अवधि में कार्यकरने पर अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को बताया कि कहा कि दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर सहित प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि जो चालक-परिचालक 12 दिन ड्यूटी करते हुए औसतन 300 किमी प्रतिदिन का संचालन करेंगे, उन्हें 400 रूपए प्रतिदिन की दर से 4800 रूपए दिए जाएंगे। यदि कोई कर्मी 13 दिन लगातार ड्यूटी करता है और तय मानक पूरा करता है, तो उसे 450 रूपए प्रतिदिन की दर से 5850 रूपए मिलेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि अनुबंधित चालकों-परिचालकों को मानक से अधिक चलने पर 55 पैसे प्रति किमी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा

एनकाउंटर में मारे गए 256 दुर्दांत अपराधी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- मिशन शक्ति 5.0 के तहत 20 दिनों में एक दर्जन से अधिक एनकाउंटर हुए

अमृत विचार : योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले साढ़े आठ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड एनकाउंटर कार्रवाई की है। एनकाउंटर में मेरठ जोन ने मारी बाजी और पूरे प्रदेश में एनकाउंटर में पहले स्थान पर है। उक्त क्रम में ही मिशन शक्ति 5.0 के तहत पिछले 20 दिनों में एक दर्जन से अधिक एनकाउंटर की कार्रवाई की। बीते सोमवार को मेरठ में एक बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले इनामी बदमाश शहजाद उर्फ निक्की को ढेर किया जबकि कुछ दिन पहले बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने वाले बदमाशों को करारा जवाब दिया।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में हुए एनकाउंटर में 256 दुर्दांत अपरधियों को यमलोक पहुंचाया है। पुलिस ने 15,726 मुठभेड़ की कार्रवाइयां कीं, जिनमें 31,960 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर में 10,324 अपराधी घायल हुए। वहीं 18 पुलिसकर्मी भी शहीद हो गये जबकि 1,754 पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदेश में सबसे अधिक मेरठ ज़ोन में पुलिस ने 4,453 कार्रवाई की।

जिसमें 85 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मारे गए, हालांकि दो पुलिसकर्मी भी शहीद हो गये। इसी तरह, दूसरे स्थान पर रहे वाराणसी ज़ोन में 1,108 मुठभेड़ में 27 अपराधी ढेर हुए। तीसरे स्थान पर रहे आगरा जोन में 2,374 एनकाउंटर की कार्रवाई के दौरान 22 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 59 पुलिसकर्मी घायल हुए।

एडेड माध्यमिक स्कूलों के 1641 शिक्षकों के होंगे ऑफलाइन ट्रांसफर

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के ऑफलाइन स्थानान्तरण की सहमति दे दी है। इस सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को शासनादेश जारी कर दिया है। जारी शासनादेश के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय स्तर पर लम्बित कुल 1641 शिक्षकों का ही ऑफलाइन स्थानान्तरण किया जाएगा। इसके पश्चात वर्तमान शैक्षिक सत्र में कोई नया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही किसी भी शिक्षक को ऐसे विद्यालय में स्थानान्तरित नहीं किया जाएगा, जहाँ वह पूर्व में कार्यरत रह चुका हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्थानान्तरण की प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण करें, जिससे शैक्षणिक कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बाजार से चांदी फुर्र, त्योहार में चाहिए तो कराएं बुकिंग

नीरज मिश्र, लखनऊ

- करीब 15 फीसद अतिरिक्त प्रीमियम देने पर ही मिल रहा यह श्वेत मेटल

अमृत विचार : त्योहारी सीजन में अचानक बाजार में चांदी की कमी हो गई है। वैश्विक उथल-पुथल तो चल ही रही थी कि दीपावली पर बढ़ती खपत से यह सफेद धातु मार्केट से अचानक फुर्र हो गई है। कारोबारियों का मानना है कि बैंक और बुलियन मर्चेंट्स ने सिल्वर धातु की बिक्री में कमी कर दी है। यही नहीं विदेशों से आने वाली चांदी की आवक भी थमी है। हाल यह है कि बाजार की जरूरत को देखते हुए माल दबाए लोग या यूं कहे कि स्टॉकिस्ट लगभग '15 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम' पर ही इसे मार्केट में निकाल रहे हैं। इस पर्व पर जब सबसे ज्यादा चांदी की ज्वेलरी, सिक्के आदि चीजों के खरीदार बाजार में होते हैं उस दौरान करीब हफ्तेभर की बुकिंग ने बाजार की सिल्वर बिक्री पर ब्रेक लगा दिया है। चांदी न मिलने से व्यापार सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है।

> चांदी की कमी बाजार में है। खरीदारों के बीच दीपावली पर्व पर सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाली यह धातु इन दिनों बाजार में जरूरत से काफी कम है। जिस ज्वेलर्स को ज्यादा जरूरत है उसे करीब 15 फीसद प्रीमियम देना पड़ रहा है। सर्राफ को समय से चांदी न मिली तो पर्व निकल जाएगा। फिलीपींस, कनाडा, घाना, दक्षिण अफ्रीका, लंदन, आस्ट्रेलिया, रूस आदि से आने वाली यह कीमती श्वेत धातु जरूरत से काफी आ रही है।
>
> **-अनुराग रस्तोगी,** स्टेट हेड इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन(इब्जा)

धनतेरस पर बिकते हैं ज्यादा चांदी के आइटम

- इस पंचदिवसीय पर्व पर सबसे ज्यादा चीजें बाजार में बनती हैं। श्वेत धातु की 'शुभता' अधिक होने और सोने की अपेक्षा कीमत कम होने के कारण इससे तमाम आइटम बनाये जाते हैं। जिनकी खूब बिक्री पर्व के दौरान होती है।

चांदी के गणेश लक्ष्मी बने सिक्कों का बाजार रहता है गर्म

- इस पंचदिवसीय पर्व पर बड़ी संख्या में गणेश-लक्ष्मी बने सिक्कों के खरीदार होते हैं। आस्थावान सबसे ज्यादा इन्हीं सिक्कों की पूजा करते हैं। सिक्कों की दिनरात ढलाई का काम सर्राफा बाजार में होता है। श्रीगणेश और माता महालक्ष्मी की मूर्तियां खूब बनती और बिकती हैं। इसके अतिरिक्त चांदी के बार (बिस्किट, ईंट जैसी आकृति), पूजन के लिए बर्तन आदि चीजों की बिक्री चरम पर होती है।

रेयर अर्थ में शुमार होती है चांदी, कई अहम चीजों में होता है प्रयोग

- चांदी रेयर अर्थ के रूप में शुमार होती है। इसका इलेक्ट्रानिक्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर समेत कई अन्य तकनीकी चीजों में जमकर प्रयोग किया जाता है। इन आर्टिकल पर ब्रेक नहीं लगता है। ऐसे में पर्व के दौरान चांदी की कमी बाजार की गति को प्रभावित कर रही है।

विकास | राज्य स्तरीय सैन्क्शनिंग कमेटी की बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए 450 करोड़ का आउट-ले अनुमोदित

जमीन पर उतरेंगी 200 करोड़ की कई परियोजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सैन्क्शनिंग कमेटी (एसएलएससी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य कृषि विकास कार्यक्रम (एसएडीपी) के तहत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए 450 करोड़ का आउट-ले अनुमोदित है और 200 करोड़ रुपये की धनराशि बजट प्राविधान में स्वीकृत है।

इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। अनुमोदित परियोजनाओं के अंतर्गत समस्त कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराये जायें। बैठक में प्रदेश के कासगंज, बागपत, शामली एवं भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय भवन एवं मृदा परीक्षण भवन के निर्माण के लिए 18.24 करोड़ रुपए, पूर्व से निर्मित 326 किसान कल्याण केन्द्रों के सुचारु संचालन को विद्युत व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए 21.03 करोड़ रुपए तथा कृषि विभाग के 57 राज्य कृषि प्रक्षेत्रों की 1729.42 हेक्टेयर ऊसर भूमि एवं 1274.68 हेक्टेयर अकृषि योग्य भूमि के विकास के लिए 17.40 करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी क्रम में झांसी एवं मिर्जापुर में इक्रीसेट के माध्यम से 13872 हेक्टेयर व 7996 हेक्टेयर भूमि में जल प्रबंधन एवं फसल पद्धतियों के विकास के लिए 39.08 करोड़ रुपए, मऊरानी (झांसी) में स्थित भूमि संरक्षण प्रशिक्षण केन्द्र पर हास्टल के निर्माण को 5.34 करोड़ रुपए, प्रदेश के 09 जैव उर्वरक उत्पादन प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए 5.17 करोड़ तथा प्रसार प्रशिक्षण एवं ब्यूरो परिसर-लखनऊ में इनहाउस स्टूडियो निर्माण आदि कार्यों के लिए 4.36 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई।

लखनऊ में 36.15 करोड़ से बनेगा महिला छात्रावास

- इसी तरह राज्य कृषि प्रबंध संस्थान-रहमान खेड़ा (लखनऊ) के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण एवं सोलर पम्प मैकेनिक के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 1.91 करोड़ रुपए, पशुपालन विभाग के बक्शी तालाब-लखनऊ स्थित प्रशिक्षण केन्द्र के उच्चीकरण के साथ-साथ निबलेट बाराबंकी प्रक्षेत्र एवं निदेशालय परिसर में फार्म पोल्ट्री के विकास आदि के लिए 12.67 करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के माध्यम से कसया-कुशीनगर में केला के पौध उत्पादन के लिए टिशू कल्चर लैब एवं सिगना-आगरा परिक्षेत्र पर हास्टल निर्माण, निदेशालय परिसर-लखनऊ में महिला छात्रावास आदि कार्यों के लिए 36.15 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई।

चार सामुदायिक रेशम कीटपालन केन्द्र बनेंगे

- इसी प्रकार रेशम विभाग के राजकीय प्रक्षेत्रों पर 04 सामुदायिक रेशम कीटपालन केन्द्र तथा प्रक्षेत्रों की सुरक्षा को तारबाड़ एवं अन्तर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 17.63 करोड़ रुपये, सहकारिता विभाग की 12 प्राथमिक साधन सहकारी समितियों पर 100 मीट्रिक टन क्षमता के 12 गोदामों के निर्माण के लिए 5.90 करोड़ रुपए तथा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ एवं अयोध्या तथा पीडीडीयू-मथुरा तथा कृषि विज्ञान केंद्र गनीवा-चित्रकूट पर प्राकृतिक खेती के उत्थान को आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र आदि के लिए 11.62 करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति दी गई।

न्यूज ब्रीफ

886 मीट्रिक टन यूरिया का हुआ वितरण

कानपुर देहात। जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर उमेश गुप्ता ने बताया कि रबी वर्ष 2025-26 में रबी फसलों की बुआई का कार्य कृषकों द्वारा तेजी से किया जा रहा है। जनपद में माह अक्टूबर में यूरिया का लक्ष्य 2867 .00 के सापेक्ष उपलब्धता 14851 मीट्रिक टन तथा 886 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण कराया गया है। डीएपी का लक्ष्य 5611 मीट्रिक टन के सापेक्ष उपलब्धता 11166 मीट्रिक टन है। अब तक 1784 .29 मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। इसी तरह एनपीके का लक्ष्य 938 .मीट्रिक टन के सापेक्ष उपलब्धता 8942 मीट्रिक टन तथा 827 .13 मीट्रिक टन का वितरण कृषकों के मध्य किया जा चुका है।

किसान दिवस आज

कानपुर देहात। उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव ने बताया कि 15 अक्टूबर को विकास भवन सभागार माती में सुबह 11 बजे से किसान दिवस मनाया जाएगा। इसमें कृषि एवं कृषि समावेशी विभागों यथा उद्यान विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी समिति, लघु सिंचाई विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, कृषि विज्ञान केन्द्र, अग्रणी बैंक मैनेजर, नेडा एवं फसल बीमा कम्पनी के जनपद स्तरीय अधिकारी रहेंगे।

दूध, नमकीन, खिलौने के लिए सैम्पल

कानपुर देहात। डीएम के निर्देश पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से अभियान चलाया गया। इसमें खाद्य एवं पेय पदार्थ विशेषकर खाद्य पदार्थ खोया, पनीर, दूध, घी, मिठाईयों, नमकीन, ड्राई फ्रूट, खाद्य तेल एवं वनस्पति, रंगीन मीठे खिलौने, अन्य खाद्य पदार्थ आदि की गुणवत्ता परखी गई। कई दुकानदारों से खाद्य सामग्री के सैंपल भी लिए गए। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार पाण्डेय एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों महेन्द्र नाथ सिंह यादव, राम बिहारी, दिनेश चन्द्र, सुबोध कुमार, प्रदीप कुमार, अरविंद कुमार गौड़ तथा डॉ राम तेज आदि ने जनपद के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया।

राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनेंगी पीड़ा

कानपुर देहात। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य 15अक्टूबर को सर्किट हाउस में बैठक होगी। इसकी अध्यक्षता राज्य महिला आयोग की सदस्य अनुपमा लोधी करेंगी। बैठक में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा होगी। साथ ही महिला जनसुनवाई कार्यक्रम भी होगा।

अभियंता ने दर्ज कराई चोरी की रिपोर्ट

पुखरायां। अवर अभियंता नलकूप संतोष कुमार ने भोगनीपुर कोतवाली में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि राजकीय नलकूप संख्या 231 वीपीजी विदखुरी में नलकूप से 12 अक्टूबर को चोरों द्वारा नलकूप के स्टार्टर के अंदर सारा सामान चोरी कर लिया गया। खोजबीन करने पर पेंचकस, प्लास कुछ दूरी पर पड़ा मिला। तलाश की गई तो कुछ ही दूरी पर एक व्यक्ति बैठा था। जब उसको पकड़ लिया और उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके द्वारा ही चोरी की गई। पकड़े गए चोर ने अपना नाम विजयबाबू पुत्र हीरालाल निवासी बरौर बताया। डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा उसे हिरासत में लिया गया। पुलिस ने अवर अभियंता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

जिला पंचायत की बैठक आज

कानपुर देहात। अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत सुरेश कुमार ने बताया कि जिला पंचायत, कानपुर देहात की बैठक बुधवार को होगी। इसकी अध्यक्षता जिला पंचायत की अध्यक्ष नीरज रानी करेंगी। बैठक जिला पंचायत सभागार में होगी। सांसद, विधायक, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत प्रमुख आदि प्रतिभाग करेंगे।

हादसे में घायल युवक कानपुर रेफर

शिवली। शिवली रसूलाबाद मार्ग पर मवैया रोड के पास दो बाइक सवारों की बाइक आपस में टकरा गई। जिसमें गंभीर रूप से घायल जैतपुर गांव के ज्ञान प्रकाश 35 सिर में चोट लग जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको एंबुलेंस से शिवली सीएचसी इलाज के लिए लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने घायल को कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रिश्ते के भाई ने मासूम बच्ची के साथ किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, रसूलाबाद

- परिजनों के कहने पर पड़ोसी के यहां फ्रिज से पानी लेने गई थी
- रसूलाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की घटना

अमृत विचारः पड़ोसी के यहां फ्रिज से पानी लेने गई कक्षा 5 की छात्रा के साथ रिश्ते में पारिवारिक भाई ने कमरे में बंद कर दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी पर छात्रा के परिजन रक्तरंजित हालत में पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

रसूलाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किसान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाते हुए बताया कि उसकी लगभग 11 वर्षीय बेटी गांव के ही एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा 5 की छात्रा है। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे परिजनों के कहने पर वह पारिवारिक पड़ोसी के यहां फ्रिज से पानी लेने गई थी। इसी दौरान आरोपी अजय कुमार उम्र लगभग 19 वर्ष ने उसे अपने घर में अकेला पाकर कमरे में बंद कर लिया और दुष्कर्म किया। घटना से छात्रा की हालत बिगड़ गई, करीब 1 घंटे बाद जब पीड़िता की मां आरोपी के घर बेटी को देखने पहुंची तो वहां पर बेटी को लहूलुहान हालत में देख गश खा कर गिर पड़ी।

पीड़िता के पिता ने आरोपी युवक के विरुद्ध दुष्कर्म की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर दुष्कर्म व पॉक्सो अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। फॉरेंसिक टीम बुलवाकर साक्ष्य संकलन करवाए गए है एवं पीड़िता को महिला पुलिस के साथ जिला अस्पताल भेजा गया है। टीमें लगाकर आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बार और बेंच एक-दूसरे के नजरिए को समझें

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः हर अधिवक्ता न्याय के दीपक का ज्योति-बिंदु है जो अपने तर्क, अध्ययन और संयम से समाज में विश्वास जगाता है। यह बात जनपद कानपुर देहात के नव नियुक्त जिला जज रवींद्र सिंह ने जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मुलायम सिंह के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट के लिए गए प्रतिनिधि मंडल से भेंटवार्ता के दौरान कही।

जनपदीय न्यायाधीश से भेंट करते अधिवक्ता। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि न्याय के इस पवित्र मंदिर में अधिवक्ता केवल पक्षकारों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि न्याय की साधना के सहभागी हैं। अधिवक्ताओं के अनुभव, श्रम और अध्ययन से ही न्याय की प्रक्रिया जीवंत होती है। कहा कि मुझे विश्वास है कि अधिवक्ताओं के सहयोग से हमारा न्यायालय निष्पक्षता, पारदर्शिता और सहयोग के आदर्श पर अग्रसर रहेगा। जिला जज ने युवा अधिवक्ताओं से कहा कि नए अधिवक्ताओं के लिए यह समय अवसर का है ,सीखने का, सशक्त बनने का और न्याय के आदर्श को जीवन में उतारने का। उन्होंने कहा कि किसी समस्या पर वह समाधान हेतु वार्ता के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। बार के वरिष्ठ और युवा सदस्यों दोनों से संवाद और अनुशासन के माध्यम से एक आदर्श न्यायिक वातावरण बनाए रखने की अपेक्षा करता हूं। जिला जज रवीन्द्र सिंह ने कहा कि न्याय व्यवस्था तभी प्रभावी होती है जब अधिवक्ता और न्यायालय दोनों एक-दूसरे के दृष्टिकोण को सम्मानपूर्वक समझें। इस अवसर सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान, पूर्व अध्यक्ष संपत लाल, रमेश चन्द्र सिंह गौर, राजेन्द्र द्विवेद्वी आदि रहे।

सेना के हवलदार को श्रद्धांजलि अर्पित करतीं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला। गार्ड ऑफ ऑनर देते सेना के जवान। अमृत विचार

घायल आर्मी के हवलदार का निधन राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

पैतृक गांव रंजीतपुर में किया गया अंतिम संस्कार, बड़ी संख्या में भाग लेने पहुंचे ग्रामीण

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः छुट्टी पर घर आए आर्मी के हवलदार की दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार को पैतृक गांव रंजीतपुर में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम संस्कार के समय बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि देने ग्रामीण पहुंचे।

वीरेंद्र सिंह चौहान।

अंतिम संस्कार में मौजूद ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

मैथा तहसील के रंजीतपुर गांव के रहने वाले वीरेंद्र सिंह चौहान छुट्टी पर घर आए थे। करीब सप्ताह भर पूर्व नौबस्ता कानपुर में मार्ग दुर्घटना में घायल हो गए थे। लखनऊ के आर्मी के अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार की रात निधन हो गया। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव रंजीतपुर लाया गया। पत्नी नीरजा सिंह, पुत्र युवराज व विराट बिलख बिलख कर रोते रहे। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके तहसीलदार सुनील कुमार, लेखपाल सुजीत कुमार, सपा नेता नीरज सिंह, भाजपा नेता विकास सिंह भोले, ग्राम प्रधान आशीष सिंह, पूर्व प्रधान टिंकू सिंह, बऊवन दुबे, रमेश सिंह मौजूद रहे।

कुमायूं रेजीमेंट में तैनात थे वीरेंद्र

- शिवली। मूलरूप से रंजीतपुर गांव के रहने वाले बच्चन सिंह के पुत्र वीरेंद्र सिंह चौहान इस समय दिल्ली में 16 कुमायूं रेजिमेंट में तैनात थे और कुछ दिनों पूर्व छुट्टी पर आए थे। इसी बीच उनका नौबस्ता में मार्ग दुर्घटना में घायल हो गए। वीरेंद्र के एक और भाई राजेश सिंह चौहान भी आर्मी में कार्यरत है। मंगलवार को सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया।

चार लोगों को सांपों ने डसा, एक की हालत गंभीर होने पर रेफर

राजपुर। खेत में धान काट रहे एक किसान को सर्प ने दंश लिया। हालत गम्भीर होने पर परिजनों ने उसे पीएचसी राजपुर मे भर्ती कराया जहां पर उसका उपचार किया जा रहा है।

कस्बे के अशोक नगर मोहल्ला निवासी इंतजार उर्फ बब्लू 40 वर्ष मंगलवार को खेत से धान काटने गये थे,तभी हाथ में में सांप ने डस लिया। परिजन पीएचसी राजपुर ले गए। जहां पर डॉक्टर ध्रुव सिंह ने उपचार शुरू कर दिया है। पीएचसी राजपुर पहुंचे रमऊ प्रधान जमाल अहमद ने बब्लू का हालचाल जाना। इसके अलावा क्षेत्र के अनवां गांव निवासी गुंजन 13 वर्ष पुत्र बृजेंद्र सिंह को सर्प ने डस लिया। परिजन उसे पीएचसी राजपुर लाये, तीन घंटे के बाद उसे घर भेज दिया गया। वहीं करीम नगर गांव निवासी प्यारे लाल 50 वर्ष पुत्र मोहन लाल को प्राथमिकी उपचार कर पीएचसी प्रभारी डॉक्टर सलिल सचान ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रसूलाबाद संवाददाता के अनुसार बैरीसाल गांव निवासी एक महिला को जहरीले सर्प ने डस लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए वहां इलाज किया गया। बैरीसाल गांव निवासी राकेश की पत्नी विमल देवी 24 को घर में काम करते समय जहरीले सर्प ने पैर में डस लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रले गए वहां डॉक्टर सौरभ शाक्य ने भर्ती कर इलाज किया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की गई जान

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: जिले के गजनेर-सरवनखेड़ा मार्ग पर भिखनापुर गांव के पास मंगलवार को ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर बेकाबू हो गया और सड़क पर पलट गया। उस पर लदा धान चारों ओर फैल गया। इससे वाहनों का आवागमन अवरुद्ध हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी से ट्रॉली को हटवाकर यातायात बहाल कराया।

पल्सर बाइक सवार नीरज पुत्र रामसेवक उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम मनेथू थाना गजनेर का रहने वाला था। किसी काम से वह बाइक लेकर निकला था। भिखनापुर गांव के पास ट्रैक्टर की चपेट में आने से उसकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मय वाहन मौके से फरार हो गया है। हादसे के बाद ट्रैक्टर पर लोड धान बिखर गया और ट्रॉली सड़क पर गया। इस कारण कुछ देर के लिए सड़क का यातायातअवरुद्ध हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी मशीन बुलाई। इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से ट्रैक्टर ट्रॉली रोड के किनारे करते हुए आवागमन सुचारु किया गया।

दूसरी तरफ, पुलिस ने बताया कि मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। परिजनों को सूचना भिजवा दी गई है। यहां पहुंचे परिजनों का रो कर बुरा हाल हो गया।

हादसे के बाद सड़क पर पलटे ट्रैक्टर को सीधा करती जेसीबी। अमृत विचार

अलग-अलग सड़क हादसों में चार घायल

- रसूलाबाद। अलग-अलग सड़क हादसों में गर्भवती समेत चार लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत चिंताजनक देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया है। सजावरपुर जोत गांव निवासी गुरदीप 30 जोत गांव निवासी बबलू 35 के साथ बाइक से रसूलाबाद की तरफ आ रहे थे। तभी बैरगरा बंबी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने इलाज के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया है। वही कहींजरी खुर्द निवासी संजीव कुमार 40 व चित्तानिवादा रसूलाबाद निवासी सौरभ की गर्भवती पत्नी प्रतिमा 25 भी अलग-अलग स्थान में बाइक अनियंत्रित होकर गिर जाने के कारण घायल हो गई।

सीढ़ियों से गिर कर घायल हुई महिला

रसूलाबाद। रसूलाबाद के लोहिया नगर निवासी एक विवाहिता सीढ़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई, परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। कस्बा के लोहिया नगर निवासी अरविंद सविता की पत्नी लक्ष्मी देवी 28 सोमवार रात करीब 10 बजे सीढ़ी द्वारा नीचे उतर रही थी, इसी दौरान पैर फिसल जाने के कारण लक्ष्मी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए। वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य व फार्मासिस्ट योगेंद्र कुमार सिंह ने भर्ती कर इलाज किया।

स्वच्छता और पर्यावरण को बचाने के उपाए बताए

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः क्षेत्रीय इंटर कॉलेज, रनियां में मंगलवार को नदी, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई।

स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में अर्पित अवस्थी ने प्रथम स्थान, सोनाली शर्मा ने द्वितीय स्थान, अवंतिका पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वीनू को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला परियोजना अधिकारी ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान एवं विशेष जागरूकता गतिविधियों के तहत यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वच्छता और पर्यावरण को बचाने के उपाए बताए।

इस अवसर पर सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल के रूप में उमा कटियार रमा तिवारी, दीपिका सेंगर, शिव सिंह चंदेल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का समस्त शिक्षण स्टाफ भी मौजूद रहा।

स्पर्धा में अव्वल मेधावी हुए सम्मानित

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः कस्बे के न्यू लाइट एजुकेशन सेंटर इंग्लिश मीडियम विद्यालय में पूर्व में आयोजित हुई बौद्धिक विकास प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया, प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आये छात्र छात्राओं को पुरुस्कृत किया गया साथ ही मिशन शक्ति के तहत जागरुक भी किया गया।

बीते शुक्रवार को कस्बे के न्यू लाइट एजूकेशन सेंटर इंग्लिश मीडियम विद्यालय में बौद्धिक विकास प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसका परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सम्मानित करते अतिथि। अमृत विचार

विद्यालय में मुख्य अतिथि के रुप मे पहुंचे थानाध्यक्ष सनत कुमार ने विद्यालय प्रबंधक महादेव सिंह चौहान के साथ मिलकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर खुशी सिंह कक्षा 8, राजा सिंह कक्षा 7, नान्या कटियार कक्षा 6 व द्वितीय स्थान पर दिव्या सोनी कक्षा 8, आयुष द्विवेदी कक्षा 7, कृष्णा सिंह कक्षा 6 वहीं तृतीय स्थान पर साम्भवी सिंह कक्षा 8, नमन राज व दुर्गेश सिंह कक्षा 7, अदीबा सिद्दीकी व हर्षित वर्मा कक्षा 6 को प्रशस्त प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किए।

प्रतिभा का प्रदर्शन | विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने तैयार किए उम्दा मॉडल

शिवम को पहला, आदित्य को दूसरा स्थान

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः भुगनियापुर गांव के पीसीएसबी इंटर कॉलेज में मंगलवार को जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं टीएलएम प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग के राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्त विहीन विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते डीआईओएस। अमृत विचार

सुबह दस बजे राजकीय विद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं वित्त विहीन विद्यालयों से विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों-शिक्षिकाओं के साथ उपस्थित होकर अपना पंजीकरण कराया। इसके बाद जूनियर व सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता अलग-अलग कक्ष में आयोजित की गई। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने विद्यार्थियों के मॉडल्स को बारीकी से देखा व मॉडल्स की बारीकियां को विद्यार्थियों से भी जाना। सहायता प्राप्त एवं वित्त विहीन विद्यालयों के विद्यार्थी अपने मॉडल्स को लेकर पूरे उत्साह में दिखे। प्रतियोगिता के साथ दूसरे कक्ष में जनपद के राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा टीएलएम प्रतियोगिता में अपने विषय से संबंधित मॉडल के साथ प्रतिभाग किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सरल तरीके से कठिन विषयों को बताने के अलग-अलग तरीकों का प्रदर्शन किया।

इसके पहले, डीआईओएस बृजभूषण चौधरी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद डीआईओएस ने विद्यार्थियों के मॉडल का अवलोकन किया। निर्णायक मंडल द्वारा परिणाम घोषित किए गए। सीनियर वर्ग में पीसीएसबी इंटर कॉलेज भुगनियांपुर के छात्र शिवम कुशवाहा को प्रथम स्थान, पीसीएसबी इंटर कॉलेज भुगनियांपुर के ही छात्र आदित्य को द्वितीय स्थान तथा आरपीएस इंटर कॉलेज रूरा के छात्र राज श्रीवास्तव को तृतीय स्थान के लिए चयनित किया गया। जूनियर वर्ग में राजकीय हाई स्कूल बारा के छात्र अभिषेक, गुलशन व ऋषभ को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान के लिए, जीजीआईसी सिमरामऊ की छात्रा रश्मि को द्वितीय स्थान के लिए एवं राजकीय हाई स्कूल चंपतपुर के छात्र पीयूष को तृतीय स्थान मिला।

50 मीटर दौड़ में मदारपुर के आलोक ने सभी को पछाड़ा

शिवली : न्याय पंचायत लालपुर शिवराजपुर मैथा में मंगलवार को बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता मॉडल जूनियर हाईस्कूल सरैया लालपुर में संपन्न हुई। प्राथमिक स्तर 50 मीटर दौड़ में आलोक मदारपुर प्रथम रहे। बालिका वर्ग यशी विक्रमपुर प्रथम, जूनियर स्तर 100मीटर दौड़ अनुज अलियापुर, बालिका वर्ग ऋचा सरैया लालपुर 100मीटर दौड़ प्रथम स्थान पर रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ और पुरस्कार वितरण विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजनाथ द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम मे विनय तिवारी, प्रतीक्षा त्रिपाठी, निशा सिंह, विजय कुमार, श्रीपाल बघेल, संजय कुशवाहा, दीपक द्विवेदी, राहुल तिवारी, अमित कुशवाहा रहे। संचालन कृष्ण बिहारी ने किया।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025

जोगिन डेरा गांव में बनेगा मिलन केंद्र : असीम अरुण

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने जोगिन डेरा गांव में घुमंतू समुदाय के लोगों से की मुलाकात, दिये तमाम आश्वासन

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सरकार के विशेष अभियान के तहत बिल्हौर के ककवन विकासखंड क्षेत्र स्थित जोगिन डेरा गांव का दौरा किया, जो घुमंतू जाति के लोगों का आवास स्थल है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य इन समुदायों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था। यह कार्यक्रम योगी सरकार द्वारा आयोजित जनजाति और मुक्ति आभार दिवस कार्यक्रम का हिस्सा था।

जल्द से जल्द सभी योजनाएं पहुंचाने का दिया आश्वासन: मंत्री असीम अरुण ने स्थानीय जोगी समाज के लोगों को संबोधित किया और योगी सरकार द्वारा विशेष रूप से नाथ संप्रदाय के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समुदाय को आश्वस्त किया कि सभी विशेष योजनाएं जल्द शुरू होंगी।

लोगों ने बताई अपनी समस्याएं : मुलाकात के दौरान स्थानीय जोगी समाज के लोगों ने अपनी बुनियादी समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। इस पर मंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मौके पर मौजूद तहसीलदार को निर्देश दिए कि वह तुरंत इन लोगों को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने का काम शुरू करें।

सांस्कृतिक जुड़ाव और सादगी: कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय योगी समाज के लोगों ने अपनी परंपरा का प्रदर्शन करते हुए मंत्री असीम अरुण के सामने बीन बजाकर नृत्य किया और अपनी कला से उनका मनोरंजन किया। मंत्री ने भी सादगी का परिचय देते हुए उनकी झोपड़ी में जाकर नाथ संप्रदाय के लोगों के साथ भोजन किया आ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें अखिलेश अवस्थी, राजू स्वर्णकार, जेपी कटियार, शुभ्राशु कटियार, नरेश कठेरिया, शानू राठौर, और विक्रम मिश्रा प्रमुख थे।

मंत्री असीम अरुण का माला पहनाकर स्वागत करते जोगिन डेरा के लोग।

कार्यक्रम में नाचते-गाते जाते समुदाय के लोग। अमृत विचार

मंत्री द्वारा की गईं प्रमुख घोषणाएं

- **मिलन केंद्र :** मंत्री असीम अरुण ने गांव के लोगों की मांग पर उनकी पुत्रियों के विवाह के लिए गांव में ही एक मिलन केंद्र (सामुदायिक केंद्र) बनाने की घोषणा की।
- **आधार कार्ड अभियान :** यह संज्ञान में आने पर कि बड़ी संख्या में घुमंतू जाति के लोगों के पास आधार कार्ड न होने के कारण वे सरकारी योजनाओं से वंचित हैं, मंत्री ने अधिकारियों को कैंप लगाकर युद्धस्तर पर उनके आधार कार्ड बनवाने के निर्देश दिए।
- **बुनियादी सुविधाओं का आश्वासन :** मंत्री ने आवास, शौचालय, और सड़क जैसी प्रमुख योजनाओं के लिए भी विशेष रूप से शासन स्तर पर बात करने और जल्द ही ग्राम पंचायत में इन सुविधाओं को सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने दिया ज्ञापन

- ककवन जिला पंचायत क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य रहीं नीतू अखिलेश अवस्थी ने समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण को अपनी 6 सूत्री मांगों के तहत ज्ञापन सौंपा। इस पर मंत्री द्वारा सहमति भी जताई गई

प्रोटोकॉल में मौजूद रहे तीन थानेदार

- कानपुर के सबसे पहले पुलिस कमिश्नर रहे असीम अरुण ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वीआरएस लेकर राजनीति में अपने हाथ आजमाए थे। मंगलवार को जब वह ककवन के मानव गांव पहुंचे तो उनके प्रोटोकॉल में एसीपी बिल्हौर अमरनाथ के साथ ककवन, बिल्हौर और अरौल के थानेदार भी मौजूद रहे। सभी पुलिसकर्मियों ने अपने पूर्व अधिकारी का स्वागत भी किया।

न्यूज ब्रीफ

सुमेरपुर के दो वार्डों में मिले डेंगू के दो मरीज

हमीरपुर। कस्बे के दो अलग-अलग वार्डों में डेंगू के दो मरीज मिलने से लोगों में दहशत पैदा हो गई है। दोनों को सदर अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती किया गया है। कस्बे के वार्ड संख्या 18 निवासी ओम बाबू पाल एवं वार्ड संख्या 3 निवासी अनिल उर्फ लल्लू प्रजापति को डेंगू की पुष्टि हुई है। दोनों का सदर अस्पताल के डेंगू वार्ड में उपचार चल रहा है। ओम बाबू अभी भर्ती है जबकि अनिल उर्फ लल्लू की हालत में सुधार होने पर सोमवार को घर भेज दिया गया है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ .संजय कुमार ने बताया कि वार्डों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया है।

पूरे परिवार के साथ मारपीट का आरोप

हमीरपुर। क्षेत्र के छानी गांव निवासी भूरा कुशवाहा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसके माता-पिता आए दिन उसकी पत्नी लीलावती और उसे आए दि परेशान करते हैं। अक्सर घर के दरवाजे पर सिंदूर और लौंग को रखकर टोना टोटका करते हैं। मंगलवार को फिर से उनके दरवाजे पर लौंग और सिंदूर रख मिला। जब पत्नी लीलावती ने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की। बचाने आए छोटे बच्चों के साथ भी मारपीट की। मारपीट में लीलावती गंभीर रूप से घायल हो गई है, उसे कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने छानी सीएचसी रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

चोरों ने घर से 5 लाख के जेवरात किए पार

हमीरपुर। थाना क्षेत्र के इंगोहटा में सोमवार रात पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर एक घर में घुसकर चोर करीब पांच लाख कीमत के जेवरात ले गए। रामसिंह यादव उर्फ बबलू ने बताया कि दिन भर सफाई करने के बाद परिवार के सभी लोग गहरी नींद में सो गए थे। सुबह छत के ऊपर सामान बिखरा पड़ा था। फ्रिज के नीचे एक डिब्बे में छुपा कर रखे करीब चार तोला वजन के सोने के मंगलसूत्र, झुमकी और जंजीर गायब थे। आशंका है कि चोर नीम के पेड़ से चढ़कर छत में पहुंचे। पुलिस ने चोरी की घटना का मौका मुआयना किया। एसआई मनीष पटेल ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

मामूली विवाद में युवक को पीटा, तहरीर दी

हमीरपुर। कस्बे के लुधियातपुरा मोहल्ले में मामूली विवाद के चलते एक युवक ने गाली गलौज करते हुए दूसरे युवक को मारापीटा। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। जगदीश पुत्र ज्ञान सिंह यादव ने बताया कि सोमवार की शाम को मोहल्ले का एक युवक उसके घर आया और दरवाजा खुलवा कर उसे बाहर बुलाया। बताया कि जब वह बाहर निकाला तो आरोपी युवक ने गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मारपीट से उसके शरीर में चोटें आईं हैं। कोतवाल ने बताया जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

पानी से फसलें बचाने की प्रशासन से गुहार

हमीरपुर। मकरांव गांव के लगभग दो दर्जन किसानों ने उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ग्राम प्रधान मकरांव द्वारा मकरांव पाटनपुर मौजा में एक बंधी डलवाई गई थी। लेकिन बंधी डलवाने के साथ पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई। जिससे मकरांव मौजा के लगभग एक दर्जन से अधिक किसानों की खेती बुआई के समय पानी में डूबी हुई है। ग्रामीणों ने उक्त जमीन का पानी अछरेला बहरेला की ओर निकालने की मांग की है। इस दौरान सिद्ध गोपाल, राजेश, नीलकंठ, लल्लू, कैलाश किसान मौजूद रहे।

जयंती पर याद आए लाला हरदयाल

हमीरपुर। वर्णिता संस्था की ओर से महान क्रांतिकारी लाला हरदयाल की जयंती मनाई गई। संस्था के अध्यक्ष डा .भवानीदीन ने कहा कि लाला हरदयाल मां भारती के एक प्रतिभावान पुरोधा थे। उनका दिल्ली के शीशगंज में गौरी दयाल माथुर और भोली रानी के घर 14 अक्टूबर 1884 को जन्म हुआ था। लाहौर में संस्कृत से एमए किया। एमए में इतने अंक प्राप्त हुए कि सरकार ने पौंड की छात्रवृत्ति दी। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भी इन्हें दो छात्रवृत्तियां मिलीं। वह अमीरचंद की क्रांतिकारी संस्था के सदस्य बन पूर्ण क्रांतिकारी बन गए। देश की आजादी के लिए लंदन में इंडिया हाउस की स्थापना की। डीएम का पद छोड़ा। 1907 में लंदन में असहयोग आंदोलन चलाया, जिसे गांधी ने 1920 में शुरू किया। 1908 में भारत लौटे ।

जलने से युवक की हालत गंभीर

शिवराजपुर। कानपुर से ड्यूटी करके वापस अपने घर जा रहे युवक को अज्ञात व्यक्ति द्वारा सुनसान रास्ते में उसके ऊपर ज्वलन सील पदार्थ डालकर उसके आग लगा दी गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को शिवराजपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। घायल के भाई मलखान द्वारा तहरीर के पश्चात अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन चल रही है ।

सदिकामऊ गांव निवासी रोहित सिंह सेंगर कानपुर की एक होजरी कंपनी में नौकरी करते हैं। 10 अक्टूबर को रात 11 बजे रोज की तरह वह शिवराजपुर से अपने घर आ रहे थे। तभी रास्ते में अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलसकर जमीन पर गिर गये। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें शिवराजपुर सीएचसी में भर्ती कराया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां वह जीवन मौत से संघर्ष कर रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी ने शिवराजपुर में मारा छापा

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। मंगलवार को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. यूवी सिंह और शिवराजपुर सीएचसी अधीक्षक दिलीप सिंह के संयुक्त तत्वावधान में कस्बे के प्राइवेट क्लीनिक, पैथोलॉजी, एक्स रे सेंटर व मेडिकल स्टोरों की जांच पड़ताल की गई। वहीं छापे की जानकारी मिलते ही कई मेडिकल दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें बंद करके इधर उधर भाग गये।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. यूवी सिंह और शिवराजपुर सीएचसी अधीक्षक दिलीप सिंह ने मंगलवार को कस्बे के भूतेश्वर मंदिर के पास डॉक्टर बंगाली के नाम से दो झोलाछाप की क्लीनिक पर छापेमारी की एवं खेरेश्वर मंदिर चौराहे के पास पोस्टऑफिस वाली गली में स्थित एक्स रे सेंटर की जांच पड़ताल की और कागजात न दिखा पाने पर सभी को नोटिस जारी किए। वहीं कुछ झोलाछाप को अधिकारियों ने दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जवाब से संतुष्ट न होने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही गई है।

सीएचसी अधीक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि अवैध रूप से संचालित क्लिनिकों व मेडिकल सेंटरों की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की गई है। वहीं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी चिकित्सा संस्थानों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं निरीक्षण के दौरान ही वहीं पर संचालित एक झोलाछाप की क्लीनिक पर न जाने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं।

इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दिलीप सिंह, बीपीएम अमित श्रीवास्तव,डी एस सचान सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही ।

मेडिकल क्लीनिक में कागजों की जांच पड़ताल करते अधिकारी। अमृत विचार

बच्ची से दुष्कर्म करने वाला भेजा गया बाल सुधार गृह

चौबेपुर । क्षेत्र के एक गांव में रविवार को पांच वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी किशोर को न्यायालय में पेश किए जाने के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

क्षेत्र के एक गांव में रविवार दोपहर कक्षा 10 के 15 वर्षीय छात्र ने पड़ोस में रहने वाली 5 वर्षीय मासूम के साथ उस समय दुष्कर्म किया, जब बच्ची के पिता खेत पर थे व मां घर की छत पर काम कर रही थी। वापस आने पर बच्ची द्वारा आप बीती बताये जाने के बाद माता पिता बच्ची को लेकर थाने पहुंचे थे। जिस पर बच्ची को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा, पुलिस ने आरोपी किशोर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया था। मामले में प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार चौबे ने बताया कि बाल अपचारी को न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद बाल सुधार गृह भेजा गया है।

घुमंतू जोगी सपेरा जाति के रूप में खुद को दर्ज करवाने के लिए कर रहे संघर्ष

अभय प्रताप सिंह ,बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन ब्लॉक के पास मनांवा और औरोताहारपुर गांव में रहने वाले घुमंतू जाति के जोगी (सपेरा) समुदाय के बारे में विशिष्ट बात यह है कि इस प्रजाति के लोग कभी रोजगार या नौकरी पैसा के मामले में खुलकर जीवन नहीं जीते हैं। हमेशा मांग कर खाने की ही उनकी सबसे विशिष्ट शैली है। ककवन के पास इनका पूरे प्रदेश का मुख्यालय माना जाता है, जिसके तहत प्रतिवर्ष इनका सम्मेलन भी होता है। एक खास बात और कि उनकी बेटियों का विवाह पुत्री के बदले पुत्री के रूप में ही किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में, इस समुदाय की पहचान को लेकर संघर्ष रहा है। कई बार इन्होंने मांग की है कि उन्हें सरकारी अभिलेखों में सपेरा जाति के रूप में दर्ज किया जाए और अनुसूचित जाति या विमुक्त/घुमंतू जाति के तहत लाभ दिया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में घुमंतू जातियों (जिनमें सपेरा/जोगी भी शामिल हैं) के कल्याण के लिए एक बोर्ड गठित करने और उनके लिए आवास योजनाएं लाने की घोषणा की है, जिससे इन्हें मुख्य धारा में लाने में मदद मिल सके।

जोगी/सपेरा समुदाय की विशेषताएँ

- **घुमंतू जीवन शैली :** ये लोग पारंपरिक रूप से एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहते हैं (घुमंतू या विमुक्त जाति)। हालांकि, कई स्थानों पर अब उन्होंने डेरा डालना और स्थायी या अर्ध-स्थायी रूप से बसना शुरू कर दिया है, जैसा कि मनावा गांव में दिखाई देता है।
- **पारंपरिक व्यवसाय (सपेरा) :** इनका पारंपरिक पेशा सांप पकड़ना, बीन बजाकर सांप का खेल दिखाना, और जड़ी-बूटियों या साँके ज़हर से संबंधित उपचार करना रहा है।
- **धार्मिक और सामाजिक पहचान :** इन्हें नाथ जोगी या योगी सपेरा नाथ भी कहा जाता है ये नाथ संप्रदाय से जुड़े माने जाते हैं और अपने को गुरु गोरखनाथ के शिष्य कनलिपार से जोड़ते हैं।
- **अन्य कलाएं :** सांप पकड़ने और बीन बजाने के अलावा, कुछ परिवार/समूह कला प्रदर्शन से भी जुड़े हो सकते हैं, जैसे कि नाच-गाना (जैसा कि कुछ रिपोर्ट्स में 'नागिन डांसर' या अन्य डांस के संदर्भ मिलते हैं)।
- **काफी कमजोर है आर्थिक स्थिति :** आमतौर पर यह समुदाय आर्थिक रूप से काफी कमज़ोर होता है और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करता है। शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर सामान्य समाज की तुलना में कम होता है।

आइसक्रीम में मिलीं मरी हुई मक्खियां

हमीरपुर । सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डॉ.गौरीशंकर ने बताया कि बाला जी दूध डेयरी पड़ाव का निरीक्षण करने पर पनीर में मिलावट का संदेह होने पर पनीर का नमूना लिया। इसी तरह से टीम ने कोटबाजार स्थित अरविंद कुमार की दुकान से मिश्री, कोटबाजार की खोवा मंडी से हसीन खान की दुकान से खोवा का नमूना, बस स्टैंड स्थित संतोष कुमार की दुकान से दूध का नमूना लिया गया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने रामलीला मेले में राज सोफ्टी का मुआयना किया गया, जहां पर दूषित खाद्य सामग्री पाई गई। बताया कि क्रीम में मरी हुई मक्खियां पाई गई। टीम ने 50 किलो दूषित सामग्री को नष्ट कराया। इसी तरह से खोवा मंडी से 20 किलो दूषित खोवा नष्ट कराया।

श्रद्धालुओं ने शोभयात्रा पर की पुष्पवर्षा

संवाददाता, चौबेपुर

- जयकारों के साथ निकली राधा कृष्ण की शोभायात्रा
- कस्बे में श्रीकृष्ण लीला देखने व मेले में खरीदारी करने पहुंच रहे लोग

अमृत विचार। कस्बे में चल रही श्रीकृष्ण लीला व मेले में मंगलवार रात को राधा कृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भक्तों ने जगह-जगह फूल बरसाकर भगवान के स्वरूपों की आरती उतार प्रसाद अर्पित किया।

कस्बे की प्राचीन श्री कृष्ण लीला व मेले में राधा कृष्ण की लीलाओं का मनमोहक मंचन चल रहा है। मंगलवार रात कस्बा स्थित मंदिर से राधा कृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने घरों के बाहर आकर्षक रंगोली सजाई। भक्तों ने फूलों की वर्षा कर भगवान के स्वरूपों की आरती उतारकर प्रसाद अर्पित किया। गाजेबाजे के साथ निकली विशाल शोभायात्रा में लकड़ी का हाथी आकर्षण का केंद्र रहा। रथ पर विराजमान राधा कृष्ण की भव्य झांकी कस्बा भ्रमण के उपरांत मेला प्रांगण पहुंची। इस दौरान रास्ते पर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की,के जयकारे गूंजते रहे। झांकी देखने के लिए स्थानीय लोगों के अलावा आसपास गांवों से लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। मेला आयोजन श्री कृष्ण पांडे व कृष्णकांत पांडे ने बताया कि रात्रि में महारास लीला प्रस्तुत की जाएगी और बुधवार को कंस वध होगा।

दूसरी ओर यहां लगे विशाल मेले में लकड़ी और लोहे की चीजों की बड़ी संख्या में दुकानों के अलावा सौंदर्य प्रसाधन व घरेलू वस्तुओं की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोग पहुंच रहे है। मेले में लगे सर्कस व तरह-तरह के झूले बच्चों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

शोभायात्रा में सजी भव्य झांकी।

मानसिक विक्षिप्त ने फांसी लगा दी जान

मौदहा (हमीरपुर)। सोमवार देर शाम मानसिक विक्षिप्त युवक ने फांसी लगा ली, जिसे परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

मराठीपुरा बड़ी देवी मंदिर के पास रहने वाले लालू के पुत्र अंकित साहू (20) ने सोमवार देर शाम घर के छत वाले कमरे में साड़ी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जब परिजन कमरे में गए तो अंकित को फंदे में लटका देख सन्न रह गए। उसे लेकर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया युवक मानसिक रूप से बीमार था।

करंट लगने से जला ट्रक चालक-खलासी झुलसे

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के बेंदा डांडा गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास मौरंग लोड करने जा रहा ट्रक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे ट्रक में आग लग गई और धू-धूकर जलने लगा। हादसे में ट्रक चालक और खलासी झुलस गए। घायलों को भर्ती कराया गया है।

मंगलवार की सुबह एक ट्रक सरीला क्षेत्र के मौरंग खंड संख्या 9 की खदान में मौरंग लोड करने जा रहा था। ट्रक जैसे ही बेंदा डांडा गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास पहुंचा, तभी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे ट्रक में आग लग गई और धू-धूकर जलने लगा। इस हादसे में ट्रक चालक और खलासी झुलस गए। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। ट्रक के धू-धूकर जलने से अफरा-तफरी मच गई।

इतना ही नहीं, पास के विद्यालय में हड़कंप मच गया। स्कूल में पढ़ रहे बच्चे दीवार फांदकर भागने लगे। गांव वालों का खासा मजमा लग गया। हादसे की सूचना पर चिकासी थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

खेलकूद | 800 मीटर दौड़ में बीएनवी के पीयूष प्रथम और सरस्वती बाल मंदिर के कुनाल द्वितीय

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया दमखम

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के जीआरवी इंटर कॉलेज के मिनी स्टेडियम में जनपद स्तरीय शैक्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के पहले दिन मुख्य अतिथि विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, विशिष्ट अतिथि एसडीएम अभिमन्यु कुमार, सीओ राजीव प्रताप सिंह और जिला विद्यालय निरीक्षक महेश गुप्ता ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया।

सीनियर बालक वर्ग 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में बीएनवी इंटर कॉलेज के पियूष प्रथम, सरस्वती बाल मंदिर के कुनाल द्वितीय और जीआईसी कुरारा के उत्कर्ष तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में चौधरी पहलवान सिंह इचौली के रोहित कुमार प्रथम, गायत्री विद्या मंदिर सुमेरपुर के नीतेश द्वितीय और जीआरवी इंटर कॉलेज राठ के अतीत तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग भाला फेंक प्रतियोगिता में श्रीविद्या मंदिर हमीरपुर के अम्बुज प्रथम, गांधी इंटर कॉलेज मौदहा के प्रांशू यादव द्वितीय और नेशनल इंटर कॉलेज मौदहा के आर्यन सिंह तृतीय रहे। 600 मीटर दौड़ सीनियर वर्ग में भरत कुमार इंटर कालेज खेड़ा सिलाजीत के ऋषिकांत प्रथम, सरस्वती बाल मंदिर राठ के सुयश द्वितीय और राजकीय हाईस्कूल कुछैछा के मेहेर किशोर तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेंक सीनियर वर्ग में गायत्री विद्या मंदिर सुमेरपुर के सुमित प्रथम, सेंटपाल इंटर कालेज मौदहा के इशाक जावेद द्वितीय और बीएनवी इंटर कालेज राठ के रत्नेश तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेंक जूनियर वर्ग में गांधी इंटर कॉलेज मौदहा के मुईनउददीन प्रथम, जीआरवी इंटर कॉलेज राठ के अतीत द्वितीय व नेशनल इंटर कॉलेज मौदहा के राहुल तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक जीआरवी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य धुन्नू लाल रहे। इसके पहले बच्चों ने मार्चपास्ट की सलामी दी। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मार्चपास्ट कर सलामी देते बच्चे।

विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए गए।

भजन कीर्तन से धूम मचाई

हमीरपुर। पारा गांव के रामलीला मैदान में जगराता हुआ, जिसमें कलाकारों ने भजन-कीर्तन से धूम मचाई। ग्राम प्रधान संतोष विश्वकर्मा की ओर से हुए जगराता में जागरण पार्टी कानपुर की गायिका रेनू पांडेय के भजनों पर श्रोता झूम उठे। भजन-कीर्तन में भाव विभोर होकर श्रोता तालियां बजाते रहे। जागरण पार्टी में जल्ला प्रधान संतोष सिंह, पचखुरा प्रधान अरविंद कुमार मौजूद रहे।

कार्यालय-जिलाधिकारी, कन्नौज।

पत्रांक :-1484/आठ-अ0जि0 (भू0अ0) कानपुर नगर / दिनांक : 13/10/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किमी0 196.900 से से 197.300 के मध्य 400 मी0 सर्विस लेन निर्माण किये जाने हेतु ग्राम-अलमापुर पगरना व तहसील तिर्वा जनपद कन्नौज की 0.4040 हे0 भूमि का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित भूमि के अर्जन से पूर्व भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 एवं भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उ0प्र0) नियमावली-2016 के अनुसार सामाजिक समाघात आंकलन रिपोर्ट व सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना एग्रीमा-डी-152 थर्ड फ्लोर स्ट्रीट नं0-15 पोस्ट विनोद नगर नई दिल्ली द्वारा तैयार की गई है।

भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम की धारा-5 तथा भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उ0प्र0) नियमावली-2016 के नियम-7 के अर्न्तगत उपरोक्तानुसार सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना पर निम्न अधिकारी द्वारा निम्नांकित दिये गये स्थान दिनांक व समय के अनुसार लोक सुनवाई की जानी है।

क्र. सं.	लोक सुनवाई हेतु नामित अधिकारी	ग्राम का नाम	लोक सुनवाई का स्थान	दिनांक	समय
1	उप जिलाधिकारी तिर्वा, कन्नौज	अलमापुर	पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलमापुर विकास खण्ड उमर्दा तहसील तिर्वा	24.10.2025	प्रातः 11.00 बजे

उपरोक्तानुसार अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार वर्णित भूमि के सम्बन्ध में सामाजिक समाधात आंकलन रिपोर्ट व सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना का अवलोकन कर लें और यदि उक्त सामाजिक समाधात आंकलन रिपोर्ट व सामाजिक समाधात प्रबन्धन योजना पर उन्हें कोई आपत्ति / सुझाव है, तो वह अपनी आपत्ति / सुझाव उपरोक्तानुसार नियत दिनांक/समय व स्थान पर उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है।

आज्ञा से
कलेक्ट्रेट
भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ,
कन्नौज।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

स्टेशन पर चेकिंग अभियान

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह के द्वारा त्योहारों के मद्देनजर चेकिंग अभियान चलाया गया। सप्तक्रांति एक्सप्रेस, नीलांचल एक्सप्रेस, संपर्कक्रांति, जनसाधारण एक्सप्रेस समेत दर्जनों ट्रेनों में चेकिंग की गई और संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ की गई।

सिंगल यूज प्लास्टिक निषेध दिवस

कानपुर। स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के निर्देश पर सिंगल यूज प्लास्टिक निषेध दिवस मनाया गया। गोविंदपुरी, अनवरगंज में यात्रियों को प्लास्टिक की जगह कपड़े या जूट के थैले उपयोग करने को कहा गया।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के बॉटलिंग प्लांट में हर ट्रक से 1250 रुपये की वसूली

किसी ने नहीं सुनी, सीएम योगी ने पकड़वाई वसूली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शिकायत पर टरकाया गया पीड़ित ट्रक चालक मुख्यमंत्री की जन सुनवाई में पहुंच गया
- मुख्यमंत्री कार्यालय से बैठाई गई जांच, डीसीपी व एडीसीपी ने तत्काल लिया संज्ञान

अमृत विचार। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के बॉटलिंग प्लांट में चल रहे वसूली सिंडिकेट का पुलिस ने खुलासा किया है। प्लांट से निकलने वाले हर ट्रक से सिंडिकेट 1250 रुपये वसूल रहा था। कई जिम्मेदारों से शिकायत के बाद जब सुनवाई नहीं हुई तो पीड़ित ट्रक चालक ने सीधी शिकायत प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। ट्रक चालक के साथ सादे कपड़ों में पहुंचे पुलिसकर्मी ने रुपये वसूलते दो आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ा।

दबौली वेस्ट संतकबीरनगर निवासी चालक संतोष कुमार का ट्रक इंडियन ऑयल के बॉटलिंग प्लांट से संबद्ध है। लिहाजा ट्रक लेकर वह भी प्लांट जाता है। उससे भी प्रति चक्कर के हिसाब से पैसे मांगे जाते। संतोष कुमार के अनुसार प्लांट से निकलने वाले हर ट्रक से चक्कर के हिसाब से 1250 रुपये वसूल किए जाते हैं। इसकी शिकायत उसने सबसे पहले पनकी थाने में की। सुनवाई न होने पर वह उच्च अधिकारियों और पुलिस कमिश्नर तक गया लेकिन किसी स्तर पर सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद संतोष हारा नहीं और बीती चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन में पहुंच गया। वहां शिकायत की। प्रदेश के मुखिया ने उसकी शिकायत सुनी। वहीं कार्यालय से जांच बैठाई गई तो एडीसीपी वेस्ट कपिलदेव सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दो पुलिस कर्मियों को सिविल ड्रेस में रुपये देकर संतोष के ट्रक में बैठा दिया और 1250 रुपये वसूली कर रहे व्यक्ति को पुलिस ने दबोच लिया।

लंबे समय से चल रहा वसूली का खेल

- चालक संतोष कुमार ने बताया कि गैस प्लांट में वसूली का खेल लंबे समय से चल रहा है। सुपरवाइजर व उसका साथी हर ट्रक से प्रति चक्कर लोडिंग के नाम पर 1250 रुपये वसूल कर रहा था। शिकायत पर अगर सुनवाई हो जाती तो उसे लखनऊ जाने की नौबत न आती। पुलिस ने जाल बिछाया तब पूरा सिंडिकेट सामने आ गया। जांच में अभी और लोगों की मिलीभगत सामने आएगी।

> इंडियन ऑयल में सिलिंडर डिपो में ट्रक चालकों से अवैध वसूली की जा रही थी। पुलिस ने वसूली के सिंडिकेट का खुलासा कर रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें विभाग के लोगों की भी मिलीभगत है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।
>
> दिनेश त्रिपाठी, डीसीपी वेस्ट

खुलासे के बाद दबोचे गए तीन आरोपी

- इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के बॉटलिंग प्लांट में वसूली के आरोपी मुंशी मोहन ने बताया कि वह राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। मोहन से पूछताछ के बाद पुलिस ने कानपुर देहात गजनेर निवासी सुमेंद्र भदौरिया और किशनलाल गोयल को हिरासत में लिया। इसके बाद सोमवार देर रात तीनों से पूछताछ हुई और ट्रक चालक संतोष की तहरीर पर पनकी पुलिस ने मानेंद्र भटनागर, संतोष कुमार, किशन लाल गोयल, सुमेंद्र भदौरिया व मोहन के खिलाफ वसूली समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की।

मिश्री बाजार धमाके में झुलसे अब्दुल की इलाज के दौरान केजीएमयू में मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चोरी की स्कूटी पर पीछे बैठे युवक के रूप में हुई थी पहचान
- धमाके में झुलसने वाली युवती सुहाना निकली बांग्लादेशी

अमृत विचार। मूलगंज के मिश्री बाजार में एक सप्ताह पहले धमाके में घायल अब्दुल मितालिब की लखनऊ केजीएमयू में इलाज के दौरान मंगलवार दोपहर मौत हो गई। अब्दुल मितालिब की पिता की दुकान के बाहर ही धमाका हुआ था। चोरी की स्कूटी पर जिन दो लोगों की तस्वीर सामने आई थी, उसमें एक वह भी था। मितालिब के साथ स्कूटी चला रहे युवक की पहचान की जा रही है।

मिश्रीबाजार में हुए धमाके में आठ लोग झुलसे थे। जिसमें से चार को लखनऊ रेफर किया गया था। केजीएमयू में इलाज के दौरान मंगलवार दोपहर 24 वर्षीय अब्दुल मितालिब ने दम तोड़ दिया। डीसीपी ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि चोरी की स्कूटी पर दो लोग सवार होने की तस्वीर सामने आई थी, जिसमें पीछे बैठे युवक की पहचान अब्दुल मितालिब के रूप में हुई थी। मितालिब के भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। स्कूटी चलाने वाले की पहचान की जा रही है। बतादें कि बीते बुधवार की शाम करीब पौने आठ बजे मिश्री बाजार में धमाका होने से हड़कंप मच गया था। इस घटना में गंभीर झुलसे चार लोगों को केजीएमयू में भर्ती कराया गया था, जिसमें अब्दुल मितालिब भी था।

बांग्लादेश गई विजिलेंस की टीम

- धमाके में एक युवती थी झुलसी थी, जो कूड़ा बिनती है। इस युवती का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें वह धमाके में कपड़े फटने के कारण लोगों को कपड़ों की मांग कर रही है और जान बचाने की कोशिश में भी दिखी। सुहाना भी गंभीर झुलसी थी। उसका भी लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस की जांच में पता चला कि सुहाना बांगलादेशी है। इसकी जानकारी मिलने पर विजिलेंस की टीम ने बांग्लादेश में एक टीम वेरिफिकेशन के लिए भेजी है। उसकी भी हालत गंभीर है।

जांच में मिला पोटेशियम नाइट्रेट

- जांच टीम को घटनास्थल पर जो गनपाउडर मिला था, उसकी जांच में शोरा (पोटेशियम नाइट्रेट), सल्फर (गंधक) और चारकोल (कोयला) मिला है। मिश्रण में करीब 75 प्रतिशत शोरा, 15 प्रतिशत चारकोल और 10 प्रतिशत गंधक मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि शोरा ऑक्सीकारक का काम करता है, जबकि चारकोल और सल्फर ईंधन होते हैं। शोरा जलने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन देता है। चारकोल फ्यूल है जो मिश्रण बनाता है। सल्फर एक फ्यूल है जो रिएक्शन की एनर्जी को बढ़ाने में मददगार है

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

बीड़ी से घर में लगी आग, बुजुर्ग जिंदा जल गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उठने-बैठने को लाचार बुजुर्ग खुद को बचा नहीं सका
- आग बुझने पर बुजुर्ग का कंकाल चारपाई पर मिला

गंगा प्रसाद। अमृत विचार

अमृत विचार। बिधनू में सुलगती बीड़ी से कमरे में आग लग गई। उठने-बैठने को लाचार बुजुर्ग की चारपाई भी जलने लगी। लपटें देख और बुजुर्ग की चीख सुनकर परिजन व ग्रामीण पहुंचे, लेकिन लपटें देखकर अंदर घुसने की हिम्मत नहीं जुटा सके। जब लोग आग बुझाकर अंदर पहुंचे तो चारपाई पर बुजुर्ग का कंकाल मिला। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच की, शव पोस्टमार्टम भेजा।

कठारा गांव निवासी 90 वर्षीय गंगाप्रसाद खेती-किसानी करते थे, लेकिन मौजूदा कई माह से अस्वस्थ होने के कारण उठने-बैठने को लाचार थे। उनके पांच बेटे अरविंद, सुरेंद्र, वीरेंद्र, सत्येंद्र व रवि और दो बेटियां शादीशुदा हैं। अरविंद ने बताया कि मां शिवरानी की 10 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। इन दिनों पिता सांस व घुटनों की बीमारी से पीड़ित थे। जिस कारण उन्हें बिस्तर से उठाना और लिटाना पड़ता था। उन्होंने बताया कि सभी भाई अपने-अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। सभी के मकान में गांव में ही आसपास बने हैं। पिता पुराने मकान में अकेले रहते थे। जिनकी देखरेख सभी भाई करते थे। अरविंद ने बताया कि पिता को बीड़ी की लत थी। सोमवार रात खाना खाने के बाद पिता सो गए थे, नींद टूटने पर देर रात बीड़ी पी और समीप में ही फेंककर सो गए। जिसके बाद सुलगती बीड़ी से कमरे में आग लग गई, कमरे से लपटें उठती देखकर परिजन व ग्रामीण शोर मचाते हुए दौड़े। बाल्टियों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया। उस बीच पिता के चीखने की आवाज आ रही थी, जो कुछ देर में ही शांत हो गई। जब आग बुझाकर लोग अंदर पिता के पास पहुंचे तो जली चारपाई पर पिता का कंकाल मिला। हादसे की सूचना पर पहुंची बिधनू पुलिस ने जांच की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए।

एक घंटे में बुझ सकी आग

पड़ोसी मुंशीलाल ने बताया कि ईंट की कच्ची दीवार पर पॉलिथीन व कपड़ा आदि डालकर रहने लायक बनाया गया था, जहां गंगा प्रसाद रहते थे। जब आग ने पॉलिथीन को पकड़ा तो बहुत ऊंची लपटें उठने लगीं। जिससे समीप जाने की कोई हिम्मत नहीं कर सका। अगर गंगा प्रसाद चलने लायक होते तो बचाया जा सकता था। जलती हुई पॉलिथीन भी गलकर नीचे गिर रही थी, इसलिए और कोई अंदर नहीं गया।

473 बड़े बकायेदारों को कुर्की नोटिस

कानपुर। नगर निगम ने जोन 6 में 473 बड़े गृहकर बकायेदारों के खिलाफ कुर्की के लिए नीलामी नोटिस जारी कर दी। इससे पहले जोन 5 के बड़े बकायेदारों के खिलाफ भी विभाग ने कुर्की की कार्रवाई शुरू की थी। नगर निगम के इन बकायेदारों पर वर्तमान व ब्याज मिलाकर कुल 8 करोड़ 49 लाख 50 हजार 203 रुपये बकाया है। काफी नोटिसों और वसूली की तमाम कोशिशों के बाद भी बकायेदारों की ओर से गृहकर जमा नहीं किया गया जिसपर नगर निगम ने अब कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह बकायेदार काकादेव गांव, रावतपुर, गणेश नगर, विष्णुपुरी, आजाद नगर, मसवानपुर, रानीगंज आदि क्षेत्रों के रहने वाले हैं।

सिटी ब्रीफ

छात्रा से बदसलूकी में दो गिरफ्तार

कल्याणपुर। कल्याणपुर के आवास विकास एक में पॉलीटेक्निक छात्रा को एडमिशन के बहाने बुलाकर बदनीयती से दौड़ाने व घर पहुंचकर छात्रा के परिजनों से मारपीट करने वाले रवि व दीपक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गत सात अक्टूबर आरोपितों ने छात्रा को इलाके के पार्क में बुलाकर घटना को अंजाम दिया था।

हॉस्पिटल संचालक समेत 4 पर रिपोर्ट दर्ज

कल्याणपुर। कल्याणपुर में ब्यूटी पार्लर संचालिका के पति के साथ गाली गलौज, मारपीट व धमकी देने के मामले में पुलिस ने अस्पताल संचालक समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अंबेडकरपुरम निवासी शिवानी के मुताबिक उनका नया शिवली रोड पर ब्यूटी पार्लर है। वहीं पास में स्थित मोहित मेडिकल सेंटर के संचालक अंकित राठौर, मोहित,हिमांशु व मनीष उनके साथ विवाद करते रहते हैं। आरोप है कि गत सात अक्टूबर लाइट न आने के चलते उनके पति ऋषि यादव जनरेटर चालू कर रहे थे। तभी अंकित राठौर ने उनके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने अपने साथी हिमांशु,मोहित व मनीष के साथ मिलकर पति को पीट दिया। इंस्पेक्टर अजय प्रकाश ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

लो प्रेशर से पानी की सप्लाई

कानपुर। नवाबगंज, विष्णपुरी, पुराना कानपुर, गंगा बैराज के आसपास के इलाकों में फीडर के फॉल्ट की वजह से पेयजल संकट हो गया। कई मौहल्लों में एक टाइम का पानी लो प्रेशर से सप्लाई हुआ। इससे घरों में पानी की किल्लत हो गई।

जाम से बचने को स्कूलों की छुट्टी अलग-अलग समय पर की जाए

सड़क सुरक्षा एवं यातायात समिति की बैठक में मंथन, सांसद-विधायक-अफसर जुटे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में कई स्कूलों की एक ही समय में छुट्टी हो जाती है जिससे यातायात का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में स्कूलों की छुट्टी अलग-अलग समय पर की जाए तो शहर को जाम से काफी हद तक छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा सभी फुट ओवरब्रिजों के निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर कर शीघ्र निर्माण कार्य कराए जाने की भी बात हुई।

मंगलवार को मिश्रिख सांसद अशोक रावत की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में सड़क सुरक्षा एवं यातायात समिति की बैठक हुई। सांसद देवेंद्र सिंह भोले, सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, विधायक घाटमपुर सरोज कुरील, एमएलसी अरुण पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सभी सांसदों, विधायकों एवं सदस्यों ने ते जाम की समस्या के समाधान पर चर्चा की तथा ई-रिक्शा पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश यातायात विभाग को दिए गए। सांसद अशोक रावत ने कहा कि जनपद के सभी हाइवे पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सीट बेल्ट एवं हेलमेट

सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में बैठक करते जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

- खस्ताहाल जीटी रोड पर एनएचएआई की जवाबदेही तय की जाए
- यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों को बख्शे नहीं कार्रवाई करें

के प्रयोग को पूर्ण रूप से लागू कराने तथा विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों एवं ओवरस्पीड गाड़ियों पर कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए। सांसद ने जीटी रोड की खराब स्थिति पर पूर्व में रहे पीडी एनएचएआई की जवाबदेही तय करने एवं कार्य न करने पर ब्लैक लिस्ट करने (बेड एंट्री) के निर्देश दिए। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि विद्यालयों के छुट्टी के समय अलग-अलग निर्धारित किए जाएं ताकि यातायात दबाव कम हो।

दिवाली से पूर्व मार्ग प्रकाश, साफ-सफाई ठीक हो

कानपुर। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में मंगलवार को बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता सांसद अशोक रावत ने की। सांसद ने कहा कि दीपावली से पूर्व मार्ग प्रकाश, क्षेत्रों की साफ-सफाई समेत सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं। जनहित के कार्यों को तीव्र गति से पूरा किया जाना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छठ पर्व को देखते हुए उन्होंने तालाबों और नहरों की सफाई कराने का भी निर्देश दिया। सांसद ने निर्देशित किया कि जहां ट्यूबवेल और बोरिंग खराब हैं, सड़कें जर्जर हैं या नालों की सफाई नहीं हुई है, वहां तुरंत मरम्मत और सफाई कार्य कराए जाएं। तालाबों के पुनरुद्धार और जलभराव निवारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा अवैध प्लाटिंग पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सांसद रमेश अवस्थी ने सुझाव दिया कि जनपद में आईटी हब की स्थापना के लिए भूमि चिन्हित की जाए। उन्होंने जयपुरिया क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन सेतु को दीपावली से पूर्व जनता को समर्पित करने, गोविंद नगर से सचान चौराहे तक प्रस्तावित सेतु की डीपीआर शीघ्र पूर्ण करने और रामादेवी से गोलचौराहे तक सेतु निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने पर बल दिया। सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी सड़कों की गुणवत्ता की जांच के लिए समिति बनाने का प्रस्ताव रखा। एमएलसी अरुण पाठक ने भी विचार रखे।

मार्निंग वॉक पर निकले अधिवक्ता ट्रेन से कटे

कानपुर। चकेरी में मंगलवार सुबह मार्निंगवॉक करने निकले हाईकोर्ट के अधिवक्ता ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गए। आरपीएफ ने कांशीराम ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां से हैलट रेफर कर दिया गया। हैलट पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

राजेश कुमार तिवारी।

देवरिया के सलेमपुर कोडरा गांव निवासी 48 वर्षीय राजेश कुमार तिवारी हाईकोर्ट के अधिवक्ता थे। परिवार में पत्नी रेनू, दे बेटे आर्यन व अक्षित हैं। अक्षित के अनुसार वह पिता के साथ करीब 25 दिन पहले चकेरी के अहिरवां में शिवशंकर पुरम में रहने वाले मामा विनय कुमार मिश्रा के घर आए थे। उसने बताया कि पिता को लिवर की समस्या थी, लखनऊ स्थित हॉस्पिटल से उनका इलाज चल रहा था। कानपुर से लखनऊ के पास होने के कारण वह लोग मामा के घर आ जाते थे। बीते तीन माह में दूसरी बार आए थे। इलाज के साथ डॉक्टरों ने सुबह टहलने के लिए भी कहा था, इसलिए पिता सुबह मॉर्निंगवॉक करने जरूर निकलते थे। मंगलवार सुबह पांच बजे वह टहलने निकले थे। काफी देर बाद भी जब नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू की। लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह 11 बजे जीआरपी ने चकेरी क्रॉसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत की खबर दी।

रद्दी गोदाम में लगी आग। अमृत विचार

रद्दी गोदाम में लगी आग तीन घंटे बाद बुझी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- छह दमकल गाड़ियों ने आग पर पाया काबू, जेसीबी से तोड़ी गई दीवार

अमृत विचार। कोयलानगर में सोमवार देर रात शॉर्ट सर्किट से एक रद्दी गोदाम में आग लग गई। कुछ ही देर में लपटें देखकर लोग घरों से बाहर निकले। मौके पर पहुंचीं आधा दर्जन दमकल गाड़ियों ने तीन घंटे मशक्कत कर किसी तरह आग पर काबू पाया। वहीं इलाके में हड़कंप मचा रहा। रास्ता न मिलने पर जेसीबी से गोदाम की दीवार तोड़कर आग बुझाई।

यशोदा नगर के रहने वाले रवि गुप्ता का कोयलानगर में रद्दी का गोदाम है। कोयलानगर चौकी प्रभारी राष्ट्रदीप सिंह ने बताया कि सोमवार देर रात करीब दो बजे को गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। कुछ ही देर में तेज लपटें उठने लगीं और पूरे गोदाम में फैली रद्दी को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें गोदाम से निकलने पर इलाके में भी हड़कंप मच गया। इलाके के लोगों की सूचना पर मौके पर दमकल और पुलिस कर्मी पहुंचे। आग बुझाने में जुटे दमकल कर्मियों को अंदर जाने का रास्ता नहीं मिला तो जेसीबी से गोदाम की दीवार तोड़कर रास्ता बनाया और फिर आगे बढ़े। करीब तीन घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। वहीं गोदाम की टीनशेड हटाकर लगातार पानी डाला गया, तब जाकर अंदर धधक रही रद्दी की लपटें शांत हुई। चौकी प्रभारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि शॉर्ट सर्किट से ही आग लगी थी। हादसे में कोई हताहत नही हुआ है। जांच-पड़ताल की जा रही है।

कब्जे हटाने के दौरान मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

तालाब की भूमि पर कब्जा, चला बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

देहली सुजानपुर में तालाब की भूमि पर हुए अवैध कब्जे को गिराता बुलडोजर।

- प्रशासन और केडीए की टीम ने देहली सुजानपुर में की कार्रवाई

अमृत विचार। देहली सुजानपुर में तालाब की भूमि पर हुए अवैध कब्जे पर मंगलवार को प्रशासन और केडीए का बुलडोजर चला। आराजी की जमीन के अंश भाग पर कब्जेदार द्वारा बाउंड्रीवाल का निर्माण करा दिया गया था। जिसे दस्ते ने पुलिसबल की मौजूदगी में धराशायी कर दिया।

देहली सुजानपुर में आराजी संख्या 465 में रकबा 0.1740 हेक्टेयर है। यहां मौजूद तालाब पर कब्जेदार इसराज पुत्र पुनाई ने सीमेंट की बाउंड्रीवाल बना ली। जिसकी जानकारी प्रशासन को हुई तो टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर कार्य रुकवाया था। इसके बावजूद संबंधित व्यक्ति द्वारा पुनः कब्ज़े का प्रयास किया गया। इस पर मंगलवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट (सदर) अनुभव सिंह एवं तहसीलदार (सदर) विनय द्विवेदी के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम और केडीए की प्रभारी अधिकारी भूमि बैंक जोन 4 डॉ. अर्चना शर्मा चकेरी पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में तालाब की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन (बुलडोजर) से ध्वस्त कराया और भूमि को कब्ज़ा मुक्त कराया।

अभियान में राजस्व कर्मियों के साथ-साथ केडीए के अधिकारी, लेखपाल तथा स्थानीय प्रशासनिक अमला सम्मिलित रहा। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने कहा कि यदि पुनः कब्ज़ा करने का प्रयास किया गया तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

घर में अकेली विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। गोविंदनगर में घर में अकेली महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्कूल से लौटने पर चार वर्षीय बेटी ने फंदे से मां का शव लटका देखकर रोने लगी। खबर पाकर पहुंचे परिजनों ने फंदे से शव उतारा और पुलिस को खबर दी। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है।

नौरैया खेड़ा निवासी प्रमोद सिंह वेल्डिंग का काम करते हैं। परिवार में बेटी शालू व 28 वर्षीय पत्नी माया थीं। प्रमोद के अनुसार मंगलवार सुबह बेटी के स्कूल जाने के बाद वह भी काम पर चले गए थे। घर पर पत्नी अकेली थीं। दोपहर बाद बेटी स्कूल से घर पहुंचीं तो दरवाजा खुला पाकर अंदर कमरे में गई। मां को आवाज लगाई। जवाब न मिलने पर उसे दूसरे कमरे में तलाशा तो फंदे से शव लटका देखकर रोने लगी। आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंचे और उन्हें फोन पर खबर मिली। सूचना पर पुलिस की मौजूदगी में फंदे से शव उतारा गया। प्रमोद के अनुसार कलह की कोई बात नहीं है। माया ने यह कदम क्यों उठाया इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

राजधानी समेत 35 ट्रेनों में आधुनिक हथियारों से लैस आरपीएफ जवान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जीएमसी आरपीएफ थाना के जवान त्योहारों पर रखेंगे सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर
- जहरखुरानी गिरोह, लुटेरों से निपटने के लिए जवानों को विशेष ट्रेनिंग दी गई

अमृत विचार। जूही स्थित जीएमसी आरपीएफ थाना को 7 राजधानी समेत 35 मेल एक्सप्रेस एवं विशेष ट्रेनों में सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन जवानों को स्वचालित हथियारों से लैस किया गया ताकि त्योहार में किसी प्रकार के ट्रेन लुटेरों, जहरखुरानी गिरोहों से मोर्चा ले सकें।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से गुजरने वाली कोलकाता राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी समेत 7 राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों के अतिरिक्त शताब्दी एक्सप्रेस, कई मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की सुरक्षा की कमान जीएमसी थाना के आरपीएफ जवानों ने संभाल ली है। इन जवानों को अपराधियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

बताते चलें कि जीएमसी आरपीएफ थाना के पास पहले गोविंदपुरी स्टेशन, पावर केबिन व जूही से गुजरने वाली मालगाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था की देखभाल का जिम्मा था लेकिन अब जीएमसी को वीआईपी ट्रेनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है। बताते चलें कि दीपावली, छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले लाखों यात्रियों पर ट्रेन लुटेरों, जहरखुरानी गिरोहों की नजर होती है जो दिल्ली से ही इन्हें अपना शिकार बनाते हैं लेकिन अब ऐसे लुटेरों पर जीएमसी आरपीएफ की सख्त नजर है।

कानपुर से दिल्ली मुगलसराय तक कमान

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से नई दिल्ली तक और कानपुर सेंट्रल स्टेशन से मुगलसराय तक दो चरणों में सवारी गाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था सौंपी गई है। इन सभी को कानपुर सेंट्रल स्टेशन से ही ट्रेनों में ड्यूटी पर लगाया जाता है जबकि ये सभी जवान जूही स्थित जीएमसी आरपीएफ थाना में तैनात हैं। इसके अतिरिक्त त्योहारों के मद्देनजर ट्रैक पर भी जवानों की गश्त बढ़ा दी गई है।

क्या बोले अधिकारी

कानपुर से गुजरने वाली 7 राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस के अलावा कई मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में सुरक्षा की जिम्मेदारी जीएमसी आरपीएफ के पास है, दीपावली, छठ पूजा के अवसर पर लाखों की भीड़ विशेषकर बिहार जाने वाली ट्रेनों में होती है जिनकी सुरक्षा में विशेष टीम लगाई गई है।

सुशील कुमार, पोस्ट प्रभारी, जीएमसी आरपीएफ थाना, कानपुर नगर

असलहे के साथ फोटो, लिखा बदला अभी बाकी

कानपुर। सोशल मीडिया पर वायरल एक फोटो का कमेंट इन दिनों चर्चा में है। एक युवक ने असलहे के साथ फेसबुक पर फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 'अभी तो हम बदले हैं, बदला अभी बाकी है'। पोस्ट डालने वाला जाजमऊ का बताया जा रहा है। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है।

सोशल मीडिया पर युवक की तीन अलग-अलग फोटो वायरल हो रही है। जिसमें युवक हाथ में तमंचा लेकर खड़ा है। यह पोस्ट अर्सलान खान की फेसबुक आईडी से कानपुर यूपी 78 भौकाली टैग कर पोस्ट अपलोड की गई है। पोस्ट में कुछ भौकाली अंदाज में लिख भी गया है। अभी तो हम बदले हैं, बदला अभी बाकी है। वायरल फोटो में दिखने वाला युवक जाजमऊ क्षेत्र का बताया जा रहा है। चर्चा है कि उसने इलाके में वर्चस्व दिखाने के लिए पोस्ट डाली है। आरोपी अपने साथियों के साथ दबंगई दिखाने के लिए इसी प्रकार से हाथ में तमंचा लेकर भी घूमता है। इस मामले में जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि वायरल फोटो का संज्ञान लिया गया है। फोटो पोस्ट करने की वाले की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

लापरवाही इंदिरा नगर में बना रेन वाटर हारवेस्टिंग थीम पार्क दर्शकों के लिए खुला

बंद मशीनें और म्यूजियम देखकर वापस हो जा रहे दर्शक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

ढांचा बना दिया, बताने वाला कोई नहीं। अमृत विचार

सड़ रहा काई लगा पानी। अमृत विचार

अमृत विचार। इंदिरा नगर में बने रेन वाटर हारवेस्टिंग थीम पार्क को बिना तैयारी के केडीए ने साफ-सफाई कराकर दर्शकों के लिए खोल दिया है। यहां सुबह-शाम विजिटर तो पहुंच रहे हैं, लेकिन वर्षा जल संचयन का पाठ पढ़ाने के लिए बने म्यूजियम व मशीनों को बंद देखकर मायूस लौट रहे हैं। आम लोगों के लिए सुबह 9 से शाम 5 बजे तक पार्क को खोला जा रहा है। खास दिनों में देर रात तक भी पार्क को खोला जा रहा है। इस समय में आने वाले लोग टहलकर वापस हो जा रहे हैं। स्टॉफ, बिजली व अन्य कनेक्शन न होने की वजह से पार्क अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहा है।

शहर के कल्याणपुर के इंदिरा नगर में बने प्रदेश का पहले रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क को दीमक लग गई है। ट्रायल के बाद कुछ दिन पार्क चला जिससे के बाद यह बंद हो गया। यहां लगे उपकरणों तक करंट नहीं पहुंचा, सोलर पैनल का काम भी नहीं हो पाया। जिसकी वजह से रोबोट, बोलने वाला कृत्रिम पेड़ व अन्य मशीने बंद हो गईं। केडीए अधिकारियों ने यहां पर निरीक्षण कर जल्द ही पार्क को शुरू करने के निर्देश दिये थे लेकिन, जिसे करीब 3 वर्षों के बाद बिना मशीनों को शुरू कराए ही खोल दिया गया। प्राइवेट सुपरवाइजर पंकज ने बताया कि आम लोगों के लिए खोला गया है। लेकिन, यहां अभी मशीनों को शुरू नहीं किया गया है। जो लोग पार्क घूमने आते हैं वह टहलकर वापस हो जाते हैं। वर्षा जल संचयन का पाठ पढ़ाने के लिए बने कॉन्सेप्ट को अभी शुरू नहीं किया गया है, इसलिए जो लोग आते हैं वह इसे शुरू करने की मांग करते हैं। पार्क के गेटकीपर अमन पांडेय ने बताया कि दूर-दूर से लोग पार्क को देखने आ रहे हैं, लेकिन मशीनों को बंद देखकर वापस हो जाते हैं। पार्क में कैफेटेरिया भी बंद है। बताया कि दिनभर में लगभग 50 लोग पार्क में पहुंच रहे हैं लेकिन मायूस लौट जा रहे हैं।

50
से अधिक विजिटर रोजाना पार्क में पहुंच रहे

08
करोड़ रुपये से पार्क किया गया तैयार

08
तरीकों से पानी को बचाने के उपाय बताने को लगे उपकरण

पार्क के रख-रखाव को 19 लाख का टेंडर

- पिछले कई वर्षों से जंगल बना थीम पार्क के रख-रखाव और कमियों को दूर करने के लिये 19 लाख रुपये का टेंडर कराया गया। ताकि यहां पर्यटन को बढ़ाया जा सके। प्राइवेट कंपनी पार्क को चला रही है।

म्यूजियम बंद पड़ा। अमृत विचार

4436 वर्गमीटर भूमि पर बना थीम पार्क

- थीम पार्क 4436 वर्गमीटर भूमि पर बना है। थीम पार्क के विस्तृत प्रचार-प्रसार के लिए शहर में मुख्य चौराहों पर साइनेज बोर्ड लगाये जाने के साथ ही छात्र-छात्राओं को यहां रोस्टर वार घुमाने और जानकारी देने की भी योजना थी, लेकिन इसपर एक कदम भी अधिकारी आगे नहीं बढ़े हैं।

यह भी बनाया गया

- प्लैट रूफ, एफआरपी गटर, जीआई गटर, हारवेस्टिंग पिट, वाटर वाइस गार्डन, पौधो के साथ राश्रि चक्र पार्कजो (जोडियक पार्क), पीवीसी गटर

2022 में थीम पार्क का हुआ था ट्रायल

- थीम पार्क का निर्माण रैमकी कंपनी ने किया है। जुलाई 2022 में थीम पार्क का ट्रायल शुरू किया गया। इसके बाद पार्क में आम लोग आने लगे। लेकिन, बिजली का कनेक्शन न होने व अन्य सुविधाओं के आभाव में पार्क के मेन गेट पर ताला लगा दिया गया था। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर विभाग ने संसाधन तो लगा दिये लेकिन सब बंद पड़ा हुआ है। पार्क में लगे फव्वारे भी पानी न होने के कारण बंद हैं।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

विजय नगर में रखा गया पहला आई-गर्डर

कानपुर। मेट्रो रेल परियोजना के कॉरिडोर-2 के अंतर्गत बन रहे एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी–बर्रा-8 एलिवेटेड सेक्शन का निर्माण कार्य जारी है। मंगलवार को पहले आई-गर्डर का इरेक्शन विजय नगर चौराहा मेट्रो स्टेशन के निकट किया गया। एलिवेटेड मेट्रो संरचना में क्रॉसओवर अथवा ट्रैक चेंज की व्यवस्था के लिए आई-गर्डर्स का उपयोग किया जाता है।

लाइट ठीक करने को 150 कर्मचारी लगाए

कानपुर। दीपावली से पहले शहर जगमग होगा। शहर भर में 11 हजार स्ट्रीट लाइटें लगाने की तैयारी है। इसके लिए 150 कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही खराब लाइटों को भी मार्गप्रकाश ठीक करेगा। अभी तक नगर निगम के मार्ग प्रकाश विभाग के पास 21 ई-रिक्शा थे। अब 20 ई-रिक्शा और किराए पर ले लिए गए हैं। पहले से ही 16 वाहन इसके लिए मौजूद हैं। नए वाहनों के आने से स्ट्रीट लाइटें लगाने व सही करने में आसानी होगी। खराब लाइटों को भी बदला जाना है। पथ प्रकाश अभियंता आरके पाल ने बताया कि अब तेज रफ्तार से काम होगा।

रामगोपाल चौराहे से आनंद सिटी तक सड़क बनेगी

पीडब्ल्यूडी ने जारी किया टेंडर, 1.35 करोड़ रुपये से होगा कार्य

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रामगोपाल चौराहा से आनंद साउथ सिटी के बीच खस्ताहाल सड़क जल्द बनेगी। सड़क सुधारने के लिए पीडब्ल्यूडी 1.35 करोड़ रुपये खर्च करेगा। दो राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ने वाली सड़क पिछले कई वर्षों से खराब है। इसपर चलना दूभर है।

आनंद साउथ सिटी से रामगोपाल चौराहा की ओर जाने वाली सड़क से जरौली, खाड़ेपुर, अर्रा, बिनगवां, फत्तेपुर, मेहरबान सिंह का पुरवा, बर्रा आठ, करहरी, बर्रा गांव सहित दर्जनों मोहल्लों के लोगों का आवागमन है। इसी सड़क से वाहन सवार फत्तेपुर होते हुए कानपुर-सागर हाईवे में रमईपुर पर निकलते हैं। यही सड़क कानपुर-इटावा हाईवे को बर्रा आठ बसंत पेट्रोल पंप के पास से जोड़ती है। इस सड़क में पिछले एक वर्ष से बड़े-बड़े गड्ढे हैं। हिचकोले खाते हुए वाहन सवार आवाजाही करते हैं। गड्ढों की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। इसको देखते राजनीतिक दलों सहित अन्य लोगों ने कई बार प्रदर्शन भी किया। बरसात में तो एक अभिभावक गड्ढे में लेट गया था, सपा नेताओं ने यहां धान बुआई कर अपना विरोध जताया था।

सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। अमृत विचार

प्रोजेक्ट पर एक नजर

- लागत- 1.35 करोड़
- लंबाई- दो किमी
- एक लाख से ज्यादा की आबादी का होगा लाभ

रामगोपाल चौराहा से आनंद साउथ सिटी तक सड़क को ठीक किया जाना है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है।

– अखंडेश्वर प्रसाद, अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी

महिलाओं को हज आवेदन का एक और मौका

मुबारक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 2026 चयनित हज आजमीन दूसरी किस्त जमा करें

अमृत विचार। वर्ष 2026 में हज पर जाने के लिए जिन महिलाओं ने आवेदन नहीं किया है, उनके लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने एक मौका और दिया है। हज पर जाने के लिए आवेदन करने वाली हज आजमीन अपनी दूसरी किस्त 1,25000 रुपये 31 अक्टूबर 2025 तक प्रति आजमीन के हिसाब से जमा कर सकती हैं।

मंगलवार को तंजीम खुद्दाम आजमीन-ए-हज की डॉ. इकबाल लाइब्रेरी बासमंडी में बैठक हुई जिसमें हज 2026 के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार दूसरी किस्त जमा करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2025 तय करने की जानकारी आजमीन को दी गई।

खादिमुल हुज्जाज सरदार अहमद खान ने बताया हज कमेटी ऑफ इंडिया ने मेहरम के लिए 500 का कोटा आवंटित किया है। दूसरी किस्त ऑन लाइन या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या फिर यूनियन बैंक में नगद जमा करने की सहूलियत है। बैठक में हज ट्रेनर आतिफ सिद्दीकी, मोहम्मद हमीदुल्लाह, सरदार अहमद खान, तौसीफ अहमद , मोहम्मद शकील, अब्दुल हई, मो नुजैम, इमरान अहमद आदि ने शिरकत की। अध्यक्षता कमाल अहमद एवं संचालन काजी फैजान ने किया। बैठक में मरहूम प्रोफेसर अब्दुल कबीर खान साहब के स्थान पर मोहम्मद जावेद नैयर को तंजीम का सपरस्त बनाया गया।

शौहर, भाई, वालिद ने आवेदन किया है तो कवर नंबर बताएं

- जो मेहरम (महिला) किन्हीं कारण से जैसे पासपोर्ट तैयार नहीं होना या मेडिकल कारण की वजह से आवेदन नहीं कर सकी हैं, ऐसी महिलाएं उस शर्त पर आवेदन कर सकती हैं जब उनके शौहर ,वालिद या भाई ने हज 2026 में हज पर जाने के लिए आवेदन किया हो और उनको कवर नंबर मिल गया हो। ऐसी स्थिति में ऐसी महिलाएं उनके साथ उनके कवर नंबर का रिफ्रेंस देकर ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। खादिमुल हुज्जाज ने बताया कि ऐसी महिला को दोनों किश्त एक साथ दो लाख सत्तर हजार तीन सौ रुपया जमा करना होगा। सभी चयनित आजमीन 5 नवंबर 2025 तक सभी जमा रसीदें हज कमेटी ऑफ इंडिया की ऑफिशियल बेब साइट पर अपलोड ज़रूर कर दें।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

नशीला कोल्डड्रिंक पिला दुष्कर्म

कल्याणपुर संवाददाता

अमृत विचार। कल्याणपुर में छात्रा ने युवक पर नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। अश्लील वीडियो बनाकर युवक उसे वायरल करने की धमकी भी दी। पीड़िता के अनुसार युवक ने अपना धर्म छिपाकर प्रेमजाल में फंसाया है। इसकी उसने कल्याणपुर थाने में शिकायत की है। आवास विकास इलाके में रहने वाली 11वीं की छात्रा का कहना है कि फेसबुक के जरिए उसकी युवक से दोस्ती हुई। युवक ने प्रेमजाल में फंसाया और उसे बारासिरोही स्थित एक गेस्ट हाउस ले गया। जहां नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर उससे दुष्कर्म किया। उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। युवक की सच्चाई पता चलने पर विरोध किया तो उसने अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दी और कई बार संबंध बनाया।

स्वास्थ्य टीम ने गांव में किया निरीक्षण

कानपुर। भीतरगांव ब्लॉक के ग्राम अकबरपुर बरूई में जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह व एसीएमओ डॉ .आरपी मिश्रा ने टीम के साथ निरीक्षण किया। यहां के स्वास्थ्य शिविर में 173 सामान्य रोगियों को औषधि वितरित कर उपचारित किया गया। 89 रोगियों की मलेरिया और 44 रोगियों की डेंगू जांच की गई।

जानकारी देते वक्ता।

सरकारी ग्रांट, सब्सिडी से होता सशक्तिकरण

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। केसीएएस सीपीई स्टडी सर्कल ने मंगलवार को कैप्सूल रेस्तरां में एक सेमिनार का आयोजन किया, जिसका विषय सरकारी अनुदान और सब्सिडी व सीए पेशे में सहकर्मी समीक्षा प्रक्रिया था। सीए शरद शेखर श्रीवास्तव ने कहा कि सरकारी ग्रांट्स और सब्सिडी योजनाएं आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण साधन हैं। सीए प्रोफेशनल्स इनके कार्यान्वयन, ऑडिट और जागरूकता में योगदान दे सकते हैं। सीए नवीन अग्रवाल ने सरकारी अनुदान और सब्सिडी पर चर्चा की। बताया कि ग्रांट्स गैर-वापसी योग्य वित्तीय सहायता हैं, जो अनुसंधान, शिक्षा, सामाजिक कार्य, और स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में दी जाती हैं। सीए ध्रुव गोयल ने सीए पेशे में सहकर्मी समीक्षा प्रक्रिया पर चर्चा की। बताया कि यह एक व्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसमें एक स्वतंत्र सीए द्वारा प्रैक्टिस यूनिट के ऑडिट, अकाउंटिंग, और टैक्सेशन कार्यों की गुणवत्ता की जांच की जाती है। इस दौरान कन्वीनर सीए प्रशांत रस्तोगी, नितिन सिंह, राजीव गुप्ता थे।

गैस चूल्हा दुकान से अवैध पटाखा बरामद

कानपुर। मेस्टन रोड पर धमाके के बाद लगातार पुलिस अवैध पटाखा भंडारण के खिलाफ अभियान चला रही है। मंगलवार को फीलखाना पुलिस ने एक गैस चूल्हा दुकान के गोदाम में छापा मारा। जहां से गैस चूल्हा की आड़ में पटाखों का अवैध भंडारण मिला।

पुलिस ने यहां से करीब 225 किग्रा अवैध पटाखा पकड़ा। पुलिस ने आरोपी दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। फीलखाना थाना प्रभारी शरद तिलारा ने बताया कि अवैध पटाखा भंडारण और बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान के तहत टीम ने पटकापुर स्थित गोदाम में छापेमारी की। यहां गोदाम में भरे 22 गत्ता में 225 किग्रा पटाखा बरामद हुए। दुकानदार मौका पाकर भागने में सफल रहा। गोदाम से बम, चरखी, सुरसुरी, चटाई बम, राकेट, अनार आदि पटाखे बरामद किए गए हैं।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को लगा तगड़ा झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डिप्टी रजिस्ट्रार चिट फंड ने एसोसिएशन पर कसा शिकंजा
- संबंधित बैंक प्रबंधकों को भी डिप्टी रजिस्ट्रार ने सूचना भेजी

अमृत विचार। यूपी मोर्टर्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन की प्रबंध समिति को डिप्टी रजिस्ट्रार चिट फंड से तगड़ा झटका मिला है। डिप्टी रजिस्ट्रार ने एसोसिएशन के बैंक खातों से लेन-देन पर प्रतिबंध लगा दिया है। डिप्टी रजिस्ट्रार ने इसकी सूचना बैंक प्रबंधकों को भी दे दी है।

यूपी मोर्टर्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के मध्य दो गुटों में कई वर्षों से खींचतान चली आ रही है। एसोसिएशन का 22 सितंबर को चुनाव हो चुका है। गणपति रोड कैरियर टीपी नगर के निदेशक प्रवीण जैन की शिकायत पर डिप्टी रजिस्ट्रार ने यूपी मोर्टर्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के 22 सितंबर को हुए चुनाव को पहले ही असैंधानिक करार दिया जा चुका है। प्रवीण जैन का आरोप है कि जब कोई कार्यकारिणी ही नहीं है तो खाते में लेन-देन कोई कैसे कर सकता है। इसी आधार पर डिप्टी रजिस्ट्रार ने सोमवार को यूपी मोर्टर्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के बैंक खातों के लेन-देन पर रोक लगा दी। प्रवीण जैन के मुताबिक डिप्टी रजिस्ट्रार एक बार अपनी देखरेख में स्वयं चुनाव कराएंगे। शिकायत के आधार पर डिप्टी रजिस्ट्रार की ओर से एसोसिएशन के मनीष कटारिया के अतिरिक्त एसबीआई, आईसीसीआईसीआई बैंक किदवई नगर, पंजाब एंड सिंध बैंक ट्रांसपोर्ट नगर शाखा, बैंक आफ इंडिया साकेत नगर शाखा में एसोसिएशन के खाते में लेन देन पर रोक लग गई है।

हाथ में पोस्टर लेकर व्यापारियों से अपील करते मंडल के पदाधिकारी व सदस्य। अमृत विचार

ग्राहकों को दें जीएसटी छूट का लाभ

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने मंगलवार को होजरी व रेडीमेड बाजार कोपरगंज में व्यापरियों से जीएसटी की घटी दरों के छूट का लाभ ग्राहकों को देने के लिए आग्रह अभियान का आयोजन किया। व्यापारियों से पुराने व घटे टैक्स की नई रेट लिस्ट लगाने का आह्वान किया। स्वदेशी अपनाओ के बोर्ड लगाने के साथ केवल स्वदेशी बेचने का आह्वान किया। अपने मोबाइल से अमेरिकन ऑनलाइन कंपनियों अमेन व फ्लिपकार्ट के ऐप हटाने की अपील की। इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिलाध्यक्ष गुरुजिंदर सिंह, जिला वरिष्ठ महामंत्री मनीष गुप्ता, विजय गुप्ता, राजेश आहूजा, राकेश शर्मा, रतन सिंह, ब्रजेन्द्र रस्तोगी, भूपिंदर सिंह समेत आदि व्यापारी शामिल रहे।

बिग बॉस फेम आर्टिस्ट ने दिए सफलता के मंत्र

विजय विक्रम सिंह।

सीएसजेएमयू में मौजूद छात्र-छात्राएं और फैकल्टी।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिंदगी में फेल होने जैसा कुछ भी नहीं, हर स्टेप में हम कुछ न कुछ सीखते हैं। हमें बताया जाता है कि हम फेल हो गए, लेकिन यदि कोई प्रसिद्ध खिलाड़ी बोल देता है कि इस हार से सीख लेते हुए हम अगले मैच में जरूर जीतेंगे तो हम उसे आदर्श बताने लगते हैं। गीता हमें बताती है कि कर्म करते रहिए, फल की चिंता मत करिए। मंजिल अपने आप चलकर आप तक पहुंच जाएगी। यह सफलता के मंत्र विद्यार्थियों को बिग बॉस फेम प्रसिद्ध वॉइस आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह ने दिए। सीएसजेएमयू में मंगलवार को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में छात्रों से संवाद वॉइस ऑफ बिग बॉस के तहत प्रसिद्ध वॉइस आर्टिस्ट बिग बॉस फेम विजय विक्रम सिंह ने छात्र-छात्राओं से दो टूक बात की। उन्होंने बताया कि कम्यूनिकेशन स्किल्स पर जोर देना जरूरी है। क्योंकि जिंदगी में सफलता के बहुत मौके आएंगे। कहा कि मैंआर्मी में जाना चाहता था, लेकिन सफलता न मिली। निराश नहीं हुआ और वॉइस आर्टिस्ट के क्षेत्र में सफलता हासिल की। बताया कि असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो। क्या कमी रह गई, सुधार करो। इस दौरान कुलसचिव राकेश कुमार मिश्र, डॉ. दिवाकर अवस्थी, डॉ.जीतेन्द्र डबराल, डॉ.रश्मि गौतम, डॉ,ओम शंकर आदि थे।

अब तो 18 कैरेट सोना भी लखटकिया

शैलेश अवस्थी,कानपुर

- चांदी ने कमाई में सोने को भी पीछे छोड़ा, ब्लैक में बिक्री
- 10 महीने में दाम बढ़े 98 हजार और सोने के 52 हजार रुपये
- दोनों धातुओं के भाव फिर टॉप पर हर कोई मुनाफे की होड़ में

अमृत विचार। ढाई महीने पहले 24 कैरेट सोने का भाव एक लाख पार हुआ तो विशेषज्ञ भी चकरा गए थे, लेकिन अब तो 18 कैरेट सोने के दाम भी 1,00,562 रुपये पर पहुंच गए और अभी तेजी जारी है।

सराफा बाजार में चांदी की किल्लत बताकर 20 हजार रुपये किलो से ज्यादा वसूले जा रहे हैं। चांदी दो लाख रुपये किलो तक बेची गई। कानपुर सराफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव 1,30,600 का 10 ग्राम तो चांदी के दाम 1,86,000 रुपये किलो की दर से खोले गए, जो सर्वकालीन ऊंचाई है। इसके बावजूद ठोस सोना-चांदी खरीदने वाले कम नहीं हुए। चांदी की कालाबाज़ारी करने वाले सक्रिय हो गए। खरीदार मुंहमांगी कीमत देने को तैयार दिखाई दिए। अब दलाल भी तगड़ा मुनाफा काट रहे हैं। इस साल जनवरी में चांदी 88,600 रुपये किलो और सोना 78,600 का 10 ग्राम था। वैश्विक हालात और बड़े पैमाने पर केंद्रीय बैकों के जरिये खरीद भाव में तेजी के कारण बताए जा रहे हैं। कारोबारी राजेंद्र शुक्ला का कहना है कि भाव कहां थमेंगे, कोई नहीं बता सकता। त्योहारी सीजन है, लेकिन रिटेल बिक्री 80 प्रतिशत तक गिर गई है। काशी ज्वेलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर का कहना है कि कि सोने की खरीदारी में समझदारी है, लेकिन निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है।

एक नजर सोने के भौकाल पर

- 24 कैरेट..1,30,600 रुपये का 10 ग्राम
- 22 कैरेट..1,21,460
- 18 कैरेट..1,00,562
- 1 जनवरी 2025 को था 78,600 रुपये

उर्सला की इमरजेंसी में आग से हड़कंप

कानपुर। उर्सला अस्पताल की इमरजेंसी में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक से दीवाल पर लगे एक पंखे में धुआं निकलने के बाद उसमे आग लग गई। इससे इमरजेंसी में मौजूद मरीज व तीमारदारों के बीच हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद डॉक्टर व स्टाफ ने मरीज व तीमरदारों को सुरक्षित वार्ड में शिफ्ट किया और अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाया। इस वजह से पूरी इमरजेंसी में धुआं भर गया।

इलेक्टिशियन ने पंखें को वहां से हटाया। धुआं खत्म होने के बाद मरीजों को इमरजेंसी में भर्ती किया गया। उर्सला अस्पताल के निदेशक डॉ.एचडी अग्रवाल ने बताया कि पंखें में आग लग गई थी, जिसपर मौके पर काबू पाया गया।

डायसन स्टोर में उत्पाद दिखाए गए।

जेड स्क्वायर मॉल में खुला डायसन स्टोर

कानपुर। ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी डायसन ने शहर में अपने पहले स्टोर की शुरुआत जेड स्क्वायर मॉल में की। डायसन का यह देश में 32वां और उत्तर प्रदेश में तीसरा स्टोर है। डायसन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अंकित जैन ने कहा कि डायसन का हर उत्पाद प्रॉब्लम सॉल्विंग के दृष्टिकोण पर केंद्रित है। उद्देश्य बेहतरीन इंजीनियरिंग और डिजाइन के साथ दैनिक अनुभवों में परिवर्तन लाना है। डायसन स्टोर में ग्राहक न केवल लेटेस्ट टेक्नोलॉजी उपयोग करके देखते हैं, बल्कि डायसन द्वारा पेश किए जाने वाले दिलचस्प और सर्वश्रेष्ठ अनुभवों का भी आनंद लेते हैं। इस नए स्टोर में डायसन एक्सपर्ट डायसन की प्रॉब्लम-सॉल्विंग टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन करेंगे।

सुधार मरम्मत के लिए टेंडर मांगे गए, लेकिन नहीं आई कोई कंपनी

नए साल में जाजमऊ गंगापुल की मरम्मत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा दावे किए जा रहे थे कि अक्टूबर में जाजमऊ गंगापुल पर मरम्मत शुरू हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं सका है। एनएचएआई द्वारा की गई टेंडर प्रक्रिया में मरम्मत के लिए कंपनियों ने रुचि नहीं ली। इस वजह से अब दोबारा टेंडर मांगे गए हैं। नए साल से ही पुल मरम्मत का कार्य हो सकेगा।

कानपुर को उन्नाव से जोड़ने के लिए वर्तमान में जाजमऊ गंगापुल पुल पर वाहनों का संचालन हो रहा है, जिसमे करीब दो से ढाई लाख वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। करीब 54 साल पुराना होने की वजह से पुल पर कई जगह गड्ढे हो गए हैं और कंपन बढ़ रहा है। इसलिए पुल की मजबूती आंकने के लिए एनएचएआई ने दिल्ली से सीएसआईआर से 10 इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की टीम को जांच के लिए बुलाया था। अगस्त 2024 को इंजीनियरों की टीम ने तीन दिनों तक पुल की जांच कर पुल में लगी बेयरिंग खराब होने की पुष्टि की। बीते सात सालों में एनएचएआई ने तीन बार बेयरिंग की मरम्मत कराई, लेकिन ओवरलोडिंग के कारण पुल धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा है। इसलिए एनएचएआई ने हमीरपुर यमुना पुल की तरह जाजमऊ गंगापुल की मरम्मत कराने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एनएचएआई ने तैयारी शुरू की और अक्टूबर माह में मरम्मत कराने की योजना बनाई थी। लेकिन यह योजना अभी तक धरातल में नहीं उतर सकी है। मरम्मत के लिए एनएचएआई की टेंडर प्रक्रिया में ठेकेदारों ने दिलचस्पी नहीं ली। इसलिए दोबारा टेंडर मांगे गए हैं। अक्टूबर माह के अंत या नवंबर माह की शुरुआत में टेंडर खोले जाएंगे और ठेका आवंटित होगा। तब इसके बाद नए साल से मरम्मत कार्य शुरू हो सकेगा।

जाजमऊ गंगापुल पर सड़क उखड़ गई है। अमृत विचार

तनिष्क त्योहार के मौके पर लाया कलेक्शन मृगांक

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

- दावा-हर आभूषण में है रहस्यमय आकर्षण

अमृत विचार। कला और सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रतीकों का उपयोग भारत में सदियों से मशहूर है, मृगांक का हर आभूषण उन्हीं से प्रेरित होकर त्योहार की भावना को सम्मानित करता है। इसलिए भारत के सबसे बड़ा ज्वैलरी रिटेल ब्रांड तनिष्क ने त्योहार के सीजन के लिए आकर्षक कलेक्शन मृगांक की पेशकश की है, जो पौराणिक और कल्पनाशील दुनिया से प्रेरित है।

तनिष्क ने आश्चर्यजनक रूप से अलौकिक मृगांक की इस भावना को मूर्त रूप देने के लिए पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्टर मानुषी छिल्लर को चुना है। स्टोन-ऑन-स्टोन जड़ाऊ, चांडक, रस रवा और जटिल जाली परतों जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके तैयार किए गए इस कलेक्शन में रंगीन कुंदन, मीनाकारी और थ्रीडी मोटिफ का खूबसूरत मिलाप है। टाइटन कंपनी लिमिटेड की चीफ डिजाइन ऑफिसर रेवती कांत ने बताया कि यह कलेक्शन हमारी भारतीय कहानियों और किस्सों की समृद्ध विरासत से सजा है। हर आभूषण में एक रहस्यमय आकर्षण है, उन्हें जटिल कलात्मकता से तैयार किया गया है। मृगांक तनिष्क की कल्पना को जटिल, पहनने योग्य कला में उतारने की अद्वितीय क्षमता का एक प्रमाण है।

सिटी ब्रीफ

सीएसजेएमयू में हुई प्रतियोगिता

कानपुर। सीएसजेएमयू में जूडो इंटरकॉलेजिएट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष व महिला दोनों वर्गों में विभिन्न भार वर्गों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सहभागिता की। खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिला। 60 किलोग्राम वर्ग में प्रथम स्थान आरव कुमार मौर्य व शालू पाल रही। इस दौरान डॉ.अंशु यादव, दिलशाद सिद्दीकी, डॉ.श्रवण कुमार सिंह यादव, निमिषा सिंह कुशवाहा, डॉ. प्रभाकर पांडेय समेत आदि लोग रहे।

संस्था का अवैध संचालन का आरोप

कानपुर। गणपति रोड करियर टीपी नगर डायरेक्टर प्रवीण जैन ने डिप्टी रजिस्ट्रार सोसाइटी और चिट फंड से एक शिकायत की। कहा कि दि यूपी मोटर ट्रांसपोर्टस एसोसिएशन के कालातीत अध्यक्ष व महामंत्री ने डिप्टी रजिस्ट्रार का आदेश न मानते हुए मनमाने ढंग से कराए गए चुनाव को डिप्टी रजिस्ट्रार ने अमान्य घोषित किया था। इसके बावजूद कालातीत अध्यक्ष व महामंत्री ने पदों की घोषणा व कार्यकारिणी का गठन किया और संस्था का अवैध संचालन कर रहे हैं। 13 अक्टूबर को एसोसिएशन के सभी चार खातों पर किसी तरह के ट्रांजैक्शन पर रोक लगाई गई।

मदरसा में उलेमा की बैठक

कानपुर। मदरसा इशाअतुल उलूम कुलीबाजार में 16 अक्टूबर को परेड ग्राउंड पर प्रस्तावित तहफ्फुज खत्म नबूवत कांफ्रेंस की तैयारियों को लेकर जमीअत उलमा के प्रदेश महामंत्री एवं शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें मेहमानों को ठहराने, उनके खानापान के साथ ही जलसे की तैयारियों पर चर्चा हुई।

श्रमशक्ति, शताब्दी समेत कई ट्रेनों में मारामारी

त्योहार पर भारी भीड़, नई दिल्ली से कानपुर आने वाली श्रमशक्ति में 16 से 18 तक प्रतीक्षा सूची भी बंद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दीपावली एवं छठ पूजा पर ट्रेनों में आरक्षण की स्थिति बहुत दयनीय है। नई दिल्ली से कानपुर आने वाली 12452 श्रमशक्ति एक्सप्रेस में 16 से 18 अक्टूबर तक प्रतीक्षा सूची भी बंद हो चुकी है। शताब्दी समेत कई ट्रेनों में एक-एक बर्थ की मारामारी है।

सोमवार को दीवावली का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाएगा। उसके बाद कई प्रांतों में छठ पूजा की धूम होगी। बिहार जाने के लिए लाखों यात्रियों का काफिला जाने लगा है जिससे कई ट्रेनों में आरक्षण खत्म हो चुका है। गाड़ी संख्या 12312 नेताजी एक्सप्रेस, 12324 हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस, 12274 दूरंतो एक्सप्रेस, 22858 कोलकाता सुपरफास्ट, 12372 सुपरफास्ट, 12302 राजधानी एक्सप्रेस, 12306 दिल्ली सुपरफास्ट, 12304 पूर्वा एक्सप्रेस समेत 200 से अधिक ऐसी ट्रेनें हैं जिनमें 16 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक कोई बर्थ उपलब्ध नहीं है। इन ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची भी 100 के पार पहुंच चुकी है। इसी प्रकार लखनऊ से नई दिल्ली तक चलने वाली स्वर्णशताब्दी में भी प्रतीक्षा सूची लंबी है जबकि तेजस एक्सप्रेस में भी एक एक सीट के लिए मारामारी है। इस संबंध में उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह का कहना है कि कई विशेष ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं, यात्रियों को चाहिए कि विशेष ट्रेनों में भी आरक्षण करायें, जिसमें आसानी से आरक्षण मिल सकता है।

- कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची लंबी हुई यात्री हलाकान

परिवहन की 500 स्पेशल बसें हैं तैयार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने दीपावली एवं छठ पूजा पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 500 से अधिक स्पेशल बसें रूटों पर शुक्रवार रात से लगाने का फैसला लिया है। ये सभी बसें नई हैं जो काफी आरामदायक हैं। विशेष बसों में दर्जनों एसी बसें भी लंबी दूरी के लिए लगाई गई हैं।

दीपावली एवं छठ पूजा पर विशेष संचालन के लिए परिवहन ने अपने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों, सुपरवाइजर, फोरमैन, वर्कशाप कर्मियों, चालक, परिचालक, यातायात निरीक्षकों की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं। कानपुर परिक्षेत्र की 500 से अधिक बसों को लगाया गया है जिसमें गोरखपुर 55, दिल्ली 250 , बस्ती 10, देवरिया 5, जौनपुर 5 , वाराणसी 10, आगरा 10, अलीगढ़ 10, प्रतापगढ़ 10, सुल्तानपुर 10, सोनौली 5 , बहराइच 2, बादशाहपुर 2, रायबरेली 10 बसों के अलावा महोबा, हमीरपुर, जालौन, लालगंज बैसवारा समेत विभिन्न जिलों व कस्बों के लिए बसों को संचालित किया जाएगा। इनमें लंबी दूरी की सभी बसें नई हैं जिनमें 1000 से 2000 किमी तक सफर करने पर भी यात्रियों को थकान नहीं लगेगी।

दीपावली एवं छठ पूजा पर लाखों यात्रियों की भीड़ निकलती हैं जिन्हें सुरक्षित गंतव्य स्थान तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है, ऐसे में 500 से अधिक विशेष बसों को रूटों पर लगाया गया है। इनके अतिरिक्त 14000 परिवहन की बसें यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए कटिबद्ध हैं।

पंकज तिवारी, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, झकरकटी बस अड्डा

कुछ बसें कानपुर तक ही आएंगी

दिल्ली, गोरखपुर समेत कई लंबी दूरी की बसें कानपुर स्थित शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा, चुन्नीगंज बस अड्डा एवं रावतपुर बस अड्डा तक ही आएंगी और फिर यहां से जिस रुट के यात्री अधिक होंगे, वहां के लिए दूसरी बस रवाना की जाएगी। इसी प्रकार कई बसों को दिल्ली से कानपुर होते हुए गोरखपुर, दिल्ली से कानपुर होते हुए सोनौनी, दिल्ली से वाया कानपुर सुल्तानपुर एवं प्रतापगढ़ के लिए भी लगाया गया है।

विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी दी गई। अमृत विचार

खेल महोत्सव में कानपुर नगर का रहा जलवा

कानपुर। मोहनपुरम सीएचएस में मंगलवार को शौर्यचक्र विभूषित व पूर्व सांसद स्व. चौधरी हारमोहन सिंह यादव की स्मृति में मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत खेल महोत्सव 2025 का समापन किया गया। राज्यमंत्री असीम अरुण ने विजेता व उपविजेता टीम को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में कानपुर नगर विजेता और कानपुर देहात उप विजेता रहा, जबकि तीसरे स्थान पर लखनऊ व फतेहपुर रहे। फुटबॉल प्रतियोगिता में केडीएमए, बास्केटबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग में चिंटल्स स्कूल व बालिका वर्ग में गुरु हर राय अकादमी, क्रिकेट प्रतियोगिता बालक वर्ग में विजडम एजुकेशन सेंटर, बैडमिंटन प्रतियोगिता बालक वर्ग में स्कॉलर मिशन स्कुल व बालिका वर्ग में डीपीएस आजाद नगर, टेबल टेनिस प्रतियोगिता बालक व बालिका वर्ग में डीपीएस आजाद नगर का जलवा रहा। इस दौरान पूर्व सभापति चौधरी सुखराम सिंह यादव, नीता सिंह, संजीव पाठक, अंशुमन बुधौलिया, समिति के अध्यक्ष मोहित यादव समेत आदि लोग रहे।

योगदान के लिए सम्मान किया गया। अमृत विचार

डॉ.वंदना अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में सम्मानित

कानपुर। सामाजिक संस्था प्रयत्न व हिंद मेडिकल कॉलेज लखनऊ द्वारा आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस वेलनेस कॉन-2025 का आयोजन किया गया, जिसमे प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक को इंटरनेशनल अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस इन द फील्ड ऑफ आयुर्वेद से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पूर्व राज्यसभा सदस्य व पद्मश्री डॉ. विकास महात्मे और हिंद चैरिटेबल ट्रस्ट लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. अमोद कुमार सचान ने प्रदान किया। यह पुरस्कार आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. वंदना वर्तमान में एनआईएमए वूमनस फोरम कानपुर की सचिव भी है।

डीजी कॉलेज में ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ

कानपुर। दयानंद गर्ल्स पीजी महाविद्यालय के बीएड विभाग में प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ. सबीहा अंजुम ने कहा कि बीएड पाठ्यक्रम भावी शिक्षकों के व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को निष्ठा, समर्पण और नवाचार के साथ शिक्षक बनने का संदेश दिया। डॉ. प्रेरणा कॉम्बो ने बीएड पाठ्यक्रम की रूपरेखा, सेमेस्टर प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में बताया।

आंध्र के खिलाफ विजयी आगाज में उतरेगा यूपी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ग्रीनपार्क में सबसे बड़ी घरेलू क्रिकेट रणजी प्रतियोगिता की शुरूआत आज से
- मुकाबले के लिए छह अक्टूबर से लगातार अभ्यास कर रही यूपी टीम

अमृत विचार। ग्रीनपार्क में बुधवार से देश की सबसे बड़ी घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी की शुरुआत होगी। मेजबान यूपी का सामना आंध्र प्रदेश से होगा। इस मुकाबले के लिए यूपी टीम छह अक्टूबर से लगातार अभ्यास कर रही है, जबकि आंध्र प्रदेश की टीम दो दिन यहां पिचों पर अपनी तैयारी परखने के लिए कोशिश की है। मुकाबला सुबह 9.30 बजे से खेला जाएगा। मेजबान के कप्तान करन शर्मा के नेतृत्व में टीम विजयी आगाज से उतरेगी।

बीते सत्र में नॉकआउट दौर से पहले ही बाहर होने वाली यूपी टीम इस बार एलीट ग्रुप ए में शामिल है, जिसमें गत चैंपियन विदर्भ भी शामिल है। इसलिए यूपी को यदि नॉकआउट दौर में प्रवेश करना है तो उसे आंध्र प्रदेश के खिलाफ विजयी आगाज जरूरी होगा। पहले राउंड के पांच मुकाबलों में टीम को तीन अपने घरेलू मैदान ग्रीनपार्क में खेलने है। कप्तान करन शर्मा के अलावा टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज रिंकू सिंह, प्रियम गर्ग, आराध्य यादव, अभिषेक गोस्वामी, माधव कौशिक टीम को मजबूती के लिए हैं। वहीं आकिब खान, शिवम मावी, वैभव चौधरी, कुणाल त्यागी, विप्रज निगम, प्रशांत वीर, शिवम शर्मा आंध्र प्रदेश के बल्लेबाजों को जल्द चलता करने की भूमिका के लिए अभ्यास में जमकर पसीना बहाया है। विजय आगाज टीम के अंतिम एकादश पर भी होगा। वैसे विकेट को देखते दो स्पिनर रखने की संभावनाएं हैं। वहीं आंध्र प्रदेश टीम के कप्तान रिकी भुई भी मेजबान टीम को आसानी से हावी नहीं होने देंगे। यूवी के पूर्व ऑलराउंडर सौरभ कुमार का साथ मिलने के बाद आंध्र प्रदेश उनके अनुभव का पूरा लाभ लेगी। उनके जरिए मेजबान टीम की कमजोरी का पताकर अपनी ताकत को उछाल देगी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज शिखर भरत समेत अभिषेक रेड्डी, अश्विन हेबर, करन शिंडे ने नेट्स पर कड़ा अभ्यास किया है।

घंटा बजाकर होगा मैच का शुभारंभ

कानपुर। रणजी ट्रॉफी का बिगुल बुधवार से देश में बजने वाला है। उत्तर प्रदेश में इसकी शुरुआत ग्रीनपार्क स्टेडियम में मेजबान यूपी और आंध्र प्रदेश के बीच मुकाबले से होगा। रणजी की विधिवत शुरुआत उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अरविंद श्रीवास्तव घंटा बजाकर करेंगे।

स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संकल्प लें

स्टाल पर जानकारी लेते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्वदेशी मेले में भाजपा सांसद और नेता पहुंचे

अमृत विचार। मोतीझील स्थित स्वदेशी मेले में मंगलवार को सांसद रमेश अवस्थी ने सैकड़ों भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों को देखा और उसे खरीदने का संकल्प दिलाया। रमेश अवस्थी के नेतृत्व में महानगर के पदाधिकारी, मोर्चा-प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मेले में लगे स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलों का भ्रमण कर उत्पादकों का उत्साहवर्धन किया। मेले में आयोजित स्वदेशी चौपाल का संचालन राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने किया। रमेश अवस्थी ने कहा कि अब समय आ गया है जब स्वदेशी को केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक जीवनशैली के रूप में अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि अब समय है कि स्वदेशी को स्वदेश से जोड़ा जाए। भारत तभी आत्मनिर्भर बनेगा जब हर नागरिक स्थानीय उत्पादों को अपनाएगा।

हैलट में तैयार किया जा रहा अलग बर्न वार्ड

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट परिसर में बीते पांच सालों से बर्न यूनिट का निर्माण हो रहा है, लेकिन घटिया निर्माण की वजह से मेडिकल कॉलेज इसे टेकओवर करने को तैयार नहीं है। हैलट में बर्न यूनिट न होने की वजह से जले मरीजों को इलाज मिलना मुश्किल हो रहा है, उन्हें लखनऊ रेफर करना पड़ रहा है।

दीपावली के त्योहार को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने अलग से बर्न वार्ड तैयार करने का फैसला लिया है, जिसमे जले लोगों का इलाज किया जाएगा। इसमें सर्जरी विभाग व प्लास्टिक सर्जन शामिल रहेंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला ने बताया कि अलग से 10 से 12 बेड का बर्न वार्ड तैयार किया जा रहा है। सबसे पहले मरीजों को हैलट इमरजेंसी में देखा जाएगा, उसके बाद उन्हें बर्न वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा सभी विभागाध्यक्षों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उद्योग में नवाचार व उद्यमिता के प्रति युवाओं को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। क्राइस्ट चर्च कॉलेज के इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेल ने मंगलवार को एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया, जिसमे सुगंध एवं सुरस विकास केंद्र के एमएसएमई) विशेषज्ञों ने छात्रों में सुगंधि व इससे संबंधित उद्योग में नवाचार और उद्यमिता के प्रति जागरूक किया। उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता में भूमिका को समझना था।

इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेल के संयोजक डॉ.मनीष कपूर ने एमएसएमई की नवाचार और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका की जानकारी दी। कॉलेज के प्राचार्य प्रो.विनय जॉन सेबेस्टियन ने उद्यमिता को व्यक्तिगत और सामाजिक विकास का मार्ग मानने के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक ज्ञान और उद्यमिक व्यवहार के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाटते हुए छात्रों को भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। दिव्यांशु शुक्ला ने कृषि-आधारित उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। कहा कि सुगंधित व औषधीय फसलों के क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार व ग्रामीण विकास का एक उभरता हुआ क्षेत्र है। केंद्र के सहायक निदेशक भक्ति विजय शुक्ला ने सरकारी योजनाओं, इनक्यूबेशन अवसरों व शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार की भूमिका की जानकारी दी। कई छात्र नवाचार-आधारित व स्वरोजगार के अवसरों की ओर प्रेरित हुए। शिक्षा जगत व उद्योग के बीच संबंध मजबूत हुए। व्यावहारिक कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का सुझाव दिया।

संबोधित करते वक्ता। अमृत विचार

- क्राइस्ट चर्च कॉलेज में एमएसएमई के विशेषज्ञों ने दी जानकारी

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

Public Notice

I hereby declare that in school records of my ward Yash Jaiswal studying in Stella Maris Convent School Narayanpur in class 9th-C his mother name is incorrectly mentioned MINA JAYSWAL which should be read and written as MEENA JAISWAL respectively. Smt- MEENA JAISWAL w/o MANISH JAISWAL. R/O HOUSE No. 947, PALTAN BAZAAR,TEHSIL SADAR DIST. SULTANPUR Uttar Pradesh

सूचना

मैं **वैभव तिवारी पुत्र श्री राजेन्द्र नारायण तिवारी निवासी– 171 मोहल्ला रायगंज अयोध्या,** मेरी पुत्री स्तुति तिवारी का नाम भूलवश बिट्टू तिवारी हो गया है। मेरी पुत्री का नाम स्तुति तिवारी है न कि बिट्टू तिवारी अतः मेरी पुत्री का नाम स्तुति तिवारी के स्थान पर बिट्टू तिवारी पढ़ा जायें।

सूचना

मेरा एलआईसी की पालिसी संख्या 265495182 में नाम रामखिलावन पुत्र मानसिंह लिखा हुआ है मेरे आधार कार्ड व बैंक खाते में नाम रामलखन है यह दोनों नाम मेरे ही है अब मुझे रामलखन के नाम से जाना जाए भवदीय **रामलखन पुत्र मानसिंह निवासी ग्राम बिरियन नगला पोस्ट बमरौली ,जिला कन्नौज।**

सूचना

सूचित किया जाता ही कि मैंने अपना नाम MOHAMMAD ISLAM से MOHD ISLAM कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MOHD ISLAM, Add- GHOSIYANA NEAR MASJID RAJEEV NAGAR KHARIKA,TELIBAG, LUCKNOW

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Abhishek Kumar से Abhishek Kumar Pandey कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। Abhishek Kumar Pandey H-NO-20, Saray Raghunath Ayodhya

सूचना

मैने अपना नाम ASHISH KUMAR से बदलकर ASHISH SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-JAI SHANKER NATH ADD-555 KHA/A/79, BHOLAKHERA MANAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226023 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम RAJ KUMAR से बदलकर RAJ KUMAR PAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAM SHABD ADD-72K, KHANPUR SHAH SULEMPUR PO-BARIYAWAN DIST-AMBEDKAR NAGAR-224210 (U.P)

सूचना

मैंने अपने पुत्र का नाम RIDHAN GUPTA से बदलकर RIDHAAN GUPTA रख लिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को RIDHAAN GUPTA के नाम से जाना व पहचाना जाये S/O ROHIT GUPTA ADD - 350-Ga, SHAKTI NAGAR INDIRA NAGAR A-BLOCK CONVERSATION CENTER LUCKNOW

सूचना

मै **शशि कला निवासी 554/595 एकता नगर कैम्पबेल रोड़ बालागंज** की निवासी हूं। पहले मेरा नाम शशि कला देवी था और अब मेरा नाम शशि कला है। भविष्य में मुझे मेरे शशि कला नाम से ही जाना पहचाना जाय

सूचना

मेरा नाम आधार कार्ड में गलती से भुनेश्वर लिख गया है सही नाम मुनेश्वर , muneshwar prasad पुत्र sunder है। **मुनेश्वर प्रसाद पुत्र सुंदर आधार नं 764410565717 निवासी– ग्राम लंगड़ी किशुनपुर ग्रिंट पोस्ट रेहराबाजार जनपद बलरामपुर**

सूचना

मेरा भारतीय जीवन बीमा निगम पॉलिसी नंबर 2366 31431 में नाम घनश्याम पुत्र कन्धई लाल है। जबकि आधार कार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम विजय कुमार पुत्र कन्धई लाल है। यह दोनों नाम मेरे ही हैं मुझे दोनों नाम से जाना में पहचाना जाता है। **घनश्याम पुत्र कन्धई लाल ग्राम समदा परगना व तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर**

सूचना

मेरा पासपोर्ट नंबर M4997603 मे नाम मोहम्मद अयूब खान मोहम्मद रुस्तम पुत्र मोहम्मद रुस्तम अब्बास खान तथा माता का नाम शेरुन्निशा मोहम्मद रुस्तम लिखा है आधारकार्ड, पैनकार्ड तथा बैंक पासबुक में मेरा नाम मोहम्मद अयूब खान पुत्र मोहम्मद रुस्तम तथा माता का नाम शेरुन्निशा है यही सही है। **मोहम्मद अयूब खान, निवासी– ग्राम सेमरी परगना व तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर**

गुड न्यूज

गुरु नानक गर्ल्स पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन हुआ

103 छात्र और छात्राओं को मिली नौकरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय और गुरू मानक गर्ल्स पीजी कॉलेज की ओर से मंगलवार को गुरु नानक गर्ल्स पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान शामिल 315 छात्र-छात्राओं में से 103 छात्र-छात्राओं को शैक्षिक योग्यता एवं साक्षात्कार के आधार पर चयनित किया गया। युवाओं को 10 से 25 हजार प्रतिमाह का ऑफर मिला।

रोजगार मेले का उद्घाटन भाजपा उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित और महाविद्यालय के सचिव स. अमर जीत सिंह (पम्मी) व प्राचार्या प्रो. डॉ. दीप्ति सुनेजा ने किया। अनिल दीक्षित ने कहा कि सेवायोजन कार्यालय रोजगार प्राप्त करने का एक प्लेटफार्म है, जिसके माध्यम से आप विभिन्न प्रकार की कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। हिमांशु यादव ने सेवायोजन पोर्टल की उपयोगिता एवं आउटसोर्सिंग भर्ती आदि के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सरकार का उद्देश्य हर परिवार को रोजगार उपलब्ध कराना है। रोजगार मेले का संचालन प्रो. अनुभा कुमार के किया। रोजगार मेले में श्रीराम फाइनेन्स ग्रुप, यजाकी इंडिया प्रा. लि., मदरसन मेट आटोमोटिव लि., करियर ब्रिज स्किल सॉल्यूशन, टाटा विस्ट्रॉन समेत कई कंपनियां आईं। प्रो. सुरिन्दर कौर, सोनिया खन्ना, डॉ. कंचन पायल, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, डॉ. पल्लवी पाण्डेय, डॉ. आरती बाजपेयी, डॉ. मेघना मिश्रा, ममता कौजिया, डॉ. संध्या मिश्रा, सतीश पाण्डेय, प्रखर चित्रांश, शैलेन्द्र कुमार रहे।

रोजगार मेले में साक्षात्कार लेते अधिकारी। अमृत विचार

निदेशक को स्मृति चिह्न देते कैंप कमांडेंट। अमृत विचार

गोल्डी मसाले प्लांट का कैडेट्स ने किया दौरा

कानपुर। मंधना स्थित गोल्डी मसाले प्लांट का मंगलवार को संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत 17 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी कानपुर ने शैक्षिक दौरा किया। उन्हें कानपुर की औद्योगिक व्यवस्था का अनुभव कराया गया। इसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक अनुभव से जोड़ना था। कैडेट्स ने गोल्डी मसाले के उत्पादों की उत्पादन और पैकेजिंग प्रक्रियाओं देखी। गोल्डी मसाले की स्थापना से लेकर एक प्रसिद्ध घरेलू ब्रांड बनने तक की यात्रा पर आधारित एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रस्तुत की गई। सीएटीसी-204 के कैंप कमांडेंट कर्नल नीरज नैथानी ने गोल्डी मसाले के निदेशक आकाश गोयनका को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

न्यूज ब्रीफ

जुए की फड़ पर पुलिस का छापा, 5 पकड़े गए

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली प्रभारी संजीव कुशवाहा ने मुखबिर से मिली सूचना पर फोर्स के साथ सोमवार रात किला चौकी क्षेत्र के सैय्यद बाबा की मजार के पीछे दबिश दी। जहां जुआ खेल रहे आमिर उर्फ लड्डू पुत्र रईश पहली खेड़ा, मुजम्मिल पुत्र याशीन निवासी तालिब सराय, शाह आलम पुत्र मुन्ना डरियन टोला, अथक यादव पुत्र शिवकुमारच निवासी तालिब सराय व अनुज गुप्ता पुत्र कृष्ण कुमार निवासी पुरानी बाजार सदर कोतवाली को पुलिस कर्मियों ने दबोच लिया। फड़ व जामातलाशी में करीब 20 हजार रुपये बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए लोगों पर जुआं अधिनियम के तहत कार्रवाई की।

तहसीलदार को हटाने के लिए दिया ज्ञापन

उन्नाव। सदर तहसीलदार सुरभि गौतम व अधिवक्ताओं के बीच चल रहा विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। बार एसोशिएशन की बैठक में सोमवार को सदर तहसीलदार के अधिवक्ताओं के प्रति रवैए की आलोचना की गई थी। मंगलवार को उन्नाव बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश मिश्रा की अगुवाई में अधिवक्ता डीएम कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने तहसीदार पर कार्रवाई की मांग करते हुए डीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज को दिया। इसमें अधिवक्ताओं ने कहा कि इससे पहले कई बार की गई शिकायतों के बावजूद तहसीलदार की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ है। ऐसे में अधिवक्ता 16 अक्तूबर को न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। इस दौरान महामंत्री अनुज बाजपेई आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

पशु आरोग्य मेले में 969 का हुआ उपचार

नवाबगंज। विकासखंड क्षेत्र के चमरौली गांव में पं. दीनदयाल पशु आरोग्य मेले का आयोजन मंगलवार को पशु चिकित्सालय द्वारा किया गया। इसमें मुख्य अतिथि मोहान विधायक बृजेश रावत का प्रधान समर बहादुर ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विधायक ने सरकार द्वारा पशुओं व पशुपालकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में लोगों को बताया। वहीं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि सिंह ने सरकार द्वारा पशु पालकों व कृषकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया। मेले में 969 पशुओं का उपचार हुआ। इसमें 539 बड़े व 430 छोटे पशु शामिल थे। राकेश दीक्षित, प्रेम, सुनीता, जानकी, शांती, शालू आदि मौजूद रहे।

जहरीले जंतु के काटने से युवक की मौत

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के चमरौली गांव निवासी देशराज लोध (45) पुत्र स्व. चांदेलाल मंगलवार सुबह 11 बजे खेत गया था। जहां उसे जहरीले कीड़े ने काट लिया। युवक जंगली दवाई व झाड़फूंक के चक्कर मे पड़ा रहा। जब हालत अधिक बिगड़ी तो परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां से उसे कानपुर के हैलेट अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आए और पुलिस को सूचना दी। मृतक की एक बेटी किरन (13) व बेटा यश (8) है।

मंगल दल सदस्यों को मिली खेल सामग्री

उन्नाव। जिला युवा कल्याण एवं प्राविद अधिकारी अनिल तिवारी ने बताया कि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले में गठित 75 युवक मंगल दल व 50 महिला मंगल दल के 2-2 (कुल-250) सदस्यों व पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में खेल प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें जिले की अंशिका कविता महिला मंगल दल व प्रिंश वर्मा, निखिल कुमार युवक मंगल दल को मुख्यमंत्री ने प्रोत्साहन खेल सामग्री दी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों से आये मंगलदलों व सभी जिलों के जनप्रतिनिधि, अधिकारी व मंगल दलों को विधायक, सांसद खेल स्पर्धा के शुभारम्भ की घोषणा भी की।

फीडर-5 के आठ ट्रांसफार्मर बंद

शुक्लागंज। मरहला चौराहा पर आरओबी निर्माण के चलते मंगलवार को बिजली विभाग की लाइन शिफ्टिंग का कार्य जारी था। इस दौरान भूमिगत केबल जोड़ने के कार्य में जेसीबी से खुदाई के समय एचटी लाइन कट जाने से फीडर-5 की सप्लाई ठप हो गई। इसके कारण आर्यनगर, आजाद नगर, अलीनगर समेत आसपास के कई मोहल्लों की बिजली करीब डेढ़ घंटे बाधित रही। कार्यदायी संस्था द्वारा केबल ज्वाइंट जोड़ने के दौरान दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हादसा हुआ। एचटी लाइन कटते ही फीडर-5 ट्रिप कर गया और इससे जुड़े आठ ट्रांसफार्मरों की आपूर्ति बंद हो गई। अचानक बिजली गुल होने से क्षेत्र के करीब पंद्रह सौ घर अंधेरे में डूब गए। शाम साढ़े पांच बजे तक बाधित क्षेत्रों की आपूर्ति बहाल की जा सकी।

नवीन पुल पर ढाई घंटे तक लगा जाम

कराह उठे राहगीर, मरहला चौराहे पर आरओबी निर्माण कार्य व अव्यवस्थित यातायात बना परेशानी का कारण

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। मंगलवार सुबह शुक्लागंज स्थित नवीन गंगापुल पर ढाई घंटे तक भीषण जाम लगा रहा। पुल से लेकर आनंद नगर फोरलेन तक वाहनों की लंबी कतारें लगने से कानपुर-उन्नाव मार्ग पूरी तरह थम गया। जाम के कारण स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र, दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और आम राहगीर घंटों तक फंसे रहे। कई लोगों ने मजबूरन वाहन छोड़ पैदल पुल पार किया।

सुबह करीब नौ बजे ऑफिस और स्कूल टाइम पर वाहनों का दबाव बढ़ा तो अचानक पुल के बीचोंबीच एक चारपहिया वाहन खराब हो गया। पीछे से आने वाले वाहनों ने ओवरटेक करने की कोशिश की, जिससे दोनों ओर की लेनें जाम हो गईं। कुछ ही देर में पुल से लेकर राजधानी मार्ग तक वाहनों की लंबी लाइन लग गई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर शुक्लागंज थाने की पुलिस व यातायात पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पसीना बहाते हुए जाम खुलवाने की मशक्कत की।

करीब ढाई घंटे बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका, हालांकि पुल के दोनों छोरों पर देर तक वाहन रेंगते हुए चलते रहे। जाम के चलते कई स्कूल वाहन छात्रों को समय पर नहीं पहुंचा सके। वहीं लेट हो रहे लोग पैदल ही अपने गंतव्य को रवाना हुये।

मरहला चौराहे पर लगा भीषण जाम। अमृत विचार

नवीन पुल के रास्ते पर भीषण जाम में फंसे वाहन सवार। अमृत विचार

मरहला पर आरओबी निर्माण से फोरलेन पर भी यातायात बाधित

नवीन पुल के साथ-साथ मरहला चौराहे के पास रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य भी मंगलवार को जाम का कारण बना। निर्माण कार्य के चलते सड़क का एक हिस्सा संकरा हो गया है, जिस कारण फोरलेन और आजाद मार्ग से आने वाले वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। भारी वाहनों के गुजरने से यातायात कई बार थम गया। पुलिसकर्मी लगातार यातायात नियंत्रित करने में जुटे रहे, लेकिन दोपहर तक वाहनों की रफ्तार सामान्य नहीं हो सकी। इस दौरान सुबह दस बजे से दोपहर बारह बजे तक जाम की स्थिति बनी रही। जाम के चलते आवागमन करने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

वाहन की टक्कर से कचहरी पुल पर गिरा विद्युत पोल

कचहरी पुल पर टूटा पड़ा विद्युत पोल। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के व्यस्ततम कचहरी पुल पर सोमवार देररात बड़ा हादसा टल गया। देररात 1 बजे अज्ञात वाहन ने सर्विस लेन के विद्युत पोल में टक्कर मार दी। इससे पोल केबल समेत टूटकर ब्रिज पर गिर गया। रात होने से बड़ा टल गया।

पोल और केबल बीच पुल पर पड़े होने से मंगलवार दिन भर यातायात बाधित रहा और भीषण जाम लगा रहा। साथ ही कब्बाखेड़ा सब स्टेशन से जुड़ी केवटा तालाब व कचहरी समेत 250 बिजली कनेक्शन धारकों की आपूर्ति ठप हो गई। जिससे लोगों को पेयजल संकट व अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसकी सूचना पर विद्युत विभाग ने आपूर्ति बंद की। सुबह जेई मुकेश भारती ने मौके का जायजा लिया। जाम बढ़ने पर यातायात प्रभारी ने दोनों ओर कर्मी लगाकर भारी वाहनों की आवाजाही रोकी। कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर साढ़े 3 बजे पोल हटाया गया। इसके बाद यातायात सामान्य हो सका। एसडीओ सुशील कुमार ने बताया कि पोल लगा दिया गया है। रात तक पूरी तरह से आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

पराली जलाने पर हो सकता है जुर्माना

उन्नाव, अमृत विचार। फसल अवशेष को खेतों में जलाना दंडनीय अपराध है। अवशेष जलाने से हो रहे प्रदूषण की रोकथाम के चलते जिला, स्तर व विकासखंड स्तर पर सेल का गठन करते हुये हर दिन इसका अनुश्रवण किया जा रहा है। खरीफ की फसलें धान, मक्का, गन्ना आदि फसलों के अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। जिसमें पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना लगाना, एफआईआर दर्ज करना व उन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित करना शामिल है।

जानकारी देते हुए उपनिदेशक कृषि रविचंद्र प्रकाश ने कहा कि सेटेलाइट द्वारा पराली जलाने की प्रत्येक घटनाओं की निगरानी की जा रही है। पराली जलाने की घटना मिलने पर संबंधित को दंडित करने के संबंध में राजस्व विभाग के शासनादेश के तहत कार्रवाई की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय व राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशानुसार पराली जलाने पर जुर्माना राशि को दोगुना कर दिया है। जो छोटे से लेकर बड़े किसानों तक के लिए लागू है। पराली जलाने पर जुर्माना दो एकड़ से कम जमीन वाले किसान पर 5 हजार, 2 से 5 एकड़ जमीन वाले किसान पर 10 हजार व 5 एकड़ से अधिक जमीन वाले किसान पर 30 हजार निर्धारित किया गया है। किसानों से कहा गया कि पराली न जलाएं इसके बजाय उसे खेतों में मिलाकर खाद बनाएं या उसे नजदीकी गोशालाओं में दान कर दें। जिससे पर्यावरण, मृदा स्वास्थ्य व मानव स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव न पड़े।

पुरानी खुन्नस में मारपीट के बाद हुई फायरिंग, कई घायल

सफीपुर। सफीपुर के मंगल बाजार में पुरानी खुन्नस के चलते दो पक्ष आमने - सामने आ गए। इसमें मारपीट के बाद हुई फायरिंग में करीब 6 लोग घायल हुए है।

कस्बा के मंगल बाजार मोहल्ला निवासी रामआसरे व दर्शन पड़ोसी है। दोनों के परिवारों में पुरानी खुन्नस चल रही है।।मंगलवार को किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई जो देखत - देखते मारपीट में बदल गयी। दोनों पक्षों में पहले लाठी डंडे चले। उसके बस अवैध असलहों से हुई गोलीबारी से कई लोगों के घायल होने को सूचना पर पुलिस पहुंची। जो घायल दर्शन (25) पुत्र सुखराम,रामआसरे (36)पुत्र मुल्ला,अमरेश (30) पुत्र नन्हे लाल व ओम प्रकाश (23) पुत्र नन्हा को सीएचसी लाई। कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी ने बताया कि जांच की जा रही है।

पर्व को लेकर घाटों पर सफाई शुरू

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगा का जलस्तर हाल ही में खतरे के निशान से ऊपर जाने के बाद घटने पर नगर के अधिकतर घाट ऊबड़-खाबड़ हो गए हैं। नमामि गंगे घाट की सीढ़ियों पर बालू जमा होने और गाद भरने से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। इसी को देखते हुए मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे ने घाटों का निरीक्षण किया और तत्काल सफाई कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।

दीपावली और छठ को ध्यान में रखते हुए पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे के निर्देश पर प्रतिनिधि के साथ पालिका कर्मी ने सभी प्रमुख घाटों आनंद घाट, नमामि गंगे घाट के अलावा अन्य तटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटों की सफाई, बालू हटाने, समतलीकरण और एंटी-लार्वा छिड़काव के निर्देश दिए गए। छठ पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आनंद घाट पर जेसीबी की मदद से अस्थायी वैकल्पिक मार्ग तैयार कराया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु आसानी से गंगा की मुख्य धारा तक पहुंच सकें। पालिका टीम ने मौके पर सफाई कर्मियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

घाट की सीढ़ियों की साफ सफाई कराते पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि। अमृत विचार

गरेरेपुरवा में 12वां विशाल जवाबी कीर्तन कल

शुक्लागंज। गरेरेपुरवा में बाबा नर्मदेश्वर सेवा समिति के तत्वावधान में 16 अक्टूबर को 12वां विशाल जवाबी कीर्तन आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में देशभर के प्रसिद्ध भजन कलाकार हिस्सा लेंगे। कीर्तन के मुख्य कलाकारों में रणजीत राज (प्रयागराज), मधुप श्रीवास्तव (रायबरेली) और दुर्गेश नंदिनी (महोबा) शामिल हैं, जो अपने भक्ति गायन से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। समिति अध्यक्ष रघुबीर यादव, बी.एल. यादव, संदीप यादव, विजय पाल राजपूत और कमलेश राजपूत ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और श्रद्धालुओं के बैठने व प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है।

त्योहार को लेकर चला सघन चेकिंग अभियान

शुक्लागंज। त्योहारों के मद्देनजर गंगाघाट पुलिस पूरी तरह सतर्क दिखाई दी। अवैध पटाखों की रोकथाम के लिए मंगलवार को पुलिस ने बालूघाट मोड़ के पास सघन चेकिंग अभियान चलाया। दोपहर से लेकर देर शाम तक चले अभियान में पुलिस टीम ने कानपुर की ओर से आने वाले चारपहिया वाहनों को रोककर उनकी तलाशी ली। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में की गई जांच के दौरान किसी भी वाहन में विस्फोटक सामग्री या अवैध पटाखे नहीं मिले। पुलिस ने सुरक्षा को देखते हुए सभी संदिग्ध वाहनों की बारीकी से जांच की। इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि दीपावली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवैध पटाखों के परिवहन या भंडारण में पकड़े जाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नए गंगापुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू

शुक्लागंज। शुक्लागंज में गंगा नदी पर पुराने पुल के समानांतर बनाए जाने वाले नए पुल के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो गई है। मंगलवार को कार्यदायी संस्था केकेआर गावर कंस्ट्रक्शन कंपनी के इंजीनियर ने शुक्लागंज की ओर से निर्माण स्थल पर पहुंचकर प्रारंभिक कार्य शुरू किया। टीम ने पुल निर्माण के लिए निर्धारित स्थलों का मृदा परीक्षण कराने हेतु चिन्हांकन कार्य कराया।

नया पुल पुराने पुल से लगभग 50 मीटर दूरी पर बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर लगभग 235 करोड़ रुपये की लागत आएगी। शासन द्वारा प्रारंभिक कार्य के लिए 82 करोड़ 33 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। मंगलवार को कार्यदायी संस्था के इंजीनियर देवेन्द्र सिंह चौहान और सर्वेयर विपिन कुमार की देखरेख में टोटल स्टेशन मशीन के माध्यम से सर्वे का कार्य किया गया। सर्वे के दौरान गंगा नदी के किनारे दो स्थानों पर चिन्हांकन किया गया है।

देश की पहली डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स सेवा का उद्घाटन

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मौजूद रेल अधिकारी व अन्य। अमृत विचार

बिछिया, उन्नाव, अमृत विचार। केंद्रीय रेल सूचना एवं प्रसारण इलेक्ट्रॉनिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोनिक रेलवे स्टेशन स्थित गुड्स शेड लखनऊ मंडल पर देश की पहली डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स सेवा का शुभारंभ किया।

रेल अफसरों ने बताया कि भारतीय रेल द्वारा लॉजिस्टिक्स सेवाओं के आधुनिकीकरण व ग्राहक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। केंद्रीय रेल मंत्री सूचना एवं प्रसारण इलेक्ट्रॉनिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोनिक गुड्स शेड लखनऊ मंडल पर देश की पहली डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स सेवा का शुभारंभ किया है। यह सेवा कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित होगी। बताया कि यह परियोजना अभी दो वर्षों के लिए स्वीकृत की गई है।

मेटा के अलर्ट से पुलिस ने बचाई युवक की जान

उन्नाव। इंस्टाग्राम में आत्महत्या करने का वीडियो डालने पर मेटा ने पुलिस मुख्यालय को संदेश भेजा। नंबर के आधार पर लोकेशन ट्रेस होने पर डीजीपी मुख्यालय से इसकी सूचना उन्नाव पुलिस को दी गई। लोकेशन जिले के बिहार थानाक्षेत्र की थी। इस पर पुलिस लोकेशन ट्रैस कर युवक के घर पहुंची। परिजनों को पूरी बात बता बिहार पुलिस कमरे में पहुंची तो युवक फंदे से लटकने ही वाला था। छत नीची होने से वह लटक नहीं पाया था। उसे नीचे उतारकर उसकी काउंसिलिंग की गई तो युवक ने बताया कि वह एक युवती से प्रेम करता है। लेकिन युवती ने उससे बात करना बंद कर दिया था। इसी तनाव में उसने पोस्ट कर आत्महत्या करने की योजना बनाई थी। सीओ मधुनाथ मिश्रा ने बताया कि बिहार थानाक्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी संदीप पुत्र भोलू ने आत्महत्या करने का प्रयास करने वीडियो पोस्ट किया था। 16 मिनट में पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस कर युवक को बचा लिया।

श्रीकृष्ण महोत्सव में सीता स्वयंवर का हुआ मंचन

श्री कृष्ण महोत्सव के दौरान लीला का मंचन करते पात्र। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। शंकरपुर के सन्नी गांव में चल रहे 19वें श्रीकृष्ण लीला महोत्सव में मंगलवार की रात सीता स्वयंवर और धनुष भंग की लीला का मनमोहक मंचन किया गया। श्री बृज रास बिलास लीला संस्थान के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इस मंचन ने दर्शकों को रामायण काल की याद दिला दी।

लीला के दौरान जनकपुर में राम द्वारा भगवान शिव के धनुष को भंग करने और सीता के स्वयंवर का दृश्य जब मंच पर जीवंत हुआ तो पूरा पंडाल जयश्रीराम के नारों से गूंज उठा। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर रामायण की कई आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिन्हें देखकर लोग भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक भावना और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों का प्रचार करना है।

कैलाशनाथ मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

शुक्लागंज। कंचनगर स्थित कैलाशनाथ बाबा मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने पर मंगलवार को धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ और भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कार्यक्रम में बबलू पांडेय, ब्रजमोहन, राजेश गुप्ता गोल्डी, मोहित तिवारी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भाजपा नेता के साथ मारपीट, मामला दर्ज

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के श्रीनगर निवासी भाजपा नेता शुभम तिवारी के साथ राजमार्ग पर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि 12 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 11 बजे उन्नाव से घर लौटते समय शुक्लागंज अंबिकापुरम के पास भातूफार्म निवासी पीयूष तिवारी ने उनकी गाड़ी रोककर गाली-गलौज की और विरोध करने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और संपत्ति नुकसान की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

खतरे में नौनिहाल | सोमवार को लालकुंआ-ऊंचगांव मार्ग पर पल्टी थी बच्चों से भरी वैन

बेमानक स्कूली वाहनों पर अफसरों की मूक सहमति

शुभम निगम, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में इन दिनों स्कूली बच्चों की सुरक्षा खतरे में हैं। स्कूल प्रबंधन निजी व मानक विहीन वाहनों में नौनिहालों को बैठाकर आवागमन कराने से उनकी जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसे लेकर शिक्षा विभाग के अफसर, एआरटीओ व विद्यालय प्रबंधन सब आंखे मूंदे हैं।

अधिकारियों की इसी घोर अनदेखी का नतीजा बीते सोमवार बारासगवर थानाक्षेत्र में उस समय सामने आया था जब लालकुंआ-ऊंचगांव मार्ग पर बच्चों से भरी एक वैन पेड़ से टकराकर पलट गई थी। इसमें तीन बच्चों की हालत गंभीर है। एआरटीओ रेकॉर्ड में दर्ज करीब 400 वाहनों के मुकाबले जिले में हज़ारों मानक विहीन वैन, ऑटो और ई-रिक्शा क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर दौड़ा रहे हैं। जुलाई में चालान की खानापूर्ति के बाद इन वाहनों को दोबारा संचालन की खुली छूट दे दी गई। मार्ग पर तैनात जिम्मेदार भी ऐसे वाहनों को अनदेखा कर आगे जाने देते हैं। बच्चों की सुरक्षा के प्रति अधिकारियों की यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसे लेकर यातायात प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि मानक विहीन स्कूली वाहनों के विरुद्ध एआरटीओ अफसरों के साथ मिलकर अभियान चलाया जाएगा। साथ ही ऐसे वाहन स्वामियों व चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निजी वैन में क्षमता से अधिक भरे गए स्कूली बच्चे। अमृत विचार

कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर, जनपद-उन्नाव।

पत्रांक :-10-135 /नि0सू0/न0पं0स0/2025-26 दिनांक- 14 अक्टूबर, 2025

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 (15 नवम्बर 2025 से 14 नवम्बर, 2026 तक) के लिये ठेका टेम्पो-टैक्सी स्टैण्ड उठाये जाने हेतु ई-निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित की जाती है। विवरण निम्नवत् है :-

क्र0	नाम ठेका	अनुमानित धनराशि	जमानत धनराशि @10%	निविदा शुल्क +GST@18%	समयावधि
1	2	3	4	5	6
1	नगर पंचायत सफीपुर सीमान्तर्गत ठेका टेम्पो-टैक्सी स्टैण्ड (स्थल का नाम-कोतवाली के बगल में समस्त मार्गों के लिए)	17,42,609.00	1,74,261.00	2,006.00	15 नवम्बर 2025 से 14 नवम्बर, 2026 तक

:- निविदा अपलोड एवं तकनीकी, वित्तीय बिड खोलने का विवरण निम्नवत् है:-

(a)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि	15.10.2025
(b)	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	15.10.2025 प्रातः 11:00 बजे
(c)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अंतिम तिथि व समय	05.11.2025 प्रातः 10:00 बजे तक
(d)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	05.11.2025 प्रातः 11:00 बजे
(e)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	तकनीकी निविदा खोलने के उपरान्त
(f)	ई-निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर-उन्नाव।

नोट:-निविदा से सम्बंधित विस्तृत नियम व शर्ते वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सफीपुर,
जनपद-उन्नाव।

अध्यक्ष
नगर पंचायत सफीपुर,
जनपद-उन्नाव।

अमृत विचार

बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

सपने वह नहीं होते, जो हम सोते में देखते हैं। सपने वह होते हैं जो हमें सोने नहीं देते।

–एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

इस नोबेल से सबक

इस वर्ष का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जिन प्रख्यात अर्थशास्त्रियों को दिया गया है, उनके शोध ने यह स्पष्ट किया है कि इनोवेशन अथवा नवाचार तथा क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं की जीवनरेखा हैं। ये सिद्धांत बताते हैं कि आर्थिक विकास केवल पूंजी या श्रम के विस्तार से नहीं, बल्कि नए विचारों, तकनीकी नवाचारों और उद्यमशीलता से संचालित होता है। 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' की अवधारणा नई नहीं है। जोसेफ शुंपीटर इसे पहले ही स्थापित कर चुके हैं, लेकिन तीनों अर्थशास्त्रियों ने आधुनिक संदर्भ में शोध के द्वारा इस अवधारणा को वैज्ञानिक एवं तार्किक आधार दिया। किएटिव डिस्ट्रक्शन या रचनात्मक विनाश का मतलब है, विकास की प्रक्रिया में जो नई तकनीक, नए उत्पाद और नए व्यापार मॉडल रचे जाते हैं, वे पुरानी तकनीक, उत्पाद और व्यापार प्रारूप का विनाश करते है, उन्हें विस्थापित करते हैं, लेकिन साथ ही वे नई संभावनाओं का निर्माण भी करते हैं। बेशक, प्रक्रिया में पुरानी नौकरियां और उद्योग नष्ट होते हैं, लेकिन यही विनाश सृजन का मार्ग खोलता है।

आज तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में यह सिद्धांत बहुत प्रासंगिक है। आफिशियल इंटेलिजेंस, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और डिजिटल वित्त इत्यादि नई तकनीक पुराने औद्योगिक ढांचे को बदल रही हैं, जिससे पारंपरिक नौकरियां जा रही हैं, पर इससे नए रोजगार, नए कौशल और नए उद्योग भी जन्मते हैं। वाकई औद्योगिक क्रांति और बाद के तकनीकी युग में ज्ञान के प्रसार और नवाचार ने उत्पादकता को कई गुना बढ़ा दिया है। साफ है कि समाज में ज्ञान संस्कृति यानी प्रयोग, अनुसंधान की प्रवृत्ति ही दीर्घकालिक विकास की कुंजी है। जब नवाचार की प्रतिस्पर्धा सतत आर्थिक विकास को गति देती है तब सरकारी नीतियां नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं, जैसे शिक्षा, अनुसंधान निवेश, स्टार्टअप संस्कृति या खुला बाजार। इससे अर्थव्यवस्था अपने आप में ही सुधार करने लग जाती है।

भारत जैसे विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए इस शोध में कई नीतिगत सबक छिपे हैं। सबसे पहला, नवाचार को सिर्फ वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे व्यवसाय, कृषि, शिक्षा और शासन की प्रत्येक परत में समाहित किया जाना चाहिए। दूसरा, सरकार को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो उद्यमिता को बढ़ावा दें- जैसे कर प्रोत्साहन, सरल नियम और असफलता को दंडित करने के बजाय सीखने का अवसर मानना। भारत में स्टार्टअप क्रांति, डिजिटल इंडिया और उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन जैसी योजनाएं इसी दिशा की शुरुआत हैं, पर इन्हें ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर रूपांतरित करने की जरूरत है। तकनीकी बदलावों से विस्थापित श्रमिकों के पुनः कौशल-प्रशिक्षण की नीति भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि 'विनाश' का पक्ष 'सृजन' में सहज रूप से बदल सके। असल में विकास का अर्थ केवल बढ़ते आंकड़ों में नहीं, बल्कि नए विचारों की गति और उसे अपनाने में छिपा है। भारत को यदि तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे नवाचार को नीति और संस्कृति, दोनों का मजबूत केंद्र बनाना होगा। देश के लिए 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' यही सबक समीचीन होगा।

प्रसंगवश

कलाम ने कहा, चेक भुनाएं वरना वापस लें सामान

आज 15 अक्टूबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे कलाम की जयंती है। वह ऐसे व्यक्ति थे, जो जहां भी रहे, वहां अपनी अमिट छाप छोड़ी। पहले उनसे जुड़े एक किस्से की बात करते हैं- एक बार डॉ. कलाम तमिलनाडु के एक कार्यक्रम में पहुंचे। वह एक कंपनी का प्रोग्राम था। कंपनी ग्राइंडर मशीन बनाया करती थी। उन्होंने औपचारिकतावश अपने सामान का डेमो कलाम साहब को दिखाया। डॉ. कलाम को एक ग्राइंडर पसंद आ गया। उन्होंने उसे खरीदने की इच्छा जाहिर की। कंपनी ने तुरंत ही एक शानदार ग्राइंडर पैक करा कर उन्हें गिफ्ट दे दिया। उन्होंने कहा कि वह इसे मुफ्त में नहीं लेना चाहते, बल्कि इसे खरीदना चाहते हैं। कलाम साहब गिफ्ट में ग्राइंडर लेने के लिए किसी भी हाल में राजी नहीं हुए। डॉ. कलाम ने कंपनी को ग्राइंडर की कीमत 4850 रुपये का चेक दे दिया।

डॉ. नंद किशोर साह

लखनऊ

कंपनी ने इसे अपना सौभाग्य मानते हुए उस चेक को शानदार फ्रेम में करा कर अपने ऑफिस में लगवा लिया। उन्होंने सोचा होगा कि ऐसा शायद ही कोई होगा, जिसके पास कलाम साहब का चेक होगा। यह उनके लिए एक कीमती तोहफा था। दो महीने गुजरने के बाद भी जब चेक जमा नहीं हुआ तो एक दिन कलाम साहब के ऑफिस से कंपनी के पास फोन आया और इन्क्वायरी की गई कि अब तक चेक क्यों जमा नहीं किया गया है। कंपनी ने सच-सच सारी बात बता दी। कलाम साहब की तरफ से कंपनी से कहा गया कि या तो वह चेक को कैश कराएं या फिर अपना ग्राइंडर वापस मंगा लें।

अबुल पकीर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम, जिन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से जाना जाता है, भारत के एक महान वैज्ञानिक, राजनेता और देश के पूर्व राष्ट्रपति थे। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनके पिता जैनुलआब्दीन एक साधारण स्कूल शिक्षक थे और उनकी माता आशियम्मा एक गृहिणी थीं। कलाम के परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत की। कलाम ने अपनी स्कूली शिक्षा रामेश्वरम से पूरी की और बाद में तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज में पढ़ाई की। डॉ. कलाम का सपना भारतीय वायु सेना में लड़ाकू पायलट बनने का था, लेकिन दुर्भाग्यवश यह सपना पूरा नहीं हो सका। उन्होंने प्रवेश परीक्षा में नौवां स्थान प्राप्त किया था, जबकि भारतीय वायु सेना ने केवल शीर्ष 8 उम्मीदवारों का चयन किया था। कलाम ने हार नहीं मानी और अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की।

डॉ. कलाम ने करियर की शुरुआत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में एक वैज्ञानिक के रूप में की। उन्होंने भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में, उन्होंने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में काम किया और भारत के मिसाइल कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम को भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भारत ने 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। 2002 में, कलाम साहब को भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। उन्होंने छात्रों और युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. कलाम एक अच्छे लेखक और वक्ता थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं, जिनमें 'विंग्स ऑफ फायर' और 'इग्नाइटेड माइंड्स' प्रमुख हैं।

भू-राजनीति: बदल रहे हैं दोस्त और दुश्मन के रिश्ते

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ज्योपॉलिटिक्स तेजी से बदल रही है। दोस्त और दुश्मन के रिश्ते भी बदल रहे हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाएं आमने-सामने हैं तो बगराम एयरबेस के मुद्दे पर भारत-पाक साथ हैं।

तहरीके तालिबान पाकिस्तान के बहाने पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एयर स्ट्राइक कर युद्ध का एक नया मोर्चा खोल लिया। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक के जवाब में अफगानी सैनिकों द्वारा किए गए हमले में पाकिस्तान के चार दर्जन से अधिक सैनिकों की मौत हुई और सात सैनिक बंधक बना लिए गए। अफगानी सैनिकों ने कई पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियों पर कब्जा कर लिया। कतर के दबाव में फिलहाल दोनों तरफ से बंदूकें तो थम गई हैं, लेकिन जो हालात हैं, उससे नहीं लगता कि यह शांति स्थायी है। कभी भी किसी भी समय दोनों तरफ से हमले हो सकते हैं। इस संघर्ष के बाद हर किसी की निगाह सऊदी अरब पर है, क्योंकि हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच सुरक्षा समझौता हुआ है, जिसके तहत एक देश पर हमला दोनों देशों पर माना जाएगा। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान की सुरक्षा के लिए सऊदी अरब तालिबान से मोर्चा लेगा। वैसे सऊदी की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बगराम एयरबेस के बहाने अफगानिस्तान में फिर से जड़ें जमाने की कोशिश में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान ने हाल ही में बड़ा झटका दिया था। भारत, रूस, चीन तो पहले से ही नहीं चाहते कि अमेरिका पुनः अफगानिस्तान में अपने कदम रखे, लेकिन पाकिस्तान ने भी इन देशों के सुर में सुर मिलाकर अमेरिका को सकते में डाल दिया था। अब अफगानिस्तान से पाकिस्तान की ठन गई है, तो अमेरिका ने भी चुप्पी साध ली है। बगराम के मुद्दे पर अमेरिका के विरोध में पाकिस्तान के कदम को रूस से रिश्ते को प्रगाढ़ करने और चीन को खुश करने के लिए लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। अमेरिका के साथ उसकी बढ़ती दोस्ती से चीन खफा है।

मंगलवार को अफगानिस्तान पर मॉस्को फॉर्मेट के बाद जारी बयान में अमेरिका का नाम लिए बिना ही भारत समेत 10 प्रभावशाली देशों ने अफगानिस्तान और अन्य पड़ोसी देशों में किसी दूसरे देश के सैन्य ढांचे को अस्वीकार कर दिया। इस फार्मेट पर भारत के साथ ही पाकिस्तान ने भी हमला किया है। पाकिस्तान के इस कदम से अमेरिका को बड़ा झटका लगा है। अगर बगराम एयरबेस पर अमेरिका कदम रखता है, तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान रूस, चीन और ईरान को होगा। वह यहां से जहां चीन के परमाणु ठिकानों पर निगाह रख सकेगा, वहीं आसानी से ईरान पर हमला भी कर सकेगा।

अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर दो दशक से अधिक समय तक अमेरिका का नियंत्रण रहा है। अगस्त 2021 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी हुई थी। इस दौरान अमेरिका ने इस एयरबेस को लावारिस छोड़ दिया था। खरबों रुपये के अत्याधुनिक हथियार, लड़ाकू विमान, तोप आदि अमेरिकी सैनिक यहीं छोड़ गए थे। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि यह एयरबेस अमेरिका के नियंत्रण में आ जाए। इसके लिए वे लगातार अलग-अलग मंचों पर अपनी इच्छा जाहिर कर चुके हैं, हालांकि अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने इसका विरोध किया है।

बगराम से महज दो हजार किलोमीटर दूरी पर संवेदनशील चीनी परमाणु केंद्र है। यह केंद्र लोप नूर के पास है। कोको नूर परमाणु केंद्र भी इसके काफी नजदीक है। अमेरिका इन केंद्रों पर बारीकी से नजर रखना चाहता है। चीन और तालिबान की नजदीकी किसी से छिपी नहीं है। अफगानिस्तान में लिथियम, तांबा, लोहा, सोना और यूरेनियम जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में हैं। चीन प्रशासन तालिबान के साथ मिलकर इसका दोहन करना चाहता है, इसीलिए चीन ने काबुल के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास शुरू किया है। अमेरिका यहां से रूस के मध्य एशियाई इलाकों तक सैन्य नजर रख सकता है। उत्तर में ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान, पश्चिम में ईरान, दक्षिण में पाकिस्तान और पूर्व में चीन है। पर वह बगराम से आसानी से निगरानी कर सकता है। रूस से भी अमेरिका का तनाव चल रहा है। राजधानी मास्को में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में 10 देशों ने अमेरिका के इस कदम का विरोध किया है।

खास बात यह रही कि ऑपरेशन सिंदूर में करारी हार के बाद बार-बार हमले की गीदड़ भभकी देने वाला पाकिस्तान, भारत के साथ इस मुद्दे पर खड़ा नजर आया। पाकिस्तान लगातार अमेरिका से व्यापारिक और रक्षा सौदे करने में जुटा है। इससे चीन नाराज है। मॉस्को में आयोजित सातवें 'मॉस्को फॉर्मेट' सम्मेलन में भारत ने बगराम एयरबेस का नाम नहीं लिया पर कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता और स्थिरता सबसे पहले है। खास बात यह रही कि इस बैठक में तालिबान की तरफ से विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी भी शामिल हुए। भारत का अफगानिस्तान के समर्थन में खड़ा होना दोनों देशों के रिश्तों के लिए शुभ संकेत है। आमिर खान मुत्ताकी ने भारत के विरुद्ध किसी भी देश को अफगानिस्तान की धरती का उपयोग न होने का भरोसा दिया है, तो भारत ने भी अपने राजनयिक संबंध को पूर्ण रूप से बहाल करते हुए काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा कर दी है।

उधर, अगर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच यह संघर्ष युद्ध में बदलता है, तो चीन के रुख पर भी हर किसी की निगाह होगी। चीन ने दोनों देशों में भारी भरकम निवेश कर रखा है। सऊदी अरब का क्या रुख होगा यह भी खाड़ी देश जानना चाहते हैं। वैसे सऊदी अरब कभी नहीं चाहेगा कि उसके तालिबान से रिश्ते खराब हों, पर सवाल यह है कि अगर वह पाकिस्तान के समर्थन में नहीं आता है, तो फिर समझौते का क्या होगा जो हाल ही में दोनों देशों ने किया है।

आमने

दुर्गापुर मेडिकल छात्रा से दुष्कर्म मामला चौंकाने वाला है। हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

–ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

सामने

ममता बनर्जी एक बार फिर झूठा बयान जारी कर रही हैं, क्योंकि घटना परिसर के अंदर नहीं, कॉलेज के बाहर हुई है। यह प्रशासन की पूर्ण विफलता है। इस सरकार में जांच में दक्षता की कमी है, जो इन बलात्कारियों को प्रोत्साहित कर रही है।

–सुकांत मजूमदार केंद्रीय मंत्री

निकोबार द्वीप परियोजना और उठते सवाल

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

'महान निकोबार द्वीप परियोजना' के तहत 75 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने जनजातियों के अस्तित्व को लेकर कुछ सवाल उठाए हैं।

'महान निकोबार द्वीप परियोजना' पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने नाराजगी जताते हुए अंग्रेजी अखबार में लेख लिखा है। उसमें उन्होंने कहा है कि शोंपेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व इस परियोजना के चलते दांव पर है। भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विषिश्ट पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश की अनुमति नहीं दे सकती। हमें न्याय के इस उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ इस विश्वासघात के विरुद्ध अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसके पहले राहुल गांधी ने भी जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को लिखे पत्र में इस परियोजना पर आपत्ति जताई थी।

दूरांचल में समुद्र तटीय क्षेत्रों में भारत विकास की दृष्टि से पीछे रहा है। उन तटीय क्षेत्रों पर भी हमने ध्यान नहीं दिया, जो आर्थिक और चीन जैसे धोखेबाज देश से चुनौती के लिए सामरिक दृष्टि से अहम हो सकते हैं। निकोबार अर्थात अंडमान-निकोबार द्वीप समूह इस नाते अछूता है। इस क्षेत्र को प्रसिद्ध सेल्यूलर जेल की वजह से जानते हैं, जो अब राष्ट्रीय स्मारक है। दूसरे, उन जनजातियों के लिए जानते हैं, जो आज भी भारत की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं। नतीजतन अपनी परंपरागत प्राकृतिक अवस्था में रहकर प्रकृति के सानिध्य में ही गुजर-बसर कर रही हैं। अब इस क्षेत्र की तस्वीर बदलने जा रही है। सिंगापुर की तर्ज पर निकोबार के तट का विकास, केंद्र सरकार बड़ी मात्रा में निवेश करके 'महान निकोबार द्वीप परियोजना' (जीएनआई) के अंतर्गत कर रही है। 75 हजार करोड़ की इस बृहद परियोजना के तहत कई परियोजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है, हालांकि परियोजना के अमल से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान भी होगा।

निकोबार द्वीप समूह 10 हजार 44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना प्रस्तावित है। यह बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा। इस बंदरगाह को समुद्री जल मार्ग की प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैसे भी यह क्षेत्र दुनिया के कई पोतांतरण बंदरगाहों की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धा दूरी पर स्थित है। बदलती जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में पूरी दुनिया यह मानकर चल रही है कि जिस देश में हवाई अड्डों और बंदरगाहों का नेटवर्क और कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी, 21वी सदी के व्यापार में वही देश अग्रणी रहेंगे। ऐसे में इस दूरांचल में ढांचागत सुविधाएं बढ़ेंगी तो अंचल का विकास तो होगा ही, अन्य भारतीयों से समरसता भी बढ़ेगी। बड़ी नदियों से मछली पकड़कर गुजारा करने वाले भी करीब तीन करोड़ मछुआरे हैं। अंडमान-निकोबार क्षेत्र में तटवर्ती मछुआरों को इस क्षेत्र के विकास का सीधा लाभ मिलेगा। मछली और सीवीड का कारोबार बढ़ेगा, जिससे इस समुदाय की समृद्धि बढ़ेगी।

महान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का निकोबार क्षेत्र आरक्षित जैवमंडल (बायोस्फीयर) क्षेत्र में आता है। इसे 2013 में विशेष जैवमंडल का दर्जा दिया गया था। भारत में कुल 18 जैवमंडल क्षेत्र हैं, उनमें से एक निकोबार जनजातीय (आदिवासी) आरक्षित वन-भूमि की श्रेणी में है। इस समुद्री क्षेत्र में विशेष प्रजाति के लैदरबैक कछुए, खारे पानी में रहने वाले मगरमच्छ, निकोबारी केकड़े खाने वाले मकाक और प्रवासी पक्षी शामिल हैं, जिनका इस बहुआयामी विकास परियोजना से प्रभावित होना तय है। निर्माणाधीन पोतांतरण टर्मिनल, ऊर्जा संयंत्र, हवाई अड्डा और आवासीय भवन भी बनाए जा रहे हैं। उत्तरी और मध्य अंडमान के बीच सड़क सुविधा को बेहतर बनाने के लिए दो बड़े पुल निर्माणाधीन हैं और यहां के राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस सभी परियोजनाओं के लिए जो भूमियां अधिसूचित की गई हैं, उन पर खड़े 8,52,000 पेड़ों को भी काटा जाना है।

इस कारण पर्यावरणविद् यह आशंका जता रहे हैं कि इससे यहां के प्राचीन वर्षा वनों को भारी क्षति होगी। इन्हें हानि होगी तो कई दुर्लभ प्राणी व वनस्पतियों की प्रजातियां और इस भू-भाग का मानसून भी प्रभावित होगा। यही नहीं निकोबार द्वीप समूह में गिनती के रह गए जो जनजातीय समूह आदिम अवस्था में रहते हैं, उनका नैसर्गिक जीवन भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इनमें शोंपेन और निकोबारी वनवासी जनजातियां शामिल हैं। इनकी संख्या करीब 1761 है।

निकोबार में एक विशेष प्रजाति का नहीं उड़ सकने वाला पक्षी मेगापॉड का भी घर है। इनके कुल 51 घोंसले हैं, जिनमें से 30 पूरी तरह नष्ट कर दिए जाएंगे। दरअसल, यह विकास गलाथि खाड़ी और कैंपबेल खाड़ी राष्ट्रीय उद्यानों की दस किमी परिधि में होना है, जो पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, हालांकि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और अंडमान-निकोबार प्रशासन के वन एवं पर्यावरण विभाग ने दावा किया है कि परियोजना से वन और प्राणियों को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। मैंग्रोव वृक्षों के संरक्षण और दस हेक्टेयर में फैली मूंगा चट्टानों की 20,668 बस्तियों में से 16,150 बस्तियों की सुरक्षा मूल स्थान से खिसकाकर की जा रही है।

सोशल फोरम

चिड़ियों का प्रोटेस्ट

देश के एक विख्यात और वरिष्ठ पत्रकार सईद नकवी का मानना है की गाजा और इजरायल शांति समझौते की सबसे बड़ी वजह यूरोप और पूरे विश्व में (भारत को छोड़ कर) युद्ध को रोकने और शांति को स्थापित करने के लिए चले विशाल जन आंदोलन हैं। करोड़ों लोग प्रदर्शन करते सड़कों पर उतर आए थे और सरकारों को अपना अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा था।

असगर वजाहत

चर्चित साहित्यकार

लोकतंत्र में जनमत से बड़ी कोई शक्ति नहीं है, और जनमत बनाने तथा लोगों तक जानकारी पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम मीडिया/सोशल मीडिया है, लेकिन दुख की बात है कि हमारे कुछ बुद्धिजीवी सोशल मीडिया को महत्व नहीं देते।

बोलने का असर सिर्फ इंसानी समाज पर ही नहीं बल्कि जानवरों और चिड़ियों पर भी पड़ता है।

एक सच्ची घटना बताता हूं, जिस पर मैंने एक छोटी कहानी भी लिखी है।

दूसरी मंजिल पर मेरा फ्लैट था। वहां से एक पेड़ पर लगा चिड़िया का घोंसला दिखाई देता था। चिड़िया ने अंडे दिए थे।

एक दिन मैंने देखा कि एक बिल्ली पेड़ पर चढ़ रही है। निश्चित रूप से उसका इरादा चिड़िया के अंडे खाना था।

चिड़िया ने यह देख लिया और वह बिल्ली के ऊपर उड़ कर ची-ची करने लगी।

थोड़ी देर में दो-चार चिड़िया वहां और आ गईं और वह भी बिल्ली के सिर पर मंडरा कर ची-ची करने लगीं। बिल्ली उनकी परवाह के बिना पेड़ पर चढ़ती रही, लेकिन धीरे-धीरे चिड़ियों की तादाद और आवाज इतनी तेज हो गई कि बिल्ली रुक गई और नीचे उतरने लगी।

बोलिए, लिखिए और बताइए, नहीं तो आप गूंगे, बहरे और अंधे हो जाएंगे।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

'सोने के पिंजरे में कैद' राज्यपाल की पीड़ा

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कल जयपुर में एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान जो कहा, वह केवल एक बुजुर्ग नेता का आत्म संवाद मात्र नहीं है, बल्कि इससे एक राज्यपाल के रूप में तमाम तामझाम के बीच रहकर भी अकेलापन महसूस कर रहे नेता का दर्द झलकता है। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान पद से नहीं, जनता के बीच रहने वाले कार्यकर्ता के रूप में होनी चाहिए। पद आज है, कल चला जाएगा, लेकिन कार्यकर्ता की पहचान कोई नहीं मिटा सकता। मैं महामहिम बन गया तो क्या जनता से दूर हो जाऊं। कार्यकाल खत्म होते ही मैं फिर से कार्यकर्ता हो जाऊंगा। सबको लगता है कि राज्यपाल बनकर मेरे मजे हैं, लेकिन मुझे तो सोने के पिंजरे में कैद कर दिया गया है।

अमरपाल सिंह वर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

राज्यपाल कटारिया का यह कथन केवल किसी व्यक्ति की निजी व्यथा नहीं है, बल्कि यह उस पूरे दौर की आत्म स्वीकृति है, जिसने राजनीति को सेवा से सत्ता में और जन संवाद को जन प्रबंधन में बदलते हुए देखा है। इस वक्तव्य में उस व्यक्ति का दर्द है, जिसने एक शिक्षक के रूप में, स्वयंसेवक के रूप में, कार्यकर्ता, विधायक और मंत्री के रूप में, यानी जिंदगी के हर पड़ाव पर जनता से सीधा रिश्ता बनाया। उन्होंने वह दौर देखा है, जब राजनीति में प्रवेश का अर्थ पद प्राप्ति की लालसा न होकर जनसेवा का संकल्प होता था, जब नेताओं के दरवाजे बिना किसी अपॉइंटमेंट के खुले रहते थे।

जयपुर में कटारिया जब कह रहे थे कि पद आज है, कल चला जाएगा, तो वे हमें उस मूलभूत सच्चाई की याद दिला रहे थे कि सत्ता अस्थायी होती है, पर सेवा स्थायी, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि मौजूदा राजनीति इस सत्य को भुला बैठी है। अब पद ही पहचान बन गया है और जनता से रिश्ता केवल औपचारिकता का प्रतीक बनकर रह गया है। नेताओं और जनता के बीच संवाद का जो पुल कभी लोकतंत्र की जान हुआ करता था, वह अब सुरक्षा घेरे, नौकरशाही की परतों और ट्रांसफर-पोस्टिंग की फाइलों में टूट चुका है। राजनीति की भाषा में 'सेवा' का स्थान 'प्रबंधन' ने ले लिया है।

कटारिया ने भाषण के दौरान पूछा, "मैं महामहिम बन गया तो क्या जनता से दूर हो जाऊं? उनका यह सवाल केवल एक वाक्य नहीं बल्कि उस असहजता का प्रतीक है, जो हर सच्चे कार्यकर्ता के भीतर तब जन्म लेती है, जब उसे सत्ता के ऊंचे पदों पर आसीन कर दिया जाता है। पद की गरिमा और मर्यादा जरूरी है, लेकिन जब यह आम आदमी से संवाद में बाधक बन जाती है, तो लोकतंत्र की आत्मा घुटने लगती है।"

कटारिया जिस सोने के पिंजरे की बात करते हैं, वह 'सोने का पिंजरा' वास्तव में उस स्थिति का परिचायक है, जिसमें बाहरी वैभव है, लेकिन भीतर सन्नाटा पसरा है। उसमें चमक है, लेकिन प्राणवायु नहीं। मर्यादा है, पर जीवंतता का नितांत अभाव है। कटारिया की यह पीड़ा केवल व्यक्तिगत नहीं है। यह नेताओं की उस पीढ़ी की पीड़ा है, जिसने राजनीति को हमेशा सेवा समझा, धंधा नहीं बनाया। यह पीढ़ी मानती थी कि नेता जनता से ताकत लेता है, लेकिन जनता पर शक्ति नहीं दिखाता। नेताओं की यह पीढ़ी दरी बिछाने में शर्म नहीं करती थी, लेकिन लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखती थी। पर अब दौर बदल चुका है। किसी भी दल को देख लीजिए, आज उसका कार्यकर्ता व्यवस्था के किनारों पर खड़ा उपेक्षित महसूस कर रहा है, इसीलिए दलगत राजनीति भी अब जनता के बीच से नहीं, सत्ता के गलियारों से संचालित होती दिखाई देती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कला और सौंदर्य की मिसाल है ओरछा का किला

हर किले का अपना अलग रूप और सौंदर्य होता है। यह अपने अंदर सिर्फ इतिहास ही नहीं समेटे रहते हैं, बल्कि इसमें कला के भी दीदार होते हैं। इन कलाकृतियों का सौंदर्य ही अनोखा नहीं है, बल्कि इसका भी अपना इतिहास और परंपरा है। ओरछा का किला भी कुछ ऐसा ही है। अपने अंदर बहुत नायाब सौंदर्य समेटे हुए। मध्य प्रदेश के ओरछा को भगवान राम की नगरी कहा जाता है। यहां के राजा राम हैं। इसलिए राम राजा मंदिर में प्रभु को सुबह शाम गार्ड ऑफ ऑनर देने की परंपरा है। ओरछा का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रही है। आज भी यहां के किले को देखने और राजा राम के दर्शन को भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां के किले आज भी अपने गौरवशाली इतिहास की कहानी कहते हैं।

उमंग अग्रवाल
कानपुर

16 वीं शताब्दी में बसा ओरछा शहर

ओरछा शहर की स्थापना 16वीं शताब्दी में हुई थी। बुंदेला महाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने इस शहर की नींव 1501 में रखी थी। महाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने महल का निर्माण शुरू कराया था, लेकिन यह उनके जीवन काल में पूरी तरह बनकर तैयार नहीं हो पाया। उनके बेटे भारतीचंद ने राजा महल का निर्माण पूरा कराने की कोशिश की पर वे भी इसमें सफल नहीं हुए। बाद में उनके बेटे मधुकर शाह ने महल को पूर्ण निर्माण 1531 में करवाया। महल के अंदर बुंदेली चित्रकारी के अद्भुत और नायाब नमूने देखने को मिलते हैं। कमरों में रामायण से संबंधित चित्र हर किसी को आकर्षित करते हैं।

नृत्यांगना के नाम पर भी एक महल

महाराज रुद्रप्रताप सिंह के वंशज राजा इंद्रसेन ने उस समय की मशहूर नृत्यांगना राय प्रवीण के सम्मान में एक महल की स्थापना कराई थी। इस महल को राय प्रवीण महल के नाम से लोग जानते हैं। यहां उकेरी गईं नृत्य की मुद्राएं यह दर्शाती हैं कि राजा नृत्य और संगीत को कितना बढ़ावा देते थे। बताते हैं कि शहंशाह अकबर को जब पता चला, तो उन्होंने राय प्रवीण और उनके गुरु केशवदास को दिल्ली स्थित महल बुलाया। जब राय प्रवीण ने देखा कि शहंशाह अकबर को उनके प्रति आसक्ति हो रही है, तो उन्होंने सांकेतिक रूप से गीत के जरिए उन्हें बताया कि मैं किसी और की प्रिय हूं। इसलिए उनका उपयोग करना आपकी गरिमा के अनुकूल नहीं होगा। इसके बाद शहंशाह अकबर ने राय प्रवीण को पूरे सम्मान के साथ ओरछा भेज दिया था।

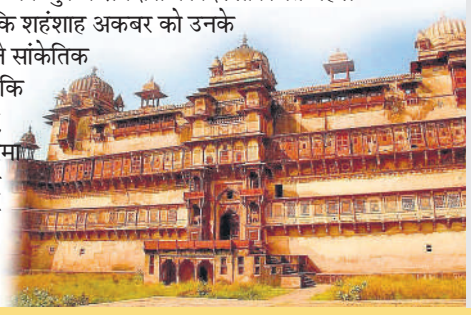

यहां जहांगीर भी एक रात ठहरे

ओरछा के किले पर मुगलों की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। 1605 से लेकर 1627 तक बीरसिंह देव यहां के राजा थे। राजा बीर सिंह देव और मुगल बादशाह जहांगीर के बीच गहरी दोस्ती थी। महाराज ने अपने दोस्त जहांगीर के लिए महल की स्थापना कराई थी। इस महल में जहांगीर भी रुके। इसकी कलाकारी और भव्यता देखते ही बनती है। बीर सिंह के बेटे जुझार सिंह और जहांगीर के बेटे शाहजहां के बीच जब मनमुटाव हुआ तो शाहजहां ने जुझार सिंह से दिखावटी रिश्ता बनाया। जुझार सिंह और उनके छोटे भाई हरदौल सिंह के बीच दरार डाल दी। जुझार सिंह ने शाहजहां के कहने पर ही अपनी पत्नी से हरदौल की हत्या करा दी थी। रानी ने खीर में जहर डालकर हरदौल को खिला दिया था। कहा जाता है कि हरदौल अपनी भाभी से बहुत प्रेम करता था, लेकिन पति के कहने पर महारानी ने अपने देवर को मौत की नींद सुला दिया।

राजा बीर सिंह ने दतिया में बनवाया महल

दतिया जिले में स्थित सतखंडा महल पहाड़ पर स्थित है। यह महल राजपूत वास्तुकला और मुगल वास्तुकला का प्रतिनिधित्व करता है। ओरछा के राजा बीर सिंह देव द्वारा स्थापति किए गए 52 महलों में से एक है। सतखंडा महल अपनी अद्भुत कला के लिए प्रसिद्ध है। इस महल में 440 कमरे हैं। 1620 में ओरछा के राजा बीर सिंह ने इस महल की स्थापना की थी। इस सात मंजिला महल के निर्माण में न तो लकड़ी और न ही लोहे का इस्तेमाल किया गया है। यह सिर्फ पत्थर और ईटों से बनाया गया है। मजबूती का प्रमाण यही है कि यह 1620 से आज तक खड़ा है और पर्यटकों को लुभा रहा है। इस सात मंजिला खूबसूरत इमारत को केवल एक रात में रुकने के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है। राजा बीर सिंहदेव को दतिया जिला उपहार में मिला था।

कहानियों के देश में रंगकर्म

हम कहानियों का देश हैं। हम हमेशा से कहानियां सुनते-सुनाते आए हैं। दादी-नानी की कहानियां, या फिर गांव की चौपाल पर बैठकर बड़े-बूढ़ों की कहानियां। कोई तमाशा आया तो हमने उसमें भी कहानी सुनी। हर बरस होने वाली रामलीलाओं में हमने राम-रावण की कहानी सुनी।

हमारे देश में बरसों से कहानियां कही और सुनी जा रही हैं। गली-मोहल्लों, चौबारों और चौपालों से होती हुई ये कहानियां मंच तक आईं। संगीत, प्रकाश, वस्त्र-परिधान, उच्च अभिनय और उत्कृष्ट निर्देशनों से जब ये कहानियां सजाई गईं तो जैसे जादू हो गया। लोगों के दिल-दिमाग पर जैसे कोई नशा तारी हो गया। कोई चमत्कार जैसे किसी को बांध लेता है, उसी तरह रंगमंच ने अपने दर्शकों, अपने चाहने वालों को बांध लिया। एक लंबी परंपरा चल पड़ी।

लव तोमर
रंगकर्मी

एक दौर में, जब सिनेमा उतना हावी नहीं था, लोगों के पास मनोरंजन के साधन के रूप में केवल रंगमंच या मंच पर प्रदर्शित होने वाली कलाएं ही थीं। तब हम वे कहानियां कह रहे थे जो लोगों की कहानियां थीं। लोग उनसे जुड़ते थे। वे अपने आपको उन नाट्य-प्रदर्शनों में खोजते थे और खोज लेने पर उनसे जुड़कर हंसते थे, रोते थे, साथ में गाते थे।

समय बदला। दर्शक और निर्देशक, एक ही तरह के काम बनाकर और देखकर ऊबने लगे। तब जरूरत महसूस हुई नए प्रयोगों की, जो समय की मांग को देखते हुए बड़े अभिनेताओं और निर्देशकों द्वारा किए भी गए। कुछ सफल हुए, कुछ असफल भी। एक संतुलन चाहिए था, जिसमें नई कहानियों या फिर पुराने नाटकों पर नए प्रयोग किए जाते, लेकिन प्रयोगों की अंधाधुंध दौड़ ने संतुलन बिगाड़ दिया। कहानियां नाटकों से इस तरह गायब हो गईं जैसे कभी थीं ही नहीं। बचे रह गए केवल खोखले प्रयोग, अवसादों से भरे अभिनय, शून्य में देर तक बिना भाव या बेहोशी से ताकते हुए अभिनेता, ऊल-जलूल आवाजें, चीख-चिल्लाहट।

वर्तमान समय में हम देखते हैं कि निर्देशकों की 'कुछ नया करने', 'कुछ अलग करने' की हवस ने कहानियों को कहीं बहुत पीछे छोड़ दिया है। प्रयोग, जो रंगमंच के लिए वरदान की तरह प्रकट हुए थे, धीरे-धीरे कब श्राप में बदल गए, यह न तो दर्शक भांप पा रहे हैं, न निर्देशक, लेकिन इनका असर दिख रहा है-नाटकों के प्रदर्शनों में दर्शकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। ऑडिटोरियमों (नाट्यगृहों) में अब आपको दर्शक के रूप में ज्यादातर या तो आलोचक दिखाई देंगे, या फिर रंगकर्मी और कुछ दर्शक। इन 'महान प्रयोगों' वाले नाटकों में यदि आपको कुछ समझ न आए, तो गलती नाटक की नहीं, आपकी है। जैसा कि हरिशंकर परसाई जी ने कहा है- "जो समझ न आए, वो और पवित्र होता है।"

अब अपने मन के अवसादों और असुरक्षाओं को निर्देशकों और अभिनेताओं ने मिलकर मंच पर परोसना शुरू कर दिया है। इस सबमें से लेखक और उसकी लिखी गई कहानी को नाटक के लिए अब न तो ज़रूरी समझा जाता है, न ही कोई उसकी बात करता है। हिंदी रंगमंच में उच्च-स्तरीय नाटकों की कमी का मुख्य कारण लेखकों की लगातार होती उपेक्षा भी है।

आधुनिक समय में, जब स्क्रीन मनोरंजन इतना अधिक बढ़ गया है, तब यह कहा जा सकता है कि रंगमंच और लाइव आर्ट्स का भविष्य उज्ज्वल है, ख़ासकर नाटकों का, क्योंकि एक समय के बाद लोगों को स्क्रीन से ऊब होगी, रोज बनते सिनेमा से ऊब होगी, रील्स और यूट्यूब वीडियो से ऊब होगी। तब मानव-मन लौटेगा वापस उस खोज में, जहां वह खोजेगा इंसान का इंसान से सीधा कलात्मक संपर्क।

तब हमें कहानियों की ज़रूरत होगी। हमें जरूरत होगी प्रयोगों के साथ फिर से कहानियां कहने की। हमें समझना होगा कि दर्शक अपने अभिनेता के साथ रोना, हंसना, प्रेम करना, किसी सुंदर कहानी का किरदार बनकर खुद को भूल जाना चाहता है। नाटक देखते हुए वह डेढ़ से दो घंटे अपनी दुनिया से परे कहीं चले जाना चाहता है। वह तैयार है आपके साथ यात्रा करने को, लेकिन क्या हम तैयार हैं? यदि उत्तर 'न' में है, तो हमें तैयारियां करनी होंगी, इससे पहले कि देर हो जाए।

रंगकर्म को लेकर देश, शहर, राज्य में यदा-कदा कुछ-न-कुछ कार्यक्रम होते रहते हैं, जिनका उद्देश्य या तो दिखावा होता है, जिससे सरकारी मदद लेकर रंगकर्म के नाम पर किया जाए, या फिर आत्म केंद्रित होकर खुद ही खुद को प्रसन्न करने का आडंबर।

समय आ गया है कि हम इस जड़ता को तोड़ें। रंगकर्म को नई ऊर्जा देने के लिए ज़्यादा से ज्यादा युवाओं को इसमें शामिल किया जाए। उन्हें बागडोर दी जाए, मौका दिया जाए, स्थान और सम्मान दिया जाए। नई पीढ़ी न केवल नई दृष्टि लेकर आती है, बल्कि वह उन प्रश्नों के स्थायी समाधान की भी संभावना रखती है, जो बरसों से रंगकर्म को घेरे हुए हैं। जैसे जीविका, संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता के प्रश्न।

भारत त्योहारों का देश है। त्योहार मतलब उल्लास। इस उल्लास में कला का बड़ा ही महत्व था। किसी भी त्योहार को ले लीजिए, उसमें आपको हर स्तर पर कला का समावेश मिलेगा। कहीं घर और जमीन पर सुंदर रंगोली और कलाकृतियां उकेरी जाती हैं तो दीपावली जैसे त्योहारों में भी दीवारों की रंगाई-पुताई कर उस पर सुंदर चित्र उकेरे जाते थे। जमीन पर रंगोली बनाई जाती थी। तमाम तरह आकार-प्रकार के दीये बनाए जाते थे। अहम यह था कि इन सारे ही कामों में सभी की सहभागिता होती थी। लोगों को रोजगार मिलता था। त्योहारों की अर्थ व्यवस्था कुछ ऐसी थी कि सभी के घर दीपावली की खुशहाली बराबर से रहती थी। दौर बदल गया है। पुराना कहकर नई जनरेशन ने परंपराओं और मान्यताओं को किनारे कर दिया है।

ऋतु चौधरी
लेखिका

आधुनिकता लील गई कला और धरोहर

कभी दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि पूरे जीवन का उत्सव हुआ करती थी। त्योहार आते ही घरों में हर्ष की लहर दौड़ जाती थी। बच्चे से लेकर बड़ों तक सब किसी न किसी तैयारी में जुट जाते थे। घरों की दीवारें, आंगन, गलियां सब अपनेपन की महक से भर उठती थीं। वह समय था जब त्योहार खरीदे नहीं जाते थे, बल्कि जीए जाते थे।

घर-आंगन की रौनक और मिट्टी की खुशबू

दीपावली से महीनों पहले ही घरों की लिपाई-पुताई शुरू हो जाती थी। दीवारें गोबर, लाल मिट्टी, गेरू और चुने से रंगी जाती थीं। महिलाएं अपने हाथों से आंगन में रंग-बिरंगे चित्र बनाती थीं। कहीं कमल खिला होता, कहीं मोर नाचता, तो कहीं पत्तियों और बेलों की लहराती सजावट होती। इन कलात्मक रचनाओं के लिए कोई प्रशिक्षण केंद्र नहीं था, न ही कोई 'आर्ट क्लास'। यह कला तो मां से बेटी और भाभी से ननद तक, स्नेह और अनुभव के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती थी। हर घर में कला थी, हर दीवार में स्नेह।

बाजार ने खत्म की कला की जीवंतता

बाजार त्योहारों पर हावी हो गए हैं। इसमें कला कब मर गई पता भी नहीं चला। बाजार ने हमारी परंपराओं को धीरे-धीरे निगल लिया। अब त्योहारों की तैयारी दुकानों और ऑनलाइन स्टोर्स पर पूरी होती है। न घर की लिपाई-पुताई के रंग हैं, न मिट्टी की खुशबू। बाजारीकरण ने उत्सवों को उत्पाद बना दिया है। दीये अब प्लास्टिक या बिजली के हो गए हैं, मिठाइयां डिब्बों में पैक होकर आती हैं। घरों में रौनक अब रोशनी की नहीं, एलईडी की चमक की हो गई है।

कुम्हारों का मौसम और दीयों की लौ

गांवों में कुम्हारिन नानी महीनों पहले से मिट्टी जमा करती थीं। उनके हाथों से गढ़े सैकड़ों दीये घर-घर की रौनक बनते थे। बाजारों और हाटों में दीयों की पंक्तियां सजी होती थीं। मिट्टी के ये दीपक न केवल घर को रोशन करते थे, बल्कि श्रम, परंपरा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी थे। दीवाली से पहले के दिन कुम्हारों, रंगसाजों और बनिया के लिए उत्सव जैसे होते थे। हर कोई किसी न किसी रूप में त्योहार का हिस्सा था। कोई दीप बनाता, कोई मिठाई, कोई सजावट।

मां अन्नपूर्णा की चतुराई और सहेजने की परंपरा

उस समय घरों में गाय-भैंसें होती थीं, दूध की कोई कमी नहीं। पर त्योहारों के खर्चे का हिसाब बड़ी चतुराई से घर की महिलाएं संभालती थीं। वे रोजमर्रा के उपयोग से थोड़ा दूध बचा लेतीं, दही और मावा तैयार करतीं और त्योहार के दिन वही स्वादिष्ट पकवान बनते। जलेबी, गुझिया, मठरी, चिरौंजी का हलवा और खुरमा। स्त्रियां केवल घर की रसोइया नहीं थीं, वे तो संस्कृति की संरक्षिका थीं। उनका हर काम परिवार के सुख और उत्सव से जुड़ा था। सच ही कहा गया है। मां अन्नपूर्णा की उपाधि यूं ही नहीं दी गई।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,029.98	25,145.50
गिरावट	297.07	81.85
प्रतिशत में	0.36	0.32

सोना 1,30,000
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,85,000
प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एलजी के शेयर 48% बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के शेयर ने मंगलवार को बाजार में शानदार शुरुआत की और 1,140 रुपये प्रति के निर्गम मूल्य के मुकाबले 48 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर 50.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,715 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में, यह 52.31 प्रतिशत उछलकर 1,736.40 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में 48.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,689.40 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर शेयर ने 50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,710.10 रुपये शुरुआत की। अंत में 48.23 प्रतिशत चढ़कर 1,689.90 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन सुबह के कारोबार में 1,14,671.81 करोड़ रुपये रहा। दिन में मात्रा के संदर्भ में बीएसई पर कंपनी के 78.56 लाख शेयर और एनएसई पर 687.94 लाख शेयर का कारोबार हुआ।

फिक्की के अगले अध्यक्ष होंगे अनंत गोयनका

नई दिल्ली। उद्योग मंडल फिक्की ने मंगलवार को आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका को 2025-26 के लिए अध्यक्ष बनाने की घोषणा की। फिक्की ने कहा कि फिलहाल संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोयनका अगले महीने के अंत में होने वाली वार्षिक आम बैठक के बाद हर्षवर्धन अग्रवाल की जगह अध्यक्ष पद संभालेंगे। आरपीजी समूह पांच अरब डॉलर का विविधीकृत समूह है। इसका कारोबार टायर, बुनियादी ढांचा, औषधि, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में फैला हुआ है। वह इसके पहले प्रमुख टायर विनिर्माता सिएट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) रह चुके हैं।

सीतारमण किसान केंद्रों का करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार से कर्नाटक के चार दिवसीय दौरे पर हैं। वह किसान प्रशिक्षण केंद्रों और कृषि प्रसंस्करण के लिए साझा सुविधा केंद्रों का उद्घाटन करेंगी। सीतारमण के कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री उन युवाओं से भी बातचीत करेंगी जो पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के तहत शामिल हुए हैं। राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाली सीतारमण चिलवाडगी गांव में मुरमुरे की एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) इकाई का भी दौरा करेंगी।

मांग बढ़ने से बढ़ा रत्न-आभूषण का निर्यात

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में निर्यात 6.5% बढ़कर 2.9 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम में मांग बढ़ने से वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात 6.55 प्रतिशत बढ़कर 2,914.29 करोड़ डॉलर (25,737.50 करोड़ रुपये) का हो गया।

जीजेईपीसी ने कहा कि सितंबर, 2024 में रत्न एवं आभूषण निर्यात 2,735.26 करोड़ डॉलर (22,925.81 करोड़ रुपये) का रहा था। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में, कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात में 3.66% की वृद्धि देखी गई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 13.60 अरब डॉलर की तुलना में 14.09 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में उद्योग में सुधार के उत्साहजनक संकेत दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में रत्न एवं आभूषण उत्पादों की मांग मजबूत हुई है और निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। प्रवासी भारतीयों के बीच आगामी त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में छुट्टियों के मौसम की मांग से आने वाली तिमाही में इस सकारात्मक गति के बने रहने की उम्मीद है। जीजेईपीसी के अनुसार, भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात के लिए एक प्रमुख गंतव्य - अमेरिका - को शुल्क संबंधी कारकों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2025 की अप्रैल-सितंबर अवधि के लिए, अमेरिका को कुल निर्यात 40.28%घटकर 277 करोड़ 6.6 लाख डॉलर रह गया, जबकि तराशे और पॉलिश किए हुए हीरों का निर्यात 53.62% घटकर 117 करोड़ 50.9 लाख डॉलर रह गया।

भंसाली ने कहा कि जीजेईपीसी सरकार के साथ निकट समन्वय में है क्योंकि अमेरिकी बाजार को आपूर्ति करने वाले निर्यातक और निर्माता मौजूदा शुल्क स्थिति के कारण काफी तनाव का सामना कर रहे हैं। हम इस क्षेत्र को स्थिर करने के लिए राहत-उन्मुख उपायों की वकालत करने के लिए सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।

मोबाइल फोन निर्यात 95% चढ़कर 1.8 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का मोबाइल फोन निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 95% चढ़कर 1.8 अरब डॉलर से अधिक हो गया। उद्योग निकाय आईसीईए ने मंगलवार को अनुमानित आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी। 'इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन' (आईसीईए) ने कहा कि अगस्त एवं सितंबर महीने उत्पादन समायोजन और मौसमी आपूर्ति चक्र के कारण पारंपरिक रूप से निर्यात के लिहाज से सुस्त माने जाते हैं। लेकिन इस बार का मजबूत प्रदर्शन देश में विकसित हुए मजबूत मोबाइल फोन विनिर्माण पारिस्थितिकी को दर्शाता है। संघ ने कहा कि अप्रैल-सितंबर के दौरान मोबाइल फोन निर्यात अनुमानित रूप से 13.5 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 8.5 अरब डॉलर था। यह 60% से अधिक की वृद्धि है। यह दर्शाता है कि भारत का मोबाइल फोन निर्माण क्षेत्र निरंतर पैमाना, दक्षता एवं विश्वसनीयता के तीन स्तंभों पर टिके हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और ब्रिटेन को भारत में निर्मित मोबाइल फोन का प्रमुख रूप से निर्यात होता है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को 9.4 अरब डॉलर का फोन निर्यात होने का अनुमान है, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.1 अरब डॉलर था। इसमें सालाना आधार पर 200% की वृद्धि दर्ज की गई। कुल फोन निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही जबकि पिछले साल यह 37 प्रतिशत थी। आईसीईए ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के मोबाइल फोन निर्यात के 35 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान जताया है।

एमईडीएफ में भुगतान के बाद जमे मांस के निर्यात की अनुमति

ठंडा और जमे हुए मांस उत्पादों के निर्यात को वाणिज्य मंत्रालय की इकाई एपीडा द्वारा प्रबंधित मांस निर्यात विकास कोष (एमईडीएफ) में भुगतान के बाद ही अनुमति दी जाएगी। यह निर्णय 29 अक्टूबर, 2025 से लागू होगा। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) देश के कृषि और संबद्ध उत्पाद निर्यात से संबंधित मुद्दों की देखता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि ठंडे और जमे हुए मांस उत्पादों के निर्यात की अनुमति, केवल एपीडा द्वारा संचालित मांस निर्यात विकास कोष (एमईडीएफ) में धन भेजने पर ही दी जाएगी। पशु उत्पादों का निर्यात भारतीय कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। पशु उत्पादों के निर्यात में भैंस का मांस, भेड़/बकरी का मांस, पॉल्ट्री उत्पाद, पशु आवरण, दूध और दुग्ध उत्पाद और शहद शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का पशु उत्पादों का निर्यात 4.5 अरब डॉलर का हुआ था।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मुद्राकोष ने बढ़ाकर किया 6.6%

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इससे पहले 6.4 प्रतिशत रहने का लगाया था अनुमान

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6% कर दिया। इससे पहले इसके 6.4% रहने का अनुमान लगाया था।

पहली तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ यह अनुमान बढ़ाया गया है, जो अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को सीमित करेगा। हालांकि, मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अपनी ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में 2026-27 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 0.2% घटाकर 6.2% कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जुलाई के विश्व आर्थिक परिदृश्य की अद्यतन रिपोर्ट की तुलना में, 2025 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया है। इसमें पहली तिमाही की मजबूत वृद्धि जुलाई से भारत से आयात पर अमेरिकी शुल्क दर में वृद्धि की भरपाई से कहीं अधिक है। इसके साथ 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम किया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून में 7.8 प्रतिशत रही, जो पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। इस महीने की शुरुआत में विश्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.3 से बढ़ाकर 6.5% किया था। साथ ही कहा था कि देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ ने जुलाई में भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को संशोधित कर 2025 और 2026 दोनों के लिए 6.4 प्रतिशत कर दिया था।

परमाणु ऊर्जा में वृद्धि को कानून में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूरेनियम उत्पादन बढ़ाने समेत कई उपायों की सिफारिश

सरकार की समिति ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विधायी संशोधनों से लेकर देश में यूरेनियम उत्पादन बढ़ाने समेत कई उपायों की सिफारिश की है। ये उपाय न केवल परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करेंगे, बल्कि ऐसी परियोजनाओं की स्थापना के लिए आवश्यक मंजूरी में तेजी लाने में भी मदद करेंगे।

विद्युत मंत्रालय ने फरवरी में '2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक समिति का गठन किया था। समिति ने 2047 तक 100 गीगावाट का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी पहलुओं पर कई दौर की चर्चा की है और लक्ष्य के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करने के साथ उन्हें कम करने के लिए आवश्यक उपायों की सिफारिश की है। देश में वर्तमान में स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 8.88 गीगावाट है।

समिति का अनुमान है कि 100 गीगावाट क्षमता प्राप्त करने के लिए 19 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 (सीएलएनडीए) में संशोधन, आवश्यक निजी पूंजी लाने और आपूर्तिकर्ताओं एवं संभावित निवेशकों की जोखिम धारणा को कम करने के लिए आवश्यक होंगे। परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 वर्तमान में परमाणु परियोजनाओं में निजी क्षेत्र और यहां तक कि राज्य सरकारों की भागीदारी की भी अनुमति नहीं देता है।

कीमतों में नरमी से थोक महंगाई घटकर 0.13 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य पदार्थों, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में नरमी के बीच सितंबर में थोक मुद्रास्फीति (महंगाई) घटकर 0.13% रह गई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी दी गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति पिछले साल अगस्त में 0.52% और सितंबर में 1.91% थी।

आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतें सितंबर में 5.22% कम हुईं जबकि अगस्त में यह आंकड़ा 3.06% था। सब्जियों की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। सब्जियों की कीमत सितंबर में 24.41% घटी जबकि अगस्त में यह 14.18% कम हुई थी। विनिर्मित उत्पादों के मामले में महंगाई अगस्त के 2.55% के मुकाबले घटकर 2.33% रह गई। ईंधन और बिजली की कीमतें सितंबर में 2.58% कम हुईं जबकि पिछले महीने इनमें 3.17% गिरावट आई थी।

वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में सामान्य रूप से कमी के कारण थोक महंगाई के लंबे समय तक कम बने रहने की उम्मीद है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट निदेशक पारस जसराय ने कहा कि सितंबर, 2025 में मुख्य मुद्रास्फीति बढ़कर 31 महीने के उच्चस्तर 1.9% पर पहुंच गई। इसकी वजह सालाना आधार पर आभूषणों की कीमतों में 34.1% की रिकॉर्ड वृद्धि रही।

पीएचडीसीसीआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि थोक कीमतों में कमी की मुख्य वजह खाद्य एवं ऊर्जा की कम लागत, मजबूत कृषि उत्पादन और वैश्विक स्तर पर जिंस की स्थिर कीमतें रहीं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) खुदरा मुद्रास्फीति पर नजर रखता है। केंद्रीय बैंक ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को 5.5% पर अपरिवर्तित रखा था। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.5% पर आ गई।

राष्ट्रीय

मंगोलिया के विकास में भारत दृढ़ साझेदार : मोदी

मंगोलिया के राष्ट्रपति उखना भारत की चार दिवसीय यात्रा पर, भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा कराएगा उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

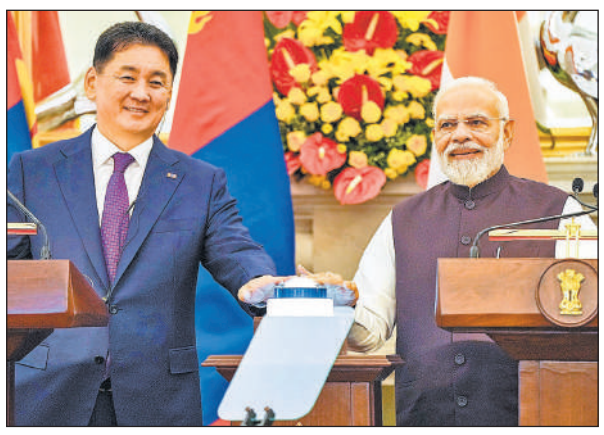

नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ व्यापक वार्ता के बाद मंगलवार को कहा कि मंगोलिया के विकास में भारत एक विश्वसनीय साझेदार रहा है और दोनों देश एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। उखना सोमवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

उखना के साथ बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता से कार्यान्वित तेल रिफाइनरी परियोजना मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह भारत की विश्व में सबसे बड़ी विकास साझेदारी परियोजना है और 2500 से भी अधिक भारतीय पेशेवर मंगोलिया के साथियों के साथ मिलकर इस परियोजना को साकार कर रहें हैं। मोदी ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घनिष्ठ साझेदार के रूप में खड़े हैं और एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। मंगोलिया के राष्ट्रपति ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका की सराहना की तथा विशेष रूप से नई दिल्ली के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का उल्लेख किया। अपने मीडिया वक्तव्य में मोदी ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच संबंध महज कूटनीतिक संबंध से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सिद्धांतों से बंधे हुए हैं, यही कारण है कि हमें आध्यात्मिक सहोदर भी कहा जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उखना के साथ हुई बातचीत में दोनों देशों के बीच इस परंपरा और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

10 लाख प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण शीघ्र

मोदी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेषों को भारत से मंगोलिया भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत 'गंदन' बौद्ध मठ में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा, ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमने 10 लाख प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण की परियोजना को भी शीघ्र ही शुरू करने का निर्णय लिया है। मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रही है।

सोनम वांगचुक को एकांत कारावास में नहीं रखा गया है : जोधपुर जेल अधीक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय को बताया कि वांगचुक को आगंतुकों से मिलने सहित सभी अधिकार प्राप्त

जोधपुर केंद्रीय कारागार अधीक्षक ने उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि रासुका के तहत हिरासत में लिये गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को एकांत कारावास में नहीं रखा गया है और उन्हें आगंतुकों से मिलने सहित वे सभी अधिकार प्राप्त हैं, जो एक कैदी को मिलते हैं।

वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। जेल अधीक्षक ने शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में कहा कि वांगचुक किसी भी पुरानी बीमारी से पीड़ित नहीं हैं और चिकित्सकीय और शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं। हलफनामे में कहा गया है कि बंदी को जनरल वार्ड में 20 गुणा 20 फुट के एक मानक बैरक में रखा गया था, जहां वह आज तक बंद हैं और फिलहाल वह इस जेल बैरक में अकेले रह रहे हैं। यह हलफनामा वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से उच्चतम न्यायालय में दायर की गई उस याचिका के जवाब में दाखिल किया गया है, जिसमें उन्होंने रासुका के तहत अपने पति की हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। जेल अधीक्षक ने बताया कि वांगचुक पूरी तरह से स्वस्थ हैं और हिरासत के बाद से हर दिन सामान्य आहार ले रहे हैं। हलफनामे में कहा गया है कि यह रेखांकित करना आवश्यक है कि राजस्थान कारागार नियमावली, 2022 के नियम 538 के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत बंदियों को मामले के तथ्यों से परिचित स्थानीय पुलिसकर्मी की उपस्थिति के बिना अपने मुलाकातियों से बातचीत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा दिये जाने और इसे छठी अनुसूची में शामिल किये जाने की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दो दिन बाद वांगचुक को 26 सितंबर को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इस हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गयी और 90 घायल हो गये थे। सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

यूपीएससी की अंतरिम उत्तर कुंजी संबंधी बदलाव को सुप्रीम मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीठ ने लाखों उम्मीदवारों को राहत देते हुए परीक्षाओं में पारदर्शिता का मार्ग किया प्रशस्त

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की नीति में बदलाव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने लाखों उम्मीदवारों को बड़ी राहत देते हुए भविष्य की परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया।

पीठ याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालयों के माध्यम से पिछली शिकायतों के समाधान की मांग करने की भी अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने उत्तर कुंजी जारी करने की संघ लोक सेवा आयोग की कथित अपारदर्शी नीति को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता और एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड प्रांजल किशोर की उनके व्यापक नोट के लिए भी सराहना की, जिसमें प्रारंभिक परीक्षा के बाद उत्तर कुंजी तुरंत जारी करने की सिफारिश की गई थी। इस सिफारिश ने यूपीएससी को हिमांशु एवं अन्य बनाम भारत संघ के मुख्य मामले में दायर अपने प्रति-हलफनामे में इस मांग को स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया। आयोग ने नया ढांचा अपनाया है जिसके तहत आपत्तियों के लिए अंतरिम कुंजियां प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद, जबकि अंतिम कुंजियां सभी स्तर के परिणामों के बाद जारी होंगी।

अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 12 नवंबर को

- अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय का रुख किए बिना वादियों द्वारा सीधे उच्च न्यायालय जाने का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह 12 नवंबर को उस मामले की सुनवाई करेगा, जिसमें अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय का रुख किए बिना वादियों द्वारा सीधे उच्च न्यायालय जाने का मुद्दा उठाया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ को बताया गया कि केरल में अग्रिम जमानत के 80 प्रतिशत मामले पहले वहां के उच्च न्यायालय में आते हैं।

आठ सितंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि यद्यपि उच्च न्यायालय और सत्र न्यायालय को गिरफ्तारी-पूर्व जमानत की याचिका पर विचार करने का समवर्ती क्षेत्राधिकार प्रदान किया गया है, लेकिन न्यायालयों के पदानुक्रम की मांग है कि इस तरह के उपाय का अनुरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए।

अडाणी को संपत्तियां बेचने के लिए सहारा की याचिका पर केंद्र और सेबी से उच्चतम न्यायालय ने मांगा जवाब

उच्चतम न्यायालय ने सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड की उस याचिका पर केंद्र, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और अन्य हितधारकों से जवाब मांगा, जिसमें कंपनी ने अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 88 प्रमुख संपत्तियां बेचने की अनुमति मांगी है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और एमएम सुंदरेश की विशेष पीठ ने सहारा समूह के धन अदायगी दायित्वों से संबंधित लंबे समय से चल रहे मामलों में सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) के अंतरिम आवेदन पर सुनवाई की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करते हुए पीठ ने आदेश दिया कि केंद्रीय वित्त और सहकारिता मंत्रालयों को वर्तमान कार्यवाही में पक्ष बनाया जाए और 17 नवंबर तक याचिका पर उनका जवाब मांगा। पीठ ने न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर नफड़े से सहारा फर्म के अदाणी समूह की कंपनी को बेची जाने वाली प्रस्तावित 88 संपत्तियों का विवरण तैयार करने को कहा।

शीर्ष अदालत ने केरल उच्च न्यायालय की उस प्रथा पर ध्यान दिया था, जिसमें वादी द्वारा सत्र न्यायालय में जाए बिना अग्रिम जमानत आवेदनों पर सीधे विचार किया जाता है। मंगलवार को पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनीं, जो इस मामले में न्यायमित्र के रूप में इसकी सहायता कर रहे हैं। मामले में पेश हुए वकीलों में से एक ने कहा कि केरल में लगभग 80 प्रतिशत अग्रिम जमानत याचिकाएं पहले उच्च न्यायालय में आती हैं। सुनवाई के दौरान लूथरा ने न्याय तक पहुंच के पहलू का उल्लेख किया। पीठ ने कहा कि अब हम हर जगह ई-फाइलिंग की ओर बढ़ रहे हैं।

ईसाई स्कूल मुस्लिम को हिजाब के साथ में अनुमति दे : केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- प्रधानाचार्य-प्रबंधन को निर्देशित किया कि वे छात्रा की मानसिक परेशानियों का भी समाधान करें

केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को कोच्चि में ईसाई संस्थान की ओर से संचालित एक निजी स्कूल को निर्देश दिया कि वह वहां पढ़ने वाली एक मुस्लिम लड़की को हिजाब पहनकर शिक्षा जारी रखने की अनुमति दे। मंत्री ने स्कूल के प्रधानाचार्य और प्रबंधन को निर्देश दिया कि वे छात्रा और उसके अभिभावकों को संस्थान में 'हिजाब' पहनने के कारण होने वाली मानसिक परेशानी का भी समाधान करें।

शिवनकुट्टी के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्हें बुधवार तक इस संबंध में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। शिवनकुट्टी ने बयान में जोर देकर कहा कि धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कायम रखने वाले केरल में किसी भी छात्रा के सामने ऐसी कठिनाई पेश नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान को संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री का यह निर्देश एर्णाकुलम के शिक्षा उपनिदेशक द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें कहा गया था कि स्कूल प्राधिकारियों की ओर से गंभीर चूक हुई है। उप निदेशक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि छात्रा को हिजाब की वजह से कक्षा में बैठने नहीं देना गंभीर कदाचार और शिक्षा के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है।

ब्रिटेन ने वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी की परीक्षा की और कठिन

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने भारत सहित दूसरे देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर बड़ी कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया।

ब्रिटेन का गृह विभाग अंग्रेजी भाषा की यह नई परीक्षा आयोजित की जाएगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का

- **बढ़ते आव्रजन पर व्यापक कार्रवाई के लिए संसद में रखा गया प्रस्ताव**

स्तर ए-लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी2 कहा जाता है। गृह विभाग का मानना है कि इससे तय होगा कि वीजा आवेदक ब्रिटेन के जीवन में घुलमिल सकेंगे। गृहमंत्री शबाना महमूद ने कहा, इस देश ने हमेशा उन लोगों का स्वागत किया है जो यहां आकर देश के विकास में योगदान देते हैं, लेकिन प्रवासियों का हमारी भाषा सीखे बिना यहां आना, हमारे राष्ट्रीय जीवन में योगदान देने में असमर्थ होना अस्वीकार्य है।

मारिया को नोबेल देने से नाराज वेनेजुएला ने नार्वे दूतावास पर ताला लगाया

नार्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास पहले ही किए बंद, देश की सरकार की नाक में दम करती रही हैं विपक्ष की नेता माचादो

कारकस, एजेंसी

देश की विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचादो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने से नाराज वेनेजुएला सरकार ने नार्वे के दूतावास पर ताला लगा दिया है। वेनेजुएला में नोबेल समिति के फैसले की ही कड़ी आलोचना का ज्वार थम नहीं रहा है। कहा जा रहा है कि माचादो देश में सत्ता पलटने के लिए विदेशी सैन्य हस्तक्षेप की मांग करती रही हैं और खुद भी तख्तापलट के प्रयासों में भागीदार रही हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने माचादो को धुर दक्षिणपंथी नेता बताते हुए कहा कि वह देश में बाहरी हस्तक्षेप की मांग करती रही हैं, जबकि लोग इसे अस्वीकार कर चुके हैं। हाल के जनमत सर्वेक्षणों से पता चला है कि 90 प्रतिशत से अधिक वेनेजुएलावासी देश के खिलाफ किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करते हैं। वेनेजुएला के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को संसाधनों के रणनीतिक पुनर्वितरण का हवाला देते हुए नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावासों को बंद करने की घोषणा कर दी थी।

सामाजिक अधिकार के लिए काम करने वाले कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने माचादो को पुरस्कार देने की घोषणा के बाद से ही इस फैसले की निंदा की और निराशा जताते हुए हुए कहा शांति के पुरस्कार को आधुनिक उपनिवेशवाद के साधन के रूप में बदल दिया गया है। डोमनिकन राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के एक गठबंधन ने संयुक्त रूप से इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा, किसी ऐसे व्यक्ति को नोबेल शांति पुरस्कार देना जिसने खुले तौर पर अमेरिकी और इजराइली सैन्य हस्तक्षेप का आह्वान किया है, उस शांतिवादी भावना का अपमान है जिसने अल्फ्रेड नोबेल को प्रेरित किया था।

देश में तख्तापलट की वकालत करती रही हैं मारिया

माचादो 2002 के तख्तापलट में भाग लेकर चर्चा में आई थीं। तब तत्कालीन राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज़ को कुछ समय के लिए सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। वह 2014 की ला सालिडा सड़क हिंसा में भी शामिल रही थीं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए थे। माचादो वेनेजुएला पर अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंधों का समर्थन करने के साथ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से वेनेजुएला में सत्ता पलटने के लिए सैन्य सहयोग भी मांग चुकी हैं।

रूबियो ने किया था नोबेल पुरस्कार के लिए समर्थन

नोबेल पुरस्कार के लिए माचादो का समर्थन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने किया था, जो वेनेजुएला के प्रति वर्तमान अमेरिकी नीतियों के कट्टर समर्थक रहे हैं। माचादो नोबेल मिलने के बाद कई बार उसे ट्रंप को समर्पित करने की घोषणा कर चुकी हैं। अमेरिका ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के नाम पर कैरेबियन सागर में वेनेजुएला क्षेत्र के किनारे बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती कर रखी है। अमेरिकी सेना ने सितंबर से अब तक कम से कम चार नावों पर बमबारी की है, जिसमें कुल मिलाकर 20 से ज्यादा नागरिक मारे गए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्पेसएक्स ने स्टारशिप रॉकेट की 11वीं परीक्षण उड़ान शुरू की

वाशिंगटन। स्पेसएक्स ने सोमवार को अपने एक और विशाल स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान पर भेजा, जो पिछली बार की तरह इस बार भी सफलतापूर्वक दुनिया के आधे हिस्से में पहुंचा और साथ ही नकली उपग्रहों को भी प्रक्षेपित किया। स्टारशिप अब तक का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है और यह टेक्सास के दक्षिणी सिरे से शाम को गर्जना के साथ उड़ा। उड़ान के बाद इससे बूस्टर अलग हो गया और यह मेक्सिको की खाड़ी में योजनाबद्ध तरीके से पहुंचा। अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। स्पेसएक्स के डैन ह्यूट ने घोषणा की 'धरती पर वापसी पर स्वागत है स्टारशिप । क्या दिन है।' यह स्टारशिप की 11वीं परीक्षण उड़ान थी।

चीन कर रहा है अपने चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण

बीजिंग। चीन चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण कर रहा है और साथ ही समुद्री परीक्षण पूरा होने के बाद 'फुजियान' नामक तीसरे विमानवाहक पोत को सेवा में शामिल करने की तैयारी में है। हांगकांग आधारित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने मंगलवार को विमानवाहक पोत के उपग्रह से लिए गए चित्र पोस्ट करते हुए कहा कि चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण कार्य लियाओनिंग प्रांत के डालियान स्थित एक शिपयार्ड में प्रगति पर है। चीनी सैन्य प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने पिछले महीने कहा था कि तीसरा विमानवाहक पोत 'फुजियान' जल्द ही नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। चीन के तीनों ही विमानवाहक पोत पारंपरिक ऊर्जा से संचालित हैं।

रूस के आर्कान्जेस्क क्षेत्र में मिला 340 कैरेट का बड़ा हीरा

मॉस्को। रूस के आर्कान्जेस्क क्षेत्र में एक भंडार से 340 कैरेट का एक उच्च गुणवत्ता वाला हीरा मिला है। गवर्नर अलेक्जेंडर त्सिबुल्स्की ने कहा कि यह हीरा आधुनिक रूस में खोजे गए पांच सबसे बड़े हीरों में से एक है और यह स्थानीय वी. ग्रिब भंडार के औद्योगिक विकास के दौरान मिला। यह अब तक का सबसे बड़ा हीरा है। गवर्नर के अनुसार, यह रत्न न केवल अपने असाधारण आकार के लिए, बल्कि अपनी गुणवत्ता और बाजार के दामों के लिए भी खास है। उन्होंने कहा, ऐसे सभी प्राकृतिक हीरों की तादाद दो प्रतिशत से अधिक नहीं हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी

संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन में बोले सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की अभूतपूर्व चुनौतियों से निपटने के लिए शांति स्थापना मिशनों में एकजुटता और वैश्विक दृष्टिकोण का आह्वान किया। जनरल द्विवेदी ने मंगलवार को यहां संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है जहां 56 से अधिक संघर्ष चल रहे हैं और इनमें लगभग 90 देश शामिल हैं।

सेना प्रमुख ने कहा, विघटनकारी तकनीकों का प्रसार, गैरसरकारी तत्वों का बढ़ता प्रभाव, हाइब्रिड युद्ध और दुष्प्रचार के प्रकोप ने संघर्ष की पारंपरिक सीमाओं को धुंधला कर दिया है। उन्होंने कहा, बदलती भूराजनीतिक स्थिति उस आम सहमति की भावना को कमजोर कर रही हैं जो संयुक्त राष्ट्र की एकजुट कार्रवाई का आधार है। ऐसी वास्तविकताएं अधिक लचीली,

- **कहा- 56 से ज्यादा संघर्षों में उलझे हैं 90 देश, संवेदनशील मोड़ पर खड़ी है दुनिया**

त्वरित और एकीकृत प्रतिक्रियाओं की मांग करती हैं जो केवल शांति रक्षक ही मिलकर कर सकते हैं।

सेना प्रमुख ने कहा कि ये उभरते ख़तरे बदलती भूराजनीतिक स्थितियों से और भी जटिल हो गए हैं, जो पारंपरिक रूप से एकजुट संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई की नींव रखने वाली आम सहमति की भावना को लगातार कमज़ोर कर रहे हैं। वैश्विक शांति स्थापना प्रयासों के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक के रूप में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के कुल 71 शांति अभियानों में से 51 अभियानों में लगभग तीन लाख पुरुषों और महिलाओं को भेजा है। इनमें कोरिया (1950) और कांगो (1960) में हमारी शुरुआती तैनाती से लेकर अभी चल रहे 11 मिशनों में से 9 में हमारी सेना तैनात है।

यूएनटीसीसी के सम्मेलन में 32 देशों के सैन्य प्रमुखों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

सम्मेलन में शामिल है 32 देशों का शीर्ष सैन्य नेतृत्व

सम्मेलन में 32 देशों का वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व हिस्सा ले रहा है। इनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, घाना, भूटान, ब्राज़ील, बुरुंडी, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, फिजी, फ्रांस, इटली, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, मेडागास्कर, मलेशिया, मंगोलिया, मोरक्को, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, सेनेगल, तंजानिया, थाईलैंड, युगांडा, केन्या, उरुग्वे, वियतनाम शामिल हैं। सम्मेलन में साझा क्षमता निर्माण के लिए रक्षा प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही हैं।

राजनाथ ने कहा- खुलेआम वैश्विक नियमों का उल्लंघन कर रहे कुछ देश

नई दिल्ली। सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं जबकि कई अन्य देश अगली सदी में वर्चस्व स्थापित करने के लिए अपने खुद के मानदंड बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत पुरानी पड़ चुकी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है। रक्षा मंत्री ने उन देशों का नाम नहीं लिया जो वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं या अपने नए मानदंड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है।

जेलेंस्की-ट्रंप की मुलाकात से पहले रूस का यूक्रेन में अस्पताल पर हमला

कीव, एजेंसी

रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर रातभर शक्तिशाली ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला किया, जिसमें एक अस्पताल को निशाना बनाया गया। इसमें सात लोग घायल हो गए।

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की वाशिंगटन जाने तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक अमेरिकी सैन्य मदद मांगने की तैयारी कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि यूक्रेन के खारकीव पर हुए हमले में शहर का मुख्य अस्पताल प्रभावित हुआ, जिससे 50 मरीजों को निकालना पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि हमले का मुख्य लक्ष्य ऊर्जा प्रतिष्ठान थे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, हर दिन, हर रात रूस बिजली संयंत्रों, बिजली लाइनों और हमारी प्राकृतिक गैस सुविधाओं पर हमला करता है।

यूक्रेनी नेता ने विभिन्न देशों से आग्रह किया कि वे रूस के लंबी दूरी के हमलों को रोकने में मदद करें और इसके लिए वे यूक्रेन को अधिक वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराएं। जेलेंस्की ने कहा, हम अमेरिका और यूरोप, जी-7 तथा उन सभी साझेदारों की कार्रवाई पर भरोसा कर रहे हैं, जिनके पास ये प्रणालियां हैं और जो हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए इन्हें उपलब्ध करा सकते हैं। दुनिया को मॉस्को को वास्तविक वार्ता के लिए मेज पर बैठने के लिए मजबूर करना होगा। लेकिन यूक्रेन को विदेशी सैन्य सहायता के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि हाल ही में सहायता में भारी गिरावट आई है।

यूक्रेन को मिलने वाली सहायता पर नजर रखने वाले जर्मनी के कील इंस्टीट्यूट ने बताया कि जुलाई और अगस्त में सैन्य सहायता में वर्ष की पहली छमाही की तुलना में 43 प्रतिशत गिरावट आई है। जेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन में ट्रंप से मिलने वाले हैं। वार्ता के केंद्र में यूक्रेन को अमेरिका द्वारा लंबी दूरी तक मार करने वाले अत्याधुनिक अस्त्र उपलब्ध कराने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

- **खारकीव शहर पर रात भर बरसाए शक्तिशाली ग्लाइड बम, ड्रोन से किया हमला, अस्पताल से निकाले गए मरीज**

यूनाइटेड अगेंस्ट न्यूक्लियर ईरान की ओर से यूक्रेन से प्राप्त ईरानी शाहिद-136 ड्रोन को मंगलवार को लंदन की संसद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित किया गया। यह वही हथियार है जिसका इस्तेमाल रूस ने यूक्रेन के खिलाफ विनाशकारी प्रभाव के लिए किया है।

गाजा युद्धविराम पर बंधकों के शवों को लेकर अनिश्चितता का साया बरकरार

हमास ने लौटाए सिर्फ चार शव, 24 अभी भी उसी के कब्जे में

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल-हमास युद्ध में मंगलवार को भी संघर्ष विराम कायम रहा, हालांकि कई जटिल मुद्दे अनसुलझे होने के कारण इस पर अनिश्चितताओं का दौर जारी है। सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि हमास 28 बंधकों के शव इजराइल को कब लौटाएगा, साथ ही उससे रिहा किए गए बंधकों और कैदियों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी सवाल पूछे जा रहे हैं।

मृत बंधकों में से चार के शव ही सोमवार को इजराइली अधिकारियों को सौंपे गए जो युद्धविराम समझौते के पहले चरण का हिस्सा है। मंगलवार को इनमें से दो की पहचान इजराइल के गाइ इलूज और नेपाल के छात्र बिपिन जोशी के तौर पर की गई। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान दोनों को अगवा किया गया था। इजराइल ने कहा कि इलूज की मौत उपचार के बिना बंदी बनाने के दौरान हुए घावों के कारण हुई, जबकि जोशी की युद्ध के पहले महीनों में हत्या कर दी गई थी। मुक्त किए गए बंधकों का मंगलवार को इलाज किया गया। इलाज कुछ सप्ताह जारी रहने का अनुमान है।

इजराइल की कैद से रिहा किए गए फिलिस्तीनियों का गाजा में हुआ जोरदार स्वागत।

इजराइल ने सारे शव लौटाने के लिए दिया शाम तक का वक्त

यरूशलम। इजराइल ने मंगलवार को हमास की ओर से अपने सभी 28 बंधकों के शव न सौंपे जाने से गहरी निराशा जताई और आगे किसी भी प्रगति के लिए शाम तक की समयसीमा तय की है। शीर्ष इजराइली अधिकारियों ने हमास पर जानबूझकर वादे से पीछे हटने का भी आरोप लगाया है। इजराइल का मानना है कि हमास पहले से ही कुछ शवों को अपने पास रखे हुए है और संभवत: उसके अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए उन्हें सौंपने से इन्कार कर रहा है। एक मध्यस्थ देश के अरब राजनयिक ने हिब्रू मीडिया एजेंसियों को बताया कि मध्यस्थ इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं और उन्हें नहीं लगता कि गाजा समझौता खतरे में है। सोमवार को हमास ने चार बंधकों के शव सौंपे थे, 24 उसी के कब्जे में हैं।

मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट, राष्ट्रपति देश छोड़कर भागे

एंटानानारिवो, एजेंसी

हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सशस्त्र बल यहां सत्ता संभाल रहे हैं। मेडागास्कर में एक विशिष्ट सैन्य इकाई के कर्नल ने मंगलवार को यह जानकारी सार्वजनिक की।

उनकी यह घोषणा संसद द्वारा राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान के तुरंत बाद आई है। राष्ट्रपति राजोएलिना सैनिकों के

विद्रोह के कारण देश छोड़कर भाग गए हैं। कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने कहा कि सेना एक परिषद बनाएगी जिसमें सेना और अर्द्धसैनिक कानून प्रवर्तन बल के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एक नागरिक सरकार का शीघ्र गठन करने के लिए एक प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रपति राजोएलिना सात वर्षों से सत्ता पर काबिज थे जिनके कार्यकाल का अब अंत होना माना जा रहा है।

युवा कर रहे थे देश भर में सरकार विरोधी प्रदर्शन सेना की एक इकाई ने भी लिया था हिस्सा

इससे पहले एक विशिष्ट सैन्य इकाई ने सप्ताहांत में युवाओं के नेतृत्व वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भाग लिया था और उनसे पद छोड़ने का आह्वान किया था। राष्ट्रपति ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर प्रसारित एक भाषण में कहा कि उन्होंने अपनी जान के डर से देश छोड़ दिया है। तख्तापलट की कोशिशों के बीच मंगलवार को राजोइलिना ने देश की संसद के निचले सदन को भंग करने की घोषणा भी की। उनका ठिकाना बताया जा रहा है। युवा प्रदर्शनकारियों ने 25 सितंबर को पानी और बिजली की कमी के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया। कुछ प्रदर्शन हिंसक हो गए और जल्द ही राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग तक पहुंच गए। छह अक्टूबर को देश भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

बांग्लादेश में कारखाने और गोदाम में आग से 16 की मौत

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मंगलवार को कपड़े के कारखाने और रसायन के एक गोदाम में आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कपड़ा कारखाने के बगल में स्थित रसायन गोदाम में भीषण आग लग गई। बाद में कपड़ा कारखाने से 16 शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि ऐसा संदेह है कि आग रसायन गोदाम में लगी और अनवर फैशन गारमेंट्स कारखाना तथा शाह आलम रसायन गोदाम तक फैल गई।

बातचीत ठप, अमेरिका में लंबे समय तक शटडाउन रहने की आशंकाएं बढ़ीं

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी से स्पीकर माइक जॉनसन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार का 'शटडाउन' (सरकारी वित्तपोषण रुकने से कामकाज ठप होना) अब तक का सबसे लंबा 'शटडाउन' हो सकता है। जॉनसन ने कहा कि जब तक डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित अपनी मांगों को नहीं छोड़ते और इसे पुनः शुरू नहीं करते, तब तक वह उनके साथ बातचीत नहीं करेंगे।

'शटडाउन' के 13वें दिन कैपिटल में

- **स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा- अमेरिकी इतिहास में हो सकता है सबसे लंबा शटडाउन**

स्पीकर ने कहा कि उन्हें ट्रंप प्रशासन द्वारा बर्खास्त किए जा रहे हजारों संघीय कर्मचारियों के विवरण की जानकारी नहीं है। यह एक बेहद असामान्य सामूहिक छंटनी है जिसे व्यापक रूप से सरकार के दायरे को सीमित करने के लिए 'शटडाउन' का लाभ उठाने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 10.33 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

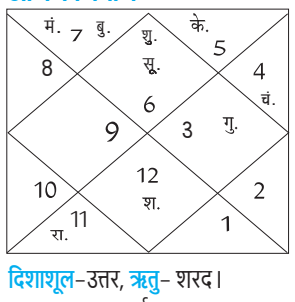

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 12.00 तक तत्पश्चात अश्लेषा।

मेष — आज आप वैचारिक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। गुप्त शत्रु आपको आपके शुभचिंतकों के प्रति भड़काने का प्रयास कर सकते हैं। अनावश्यक कार्यों में धन बर्बाद हो सकता है। माता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

वृष — आज शुभ समाचार मिलने से पूरा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। मित्रों के साथ करियर को लेकर चर्चा करेंगे। काम की अधिकता के बावजूद नौकरी में शानदार प्रदर्शन करेंगे। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा।

मिथुन — आज परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी खुश रहेंगे। व्यापार की चुनौतियों का समाधान निकाल लेंगे। आज आप धन कमाने के अलग-अलग तरीकों पर विचार कर सकते हैं। दांपत्य संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है।

कर्क — आज घर में धार्मिक आयोजन होने से आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आप अच्छे मूड में रहेंगे। सिद्धांतों के बजाय व्यवहारिक तरीके से समस्याओं का समाधान करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में आ रही परेशानियां दूर होंगी।

सिंह — आज प्रतिक्रियावादी होने के बजाय ज्यादातर शान्त रहें। घर की देखरेख को आज समय देना पसंद करेंगे। आज रोगियों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नकारात्मक लोग आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते

कन्या — आज करियर के तरक्की के बेहतरीन अवसर आपको मिल सकते हैं। काफी समय से लंबित कार्य अब शुरू होने के अच्छे योग हैं। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। आपको अच्छे कार्यों के कारण पुरस्कार मिल सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक हो सकते हैं।

तुला — आज आप शांति से अपना दिन बिताना चाहेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय बहुत ही अच्छा है। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व का भली-भांति निर्वाह करेंगे। जॉब में आपको नया काम सौंपा जा सकता है।

वृश्चिक — आज कारोबारी यात्रा के लिए जा सकते हैं। वाद-विवाद से आपको बचना चाहिए। कई दिनों बाद प्रेमीजन से मुलाकात होगी। उच्च शिक्षा में बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। मित्रों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके विचारों को समाज में प्रमुखता मिलेगी।

धनु — आज जिसका हित करने का प्रयास करेंगे हो सकता है वही आपको धोखा दे दे। भूमि-संपत्ति विवादों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। परिवार में थोड़ी अशांति रहेगी। किसी से आज बड़ा लेन-देन न करें। हृदय रोगियों को दवाइयों और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना चाहिये।

मकर — आज दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक रहेंगे। आय में वृद्धि होने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। मित्रों के साथ आनंद का समय बितायेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। भाई-बहनों की सहायता से आपको कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ — आज नए संपर्क विकसित होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं। बिना मतलब दूसरों के मामलों में न पड़ें। अपनी योजनाओं को फिलहाल अपने तक ही सीमित रखें। संतान को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मीन — आज आपकी कार्यशैली में बेहतरीन सुधार होगा। किसी पॉलिसी में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं। मन में परोपकार का हित जागृत होगा। यश और कीर्ति मिलने से आपके मन में अहंकार का भाव भी जागृत हो सकता है। वैवाहिक संबंध मधुर रहेंगे।

सुडोकू-130

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3		5				
6			4			9		
	4				3			8
9					5			
8		6			1	3		5
			2					4
5			1	3			2	
	7	1			4			9
			5	9		6		

सुडोकू - 129 का हल

3	2	5	9	6	8	1	4	7
4	8	7	2	1	3	9	5	6
9	6	1	7	4	5	8	3	2
8	5	6	3	2	9	4	7	1
2	1	4	8	7	6	3	9	5
7	3	9	4	5	1	2	6	8
6	7	2	1	9	4	5	8	3
1	9	3	5	8	7	6	2	4
5	4	8	6	3	2	7	1	9

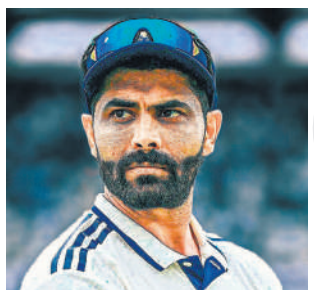

मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि पांच-छह महीनों में हम किस तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं। इसलिए एक टीम के रूप में यह अच्छा संकेत है कि हम ऐसा करने में सफल रहे हैं। जब से गंभीर ने कहा कि मुझे छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी है तब से मैं बल्लेबाज के रूप में सोच रहा हूं। -रविंद्र जडेजा

स्टेडियम

कानपुर नगर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फिडे विश्व कप: गुकेश को मिली शीर्ष वरीयता

नई दिल्ली : गोवा में 30 अक्टूबर से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे, उनके बाद हमवतन अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानानंदा का स्थान है। यह टूर्नामेंट 27 नवंबर तक चलेगा। इसमें दुनिया भर के प्रमुख सितारे भाग लेंगे और डेनमार्क के अनीश गिरि को चौथी वरीयता दी गई है। इस प्रतियोगिता में 20 लाख डॉलर की बड़ी पुरस्कार राशि होगी और इसमें दुनिया भर से 206 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। पुरस्कारों के अलावा खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में तीन स्थानों के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। गोवा में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स में सीधे प्रवेश मिलेगा। इस प्रतियोगिता में अमेरिका के वेस्ले सो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जिनके बाद क्रमशः विन्सेंट केमर, वेई यी, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, शखरियार मामेदयारोव और हंस नीमन का स्थान है।

जोश और जम्पा, भारत के साथ पहले वनडे से बाहर

पर्थ : ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंगलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा क्रमशः चोट और पारिवारिक कारणों से भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले पहले वनडे मैच में नहीं खेल पाएंगे। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला खेलेगा, जिसके बाद पांच मैचों की टी-20 शृंखला होगी। अगले दो वनडे मैच एडिलेड (23 अक्टूबर) और सिडनी (25 अक्टूबर) में होंगे। इंगलिस पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जिससे वह इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 शृंखला में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह जोश फिलिप को विकेटकीपर के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है।

आइसलैंड ने फ्रांस का विजय अभियान थामा

रेक्जाविक : फ्रांस ने आइसलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर 2026 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में स्थान सुरक्षित करने का मौका गंवा दिया। फ्रांस ने इससे पहले लगातार तीन मैच में जीत हासिल की थी। दो बार की विश्व चैंपियन टीम अगर आइसलैंड को हरा देती और यूक्रेन की टीम अज़रबैजान को हराने में नाकाम रहती, तो फ्रांस की टीम विश्व कप में जगह पक्की कर सकती थी। यूक्रेन ने 2-1 से जीत दर्ज की। विश्व कप 2022 का उपविजेता फ्रांस अभी भी ग्रुप डी में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जो यूक्रेन से तीन अंक अधिक हैं। फ्रांस की टीम कप्तान किलियन एमबाप्पे के बिना मैदान पर उतरी थी, जिन्होंने शुक्रवार को अजरबैजान के खिलाफ टीम की 3-0 की जीत में गोल किया था, लेकिन दाएं टखने में चोट के कारण वह लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे।

पैरा पावरलिफ्टिंग में मैथ्यू ने कांस्य जीता

नई दिल्ली : भारत के अनुभवी पैरा पावरलिफ्टर जोबी मैथ्यू ने मिस्र के काहिरा में आयोजित पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप के लेजेंड्स (मास्टर्स) वर्ग में कांस्य पदक जीता। मैथ्यू ने अपने पहले प्रयास में 147 किग्रा के भार उठाया लेकिन इसे अमान्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने इसके बावजूद दूसरे प्रयास में 148 किग्रा वजन आसानी से उठा लिया। मैथ्यू ने इस लय को जारी रखते हुए अपने अंतिम प्रयास में 152 किग्रा का वजन उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले उनका पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 150 किग्रा था जिसे उन्होंने दो महीने पहले बीजिंग विश्व कप में हासिल किया था। थाईलैंड के फोंगसाकोन चुमचाई ने 162 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि पेरू के नील ग्रेसिया ने 161 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गंभीर ने कहा- मौजूदा समय में रहने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप खेलने के इच्छुक हैं, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और वर्तमान में रहना जरूरी है।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा कि 50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा कि उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा, लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल शृंखला खेले। ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा। भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ियों के गुणों पर गंभीर ने कहा कि इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है। हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।

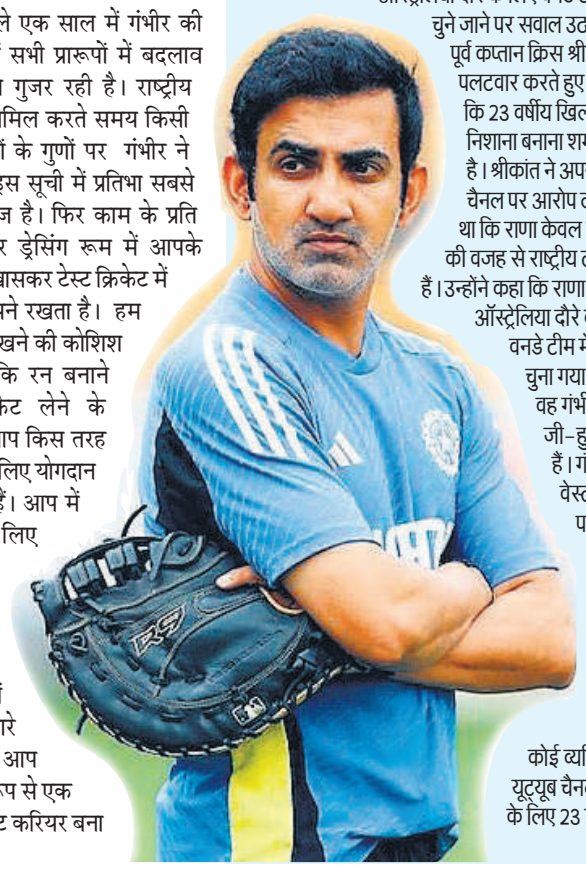

के. श्रीकांत से गंभीर बोले- 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बनाना शर्मनाक

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में चुने जाने पर सवाल उठाने वाले पूर्व कप्तान क्रिस श्रीकांत पर पलटवार करते हुए कहा कि 23 वर्षीय खिलाड़ी को निशाना बनाना शर्मनाक है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर आरोप लगाया था कि राणा केवल गंभीर की वजह से राष्ट्रीय टीम में हैं। उन्होंने कहा कि राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में इसलिए चुना गया क्योंकि वह गंभीर की जी-हुजूरी करते हैं। गंभीर ने वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट शृंखला जीत के बाद कहा कि यह शर्मनाक है कि कोई व्यक्ति अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है। अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो बनाइए। मैं इससे निबट सकता हूं, लेकिन यूट्यूब व्यूज के लिए 23 साल के युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि उनके (राणा के) पिता चयनकर्ता नहीं हैं। उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर टीम में जगह बनाई है। इन युवा लड़कों को निशाना मत बनाइए। हालांकि यह पता नहीं चल सका है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से यह निशाना श्रीकांत के बेटे अनिरुद्ध पर लगाया जा सकता है, जिन्हें एक बार ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ए टीम में चुना गया था। तब श्रीकांत चयन समिति के अध्यक्ष थे। श्रीकांत ने हाल ही में कहा था कि केवल एक सदस्य है, हर्षित राणा... कोई नहीं जानता कि वह टीम में क्यों है। सबसे अच्छा यही है कि हर्षित राणा की तरह बनें और टीम में चयन के लिए गंभीर की लगातार हां में हां मिलाते रहें। गंभीर ने कहा कि अगर राणा अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो चयन समिति उन्हें हटा देगी। राणा ने अब तक तीनों प्रारूप में 10 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 19 विकेट लिए हैं। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि लोगों को उनके प्रदर्शन के आधार पर निशाना बनाइए और चयनकर्ता इसी काम के लिए हैं। अगर आप सोशल मीडिया पर किसी 23 साल के खिलाड़ी के बारे में बुरी बातें कहेंगे, तो इससे उसकी मानसिकता पर क्या असर पड़ेगा। अगर आपका बच्चा कल क्रिकेट खेलता है, तो कल्पना कीजिए कि उसके साथ दुर्व्यवहार हो। वह 23 साल का है, 33 साल का नहीं। मेरी आलोचना करो, मैं इसे बर्दाश्त कर सकता हूं, लेकिन वह 23 साल का लड़का है, इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है। गंभीर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट के प्रति नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और आपको अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए ये चीजें नहीं करनी चाहिए। यह केवल हर्षित के मामले में ही नहीं है। भविष्य में अन्य खिलाड़ियों के साथ भी ऐसा हो सकता है। आप लोगों (मीडिया) से भी मेरा यही कहना है कि आप मुझे निशाना बनाइए, लेकिन खिलाड़ियों को नहीं।

शुभमन को कप्तान बनाकर किसी ने कोई एहसान नहीं किया, वह इसके हकदार

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने युवा कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने इंग्लैंड में कप्तान के रूप में अपनी सबसे कठिन परीक्षा पास कर ली है और किसी ने भी उन्हें टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में कप्तान नियुक्त करके कोई एहसान नहीं किया है। भारत ने गिल की कप्तानी में इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की शृंखला बराबर कराई थी जबकि अब उसने वेस्टइंडीज को दोनों मैच में हराया। गिल को अब रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के दौरे से होगी। गंभीर से जब पूछा गया कि वह मुख्य कोच के रूप में नए कप्तान को कैसे संभालते हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें अपना स्वाभाविक दृष्टिकोण बनाए रखने की इजाजत देकर। मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट या वनडे कप्तान बनाकर किसी ने उन पर कोई एहसान नहीं किया है। मुझे लगता है कि वह इसके हकदार हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत की है। कप्तान के रूप में इंग्लैंड दौरे में वह पहले ही सबसे कठिन परीक्षा पास कर चुके हैं। इंग्लैंड का दौरा काफी कठिन था क्योंकि हमारा मुकाबला विदेशी परिस्थितियों में मजबूत टीम से था। गिल ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और खिलाड़ियों के बीच सम्मान अर्जित किया। गंभीर फिलहाल वर्तमान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसे लेकर चिंतित नहीं हैं कि भारत 2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगा या नहीं।

द. अफ्रीका शृंखला से पहले रणजी खेलें खिलाड़ी

गौतम गंभीर चाहते हैं कि टेस्ट विशेषज्ञ खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में कौशल विशेष अभ्यास की जगह आगामी दक्षिण अफ्रीका शृंखला से पहले मैच अभ्यास के लिए अपने-अपने राज्यों के लिए रणजी ट्रॉफी खेलें। गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त है क्योंकि भारत की टी-20 टीम नौ नवंबर को ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेगी और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 14 नवंबर को कोलकाता में शुरू होगा। कोच ने कहा कि कभी-कभी यह मुश्किल होता है, लेकिन पेशेवरता इसी को कहते हैं। खिलाड़ियों को अपने दिनों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि हम जानते हैं कि यहां से वन-डे क्रिकेट, फिर टी-20 और चार दिन बाद फिर टेस्ट मैच खेलना काफी मुश्किल है। जो खिलाड़ी केवल टेस्ट का हिस्सा हैं, उनके लिए तैयारी करना और घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत महत्वपूर्ण है।

राहुल का अर्धशतक, भारत ने किया क्लीन स्वीप

पांचवें दिन वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट शृंखला की अपने नाम

लोकेश राहुल।

- मैच में आठ विकेट लेने पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव
- बल्ले-गेंद से शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुने गए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के नाबाद अर्धशतक की मदद से भारत ने दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें दिन मंगलवार को वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर दो मैच की शृंखला में क्लीन स्वीप किया। भारत ने 121 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन एक विकेट पर 63 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। उसे जीत के लिए केवल 58 रन की जरूरत थी। भारत ने आखिर में 35.2 ओवर में तीन विकेट पर 124 रन बनाए। राहुल 58 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) के शतकों की मदद से अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 248 रन ही बना पाई थी और उसे फॉलोऑन करना पड़ा था। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल (199 गेंदों पर 115 रन) और शाई होप (214 गेंदों पर 103 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे उसकी टीम 390 रन बनाने में सफल रही। इससे मैच पांचवें दिन तक खिंच गया। भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर पारी और 140 रन से जीता था। भारत की घरेलू धरती पर श्रेष्ठता की पुष्टि करने के अलावा यह जीत भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में शुभमन गिल की शृंखला में पहली जीत के रूप में भी दर्ज की जाएगी। राहुल ने छह चौके और दो छक्के लगाए तथा साई सुदर्शन (39) के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। गिल ने 13 रन बनाए जबकि ध्रुव जुरेल छह रन बनाकर नाबाद रहे।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को मैच में आठ विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसमें पहली पारी में लिए गए पांच विकेट भी शामिल हैं। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने इस मैच में अपना जज्बा दिखाया लेकिन इसके बावजूद रोस्टन चेज, क्रैग ब्रैथवेट के बाद, कप्तान के रूप में अपने पहले पांच टेस्ट मैच हारने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे कप्तान बन गए। चेज़ ने पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ी कैरेबियाई देशों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए हमें इस आखिरी टेस्ट मैच को एक मानदंड के रूप में उपयोग करना होगा। हमें यहां से जितना संभव हो सके उतना सुधार करना होगा। दो टेस्ट मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी टीम के सभी 40 विकेट चटकाए। भारतीय बल्लेबाजों की ओर से दो मैचों में पांच शतक बनाए गए। भारतीय बल्लेबाजों की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट शृंखला में होगी।

अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी।

- भारत पहली पारी : 518/5 (घोषित)
- वेस्टइंडीज पहली पारी : 248/10
- वेस्टइंडीज दूसरी पारी: 390/10

भारत

124/3 (35.2 ओवर) (दूसरी पारी)

यशस्वी का फिलिप बो वारिकन	08
केएल राहुल नाबाद	58
साई सुदर्शन का होप बो चेज़	39
शुभमन गिल का ग्रीव्स बो चेज	13
ध्रुव जुरेल नाबाद	06

गेंदबाजी : जेडन सील्स 3-0-14-0, जोमेल वारिकन 15.2-4-39-1, खारी पियरे 8-0-35-0, रोस्टन चेज़ 9-2-36-2

खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए कभी-कभी आपको साहसिक फैसले लेने पड़ते हैं: गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए साहसिक फैसले लेने में नहीं हिचकिचाते और वह इस भूमिका के आदी हो चुके हैं। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जीत के बाद कहा कि मैं खेल की परिस्थितियों के अनुसार फैसला करता हूं। कभी-कभी आपको साहसिक फैसले लेने होते हैं और यह इस पर निर्भर होता है कि कौन सा खिलाड़ी आपके लिए विकेट ले सकता है या रन बना सकता है। मुझे लगता है कि मैं इस टीम के सभी खिलाड़ियों से काम लेने का आदी हो रहा हूं। मुझे ज़िम्मेदारी निभाना अच्छा लगता है। मुझे ज़िम्मेदारी निभाना पसंद है और मैं इसे अपने तरीके से करता हूं। कुछ अहम फ़ैसलों में शामिल होना मुझे बहुत पसंद है और मुझे लगता है कि इससे मेरे अंदर का सर्वश्रेष्ठ सामने आता है।

बारिश की भेंट चढ़ा मैच, श्रीलंका और न्यूजीलैंड को एक-एक अंक

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप मुकाबले को लगातार बारिश के कारण रद्द करना पड़ा, जिससे दोनों टीमों को एक एक अंक मिला। मेजबान टीम ने दमदार प्रदर्शन कर 6 विकेट पर 258 रनों का स्कोर खड़ा किया, लेकिन न्यूजीलैंड के खेलने से ठीक पहले आर प्रेमदासा स्टेडियम में बारिश शुरू हो गई, जिससे मैच नहीं हो सका।

मैच के बाद अटापट्टू ने कहा कि हमने परिस्थितियों का आकलन कर अच्छा क्रिकेट खेला। दुर्भाग्य से हम मैच पूरा नहीं कर सके। अगला मैच बेहद अहम है। हमें तीन मैच जीतने होंगे। उम्मीद करते हैं कि हमारे मैच में बारिश नहीं हो। श्रीलंका चार मैचों में दो अंक लेकर सातवें स्थान पर है जबकि न्यूजीलैंड तीन अंक से तालिका में पांचवें स्थान पर है। यह नतीजा न्यूजीलैंड के लिए भी बड़ा झटका है जो पहले ही दो हार झेल चुका है और अब उसके लिए सेमीफाइनल की दौड़ मुश्किल हो गयी है। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि दुर्भाग्य से मौसम ने हमें मैच नहीं खेलने दिया, हम लक्ष्य का पीछा करने को उत्साहित थे। आंकड़े और संख्याएं केवल यहीं तक सीमित रह सकती हैं। यह विश्व कप का दूसरा मैच है जो बारिश के कारण रद्द हो गया। इससे पहले पिछले हफ्ते श्रीलंका का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच भी बारिश के कारण रद्द हो गया था। इससे पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद श्रीलंका ने निलाक्षिका डिसिल्वा (नाबाद 55 रन) के आक्रामक और कप्तान चामरी अटापट्टू (53 रन) के संयमित अर्धशतक से छह विकेट पर 258 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

कोलंबो में खेले जा रहे महिला विश्व कप मैच के दौरान श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू और विश्मी गुणारत्ने।

भरत 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता। आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में मनास्लू, मई 2019 में ल्होत्से, मार्च 2022 में अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में कंचनजंगा, मई 2023 में मकालू, अक्टूबर 2024 में शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं।

सुल्तान जोहोर कप | भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बाद बनाई बढ़त, पाकिस्तान ने अंतिम क्षणों में बराबरी की

भारत-पाकिस्तान के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ रहा

जोहोर बाहरु (मलेशिया), एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप के अपने ग्रुप चरण के तीसरे मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। भारत ने रोमांचक मुकाबले में दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बढ़त बनाई लेकिन पाकिस्तान ने गोल करके अंक बराबर कर लिए। इस परिणाम का मतलब है कि भारत को अब तक टूर्नामेंट में हार का सामना नहीं करना पड़ा है।

भारत के लिए अरिजीत सिंह हुंडल (43वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (47वें मिनट), मनमीत सिंह (53वें मिनट) ने गोल दागे। पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद (5वें मिनट) के अलावा सूफियान खान (39वें मिनट, 55वें मिनट) ने दो गोल किए। भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए गेंद पर दबदबा बनाए रखा। भारत ने शुरुआत में सर्कल में कई बार सेंध लगाई जिससे पाकिस्तान बैकफुट पर रहा। पाकिस्तान ने पलटवार करते हुए जल्द ही पेनल्टी स्ट्रोक हासिल कर लिया। कप्तान शाहिद ने बिना कोई गलती किए गेंद गोलकीपर के दाईं ओर से नीचे की ओर डालकर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद सूफयान ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पाकिस्तान की बढ़त 2-0 कर दी। भारत ने क्वार्टर के अंत में एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया। तीन मिनट से भी कम समय रहते हुंदल ने गोल करके अंतर कम किया। इसके बाद कुशवाहा ने एक बेहतरीन शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।

भारत के आक्रामक रुख से पाकिस्तान बैकफुट पर

बराबरी गोल करने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भारत ने आक्रामक रुख अपनाया जिससे पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया। फिर मनमीत ने गोल करके मैच में पहली बार भारत को बढ़त दिलाई। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई क्योंकि सूफयान ने मैच में दूसरी बार पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बराबरी हासिल कर ली।